www.navpradesh.com | रायपुर, शनिवार 30 मई 2020, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-अष्टमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-109 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी का निधन

अलविदा... सपनों के सौदागर

- 20 दिन से भर्ती थे, दोपहर 3.30 बजे अस्पताल में ली अंतिम सांस
- अंतिम दर्शन के लिए सागौन बंगला में रखी गई पार्थिव देह, उमड़ी भीड़
- आज गौरेला में राजकीय सम्मान के साथ होगा जकांछ सुप्रीमो का अंतिम संस्कार

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। खुद को सपनों का सौदागर कहने वाले छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने 20 दिनों बाद नीजि अस्पताल में अंतिम सांस ली। शुक्रवार 29 मई को दोपहर 3.30 बजे उनका निधन हो गया। जोगी जो खुद को खुद सपनों का सौदागर कहते थे वो अब इस दुनिया में नहीं रहे। अजीत जोगी ने रायपुर के देवेन्द्र नगर स्थित नारायणा अस्पताल में अपराह्न 3:30 बजे आखिरी सांस ली। जोगी का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ 30 मई शनिवार को गौरेला में होगा। जोगी 9 मई से तबीयत खराब होने की वजह से अस्पताल में भर्ती थे। आईपीएस और फिर आईएएस से लेकर मुख्यमंत्री पद तक का सफर तय करने वाले अजीत जोगी राजनीति के धुरंधरों में गिने जाते रहे हैं। प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के अंतिम वक्त में पत्नी रेणु जोगी, पुत्र अमित एश्वर्य जोगी भी थे। कार्डियक अटैक की वजह से कोमा की स्थिति में पूरे 20 दिन से वे नारायणा अस्पताल में वेंटिलेटर पर थे।

अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक बीते 48 घंटे में ही उन्हें दो बार कार्डियक अरेस्ट हुआ। लगातार उनकी पल्स, हार्ट बीट वीक होती गई। बता दें कि 20 दिनों पूर्व घर पर गंगा ईमली खाते वक्त बीज श्वांस नली में फंसने और मस्तिष्क में सूजन आने तथा हार्ट अटैक की वजह से अस्पताल में इलाज चल रहा था। शुक्रवार दोपहर 3 बजे से ही चिकित्सकों की पूरी टीम उनकी जान बचाने के लिए जद्दोजहद कर रही थी। परिजनों और मीडिया को भी उनकी हालत नाजुक होने की खबर लग गई थी।

अजीत जोगी ने 1968 में स्वर्ण पदक के साथ मौलाना आजाद कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पिता के पैर से लिपटकर फफक पड़े अमित, रेणु रह गईं अवाक

अजीत जोगी के आखरी क्षणों में पत्नी रेणु जोगी और पुत्र अमित भी मौके पर थे। चिकित्सकों ने जैसे ही अजीत जोगी के नहीं रहने की खबर दी तो दोनों भावुक हो उठे। जोगी के पुत्र अमित फफक कर रो पड़े और पिता के पैरों में अपना सिर रख रोते ही चले गए। पत्नी रेणु अवाक खड़ी रहीं और लगातार उनकी आंखों से आंसू बहते रहे। शायद उन्हें भरोसा नहीं था कि पति अजीत जो अंतःशक्ति और अपनी जीवटता के बल पर कई मुसीबतों के पहाड़ को चकनाचूर कर 20 दिन पहले साथ थे..वो आज ऐसे ही बड़ी खामोशी से चीर निद्रा में लीन हो गए। पत्नी रेणु जोगी और पुत्र अमित जोगी की उस वक्त की तस्वीर यही बयां करती है।

आज सुबह 9 बजे पैतृक गांव ले जाए जाएंगे जोगी

शनिवार को अजीत जोगी का पार्थिव शरीर सुबह 9 बजे सागौन बंगला रायपुर से बिलासपुर मरवाही सदन 11 बजे पहुंचेगा। वहां से कोटा रतनपुर केंदा मार्ग होते हुवे उनके गृह ग्राम जोगिसार से गौरेला के पैतृक जोगी निवास पहुंचने के बाद सेनेटोरियम (मरवाही विधानसभा) में अंतिम संस्कार किया जाएगा। लाकडॉउन के नियमों का पालन किया जाएगा।

आईपीएस के बाद आईएएस फिर बने मुख्यमंत्री

बिलासपुर के पेंड्रा में जन्में अजीत जोगी ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद पहले भारतीय पुलिस सेवा और फिर भारतीय प्रशासनिक की नौकरी की। बाद में वे मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के सुझाव पर राजनीति में आये। वे विधायक और सांसद भी रहे। बाद में 1 नवंबर 2000 को जब छत्तीसगढ़ बना तो उन्हें राज्य का पहला मुख्यमंत्री बनाया गया।

प्रदेश में तीन दिन का राजकीय शोक

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन पर गहरा दुःख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने जोगी के निधन पर राज्य में शुक्रवार से तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और कोई भी शासकीय समारोह आयोजित नहीं किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ की राजनीति के लिए बड़ी क्षति

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी का निधन छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए एक बड़ी राजनीतिक क्षति है। हम सभी प्रदेशवासियों की यादों में वो सदैव जीवित रहेंगे।

भूपेश बघेल, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

निधन से व्यक्तिगत क्षति, प्रदेश को अपूरणीय क्षति

प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन से व्यक्तिगत क्षति के साथ साथ प्रदेश को भी अपूरणीय क्षति हुई है। उनके देहावसान की खबर से मैं बेहत दुखी हूं।

डॉ. चरणदास महंत
स्पीकर, छग विधान सभा

राज्यपाल ने जताया शोक

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। राज्यपाल ने कहा है कि श्री जोगी ने छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश को अपना अतुलनीय योगदान दिया। उनमें अटूट आत्मविश्वास, मजबूत इच्छाशक्ति और प्रखर नेतृत्व का गुण था। उनका जन्म सामान्य परिवार में हुआ, पर अपने निरंतर संघर्ष और मेहनत के बलबूते प्रशासक और राष्ट्रीय स्तर के राजनेता के रूप में वे स्थापित हुए। वे ऐसे प्रतिनिधि के रूप में जाने जाते थे, जो समाज के निर्धन और निचले तबके को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहता है।

जिंदा यादें: सूबे के पहले सीएम के करिश्माई जज्बे से जुड़े अनकहे किस्से

जब जोगी ने कहा- राजनीति पांव से नहीं, दिमाग से होती है

यशवंत धोटे

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता के तौर पर 1998 (दिन दिनांक याद नहीं)में देशव्यापी दौरे पर निकले अजीत जोगी से मैंने दुर्ग के सर्किट हाउस में एक सवाल किया था कि मध्यप्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री की मांग को आप कितना प्रासंगिक मानते हैं। इस प्रश्न के बाद उनके चेहरे की भाव भंगिमा यह बता रही थी कि कांग्रेस का एक तबका आदिवासी मुख्यमंत्री की मांग की न केवल मजाक उड़ाता हैं बल्कि निकट भविष्य में बनने वाले नए राज्य को भी आदिवासी मुख्यमंत्री से महरूम रखा जा सकता है। सो उन्होंने मेरे सवाल के जवाब में अविभाजित मध्यप्रदेश और संभावित छत्तीसगढ़ के भूगोल के साथ सामाजिक विज्ञान का पूरा खाका रख दिया था। लेकिन साथ में यह भी जोड़ा था कि जिस दिन नया राज्य छत्तीसगढ़ बनेगा वहां पहले दिन से आदिवासी मुख्यमंत्री होगा। और वैसे ही हुआ। हालांकि इससे पहले काफी उठापटक हुई। फिर भी जोगी नए राज्य के पहले सीएम बने। उन्हें भले ही समय कम मिला हो लेकिन उनकी रखी गई बुनियाद पर आज राज्य का अधोरसंरचना विकास दिखता है। मेरे पत्रकारिता के केरियर में मेरी पहली हेलीकॉफ्टर यात्रा भी अजीत जोगी के साथ ही हुई। दुर्ग से महासमुन्द के बीच 2003 में इस आधे घन्टे की संक्षिप्त यात्रा का संस्मरण इसलिए भी जरूरी हैं कि उस हेलीकाफ्टर में मौजूदा मुख्यमंत्री और तब के परिवहन मंत्री भूपेश बघेल और दिवंगत कांग्रेस नेता नंदकुमार पटेल भी थे। उस दिन महासमुन्द में पिछड़ा वर्ग का सम्मेलन था। मैने आधे घन्टे के इस सफर में आउटलुक मैगजीन के लिए उनका इन्टरव्यू तो कर लिया था लेकिन उस समय हेलीकाफ्टर में मौजूद तीनो नेताओं की एक दूसरे के प्रति तल्खी उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी। महासमुन्द में सम्मेलन के बाद तीनो नेता अपने -अपने वाहनों से रायपुर आए लेकिन मुझे वापस छोड़ने के लिए जोगी जी ने महासमुन्द के विधायक अग्नि चनद्राकर को मेरे साथ हेलीकाकाफ्टर में दुर्ग तक भेजा। 2009 के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जल्द आएगी जोगी की आत्मकथा

शिशिर सोनी

तब अजीत जोगी मुख्यमंत्री थे। मैं दैनिक भास्कर दिल्ली में विशेष संवाददाता था। मैंने एक खबर लिखी, सीबीआई ने चार्जशीट किया तो जोगी का जाना तय...' खबर रायपुर लैंड करते ही मेरा मोबाइल बजा। शिशिर जी नमस्कार, जोगी साहेब बात करेंगे - नरेश कुमार की आवाज थी। नरेश तब जोगी के राजनीतिक सलाहकार थे। उसके बाद आवाज थी जोगी जी की - ये क्या लिखा है आपने। कौन सीबीआई मुझे चार्जशीट कर रही है और मैं कहां जा रहा हूं? आप इस खबर को रोकें। ये गलत खबर है। मैंने कहा खबर तो चली गई। रुक नहीं सकती। तब अजीत जोगी अपने रौ के नेता थे। अखबार के दफ्तर में भी उनके खबरी होते थे। तभी तो मेरी खबर छपने से पहले ही उन्हें पता चली। श्यामाचरण शुक्ल, विद्याचरण शुक्ल जैसे नेताओं को पानी पिलाकर छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री बने थे। सोनिया गांधी से बेहद करीब रहे। इतने करीबी की मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ के अलग होने के बाद जोगी को सीधे सीएम बनाकर सोनिया गांधी ने उन्हें रायपुर भेज दिया था। वे चाहते तो सीधे भास्कर के चेयरमैन स्वर्गीय रमेश चंद्र अग्रवाल जी से बात कर सकते थे, लेकिन उन्होंने मुझे साधने के प्रयास में कुछ आड़ी तिरछी बात कर दी। मैंने फोन बंद कर दिया। उन्होंने बाद में रमेश जी को फोन मिलाया था क्या बात हुई मुझे आज तक नहीं पता, लेकिन वो खबर तब प्रमुखता से छपी थी। उसके बाद मेरे रिश्ते जोगी जी से खराब हो गए। दिल्ली आयें तो कोई बात मुलाकात नहीं। सब बन्द। हमारे बीच बातचीत की शुरुआत रेणु भाभी ने कराई। जोगी जी की पत्नी डॉक्टर रेणु जोगी तब दिल्ली के अस्पताल में जोगी जी की सेवा में थी। जोगी जी का भारी सड़क एक्सिडेंट हुआ था। उसी के बाद वे व्हील चेयर पर रहे। बात मुलाकात बढ़ी। हमारी दोस्ती प्रगाढ़ हो गई। वे मुझे अच्छी तरह समझ गए। फिर खुल गए। बेतकल्लुफ्फी से राजनीतिक, गैर राजनीतिक, पारिवारिक हर तरह की सलाह वो गाहे बगाहे लिया करते थे। सलाह मानते भी थे। मैं बिना लागलपेट के साफ-साफ बात करता था, जो उन्हें अच्छा लगता था।

उन दिनों वीसी शुक्ल से उनकी ठनी हुई थी। राजनीति तक तो ठीक है मगर घर में इकलौते बेटे की शादी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

तूफानी आमद, खामोश विदाई...

सुकांत राजपूत

नंगे पैर स्कूल जाने से लेकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई और ईसाई धर्म अपनाने से लेकर प्रशासनिक सेवा तक का सफर काफी तूफानी था। जोगी को 'सपनों का सौदागर' भी कहा जाता रहा है। साल 2000 में जब उन्होंने छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो खुद को 'सपनों का सौदागार' कहा था, यह भी बोले थे कि मैं सपने बेचता हूं। अपने संस्मरण में वे जिंदगी का सबसे यादगार वाक्या भी पहली बार पहनने मिले नए जूते को अपने जेहन में संजोए रहे। हमेशा तूफानी अंदाज-ऐ-सियासत से पहले तूफानी नौकरशाही का जलवा भी वे बिखेर चुके थे। अजीत जोगी ने कांग्रेस को उसी अंदाज में अलविदा कहा। इसी अंदाज में उन्होंने प्रदेश में एक नई सियासी दल को वजूद में लाए। मजबूत और जमीनी पकड़ रखने वाले क्षेत्रीय दल की

कमी की वजह से प्रदेश के लोगों के पास भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के रूप में बस दो ही विकल्प थे। गरीब, आदिवासी, मजबूरों के लिए खुद को बेहतर विकल्प साबित करने में वे कई हद तक कामयाब भी रहे। तूफानी तेवर से छजकां(जे) सुप्रीमो ने ऐन विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बसपा सुप्रीमो मायावती से गठबंधन कर जता दिया, उम्रदराजी के बाद भी वे सियासी तंदुरूस्ती रखते हैं। हालांकि जिस उम्मीद से यह सब कवायद की गई उससे वे चूक गए, लेकिन सूबे की सियासत में तूफान लाए। अजीत जैसे बिरले तूफानी असाधारण शिख्सियत का यूं बड़ी खामोशी से विदा हो जाने की शायद किसी को उम्मीद नहीं थी। मुझे याद है विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक साक्षात्कार में कहे थे....उनका कांग्रेस से जाना ही उनके लिए वरदान बन गया। तूफानी वरदान की अब विदाई हो चुकी...लेकिन फिर कोई ऐसा सूबे की सियासत में वरदान नहीं पैदा हो सकता।

आज बेबाक

एक मच्छर क्या कर सकता है यह तो नाना पाटेकर पहले ही बता चुके है। मात्र 2 ग्राम का अदना सा टिड्डी कितना कहर बरपा सकता है यह सबके सामने है। पाकिस्तान से उड़ कर आए टिड्डियों के दल ने भारत के कई राज्यों में फसल को भारी क्षति पहुंचा कर पहले से ही मुसीबत के मारे किसानों के लिए दुबर पर दो अषाढ़ वाली कहावत चरितार्थ कर दी है। यह भारत का दुर्भाग्य ही है कि उसे ऐसे दो एड़े पड़ौसी मिले हैं जिसमें से एक ने कोरोना भेजा है तो दूसरे ने टिड्डी। काश हम इतिहास की तरह भूगोल भी बदल पाते?

छत्तीसगढ़ में कोरोना से पहली मौत, 16 नए मरीज भी मिले

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को कोरोना से पहली मौत दर्ज हो गई। वहीं 16 नए पॉजिटिव मरीज भी सामने आए। हालांकि जिस युवक की मौत हुई है, उसे पहले से और भी बीमारियां थीं। एम्स के डायरेक्टर डॉ. नितीन एम. नागरकर ने बताया कि जिस युवक की मौत हुई है उसका सैंपल जांच के लिए एम्स भेजा गया था, लेकिन उसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा था। जांच में उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं जिला प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक यह युवक रायपुर के बीरगांव का रहने वाला था, जिसे बीते दिनों तबीयत बिगड़ने के चलते रायपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। युवक को अन्य बीमारियों के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं शुक्रवार को कुछ भर्ती मरीजों की रिपोर्ट रिपीट पॉजिटिव आई है।

अब 314 एक्टिव पॉजिटिव

छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को कोरोना के 16 नए पॉजिटिव केस मिले। वहीं दूसरी ओर राज्य के विभिन्न अस्पतालों से 17 मरीजों के ठीक होने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। शुक्रवार को कबीरधाम के 6, बिलासपुर व रायपुर से 2-2 तथा दुर्ग, महासमुंद, बलरामपुर, धमतरी तथा कोरबा से एक-एक पॉजिटिव केस मिला है। इस तरह अब राज्य में एक्टिव पॉजिटिव की संख्या बढ़कर 314 हो गई है।

राजनांदगांव के 11 मरीजों की रिपोर्ट रिपीट पॉजिटिव

वहीं राज्य कोविड कमांड सेंटर के मीडिया इंचार्ज डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि राजनांदगांव के 11 भर्ती मरीजों की जांच रिपोर्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बिलासपुर में भी एक मरीज की रिपोर्ट को लेकर भी डाउट बना हुआ है।

एशियाई देशों में भारत सबसे संक्रमित, तुर्की को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली/ ए.। एशियाई देशों में भारत अब सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित देश बन गया है। देश में चौबीस घंटे के दौरान कोरोना वायरस के सात हजार के करीब मामले सामने आने के बाद भारत ने तुर्की को पीछे छोड़ दिया है। कोविड-19 आंकड़े देने वाली वेबसाइट वर्ल्डों मीटर के मुताबिक, भारत में गुरुवार तक 1,60,310 कोरोना केस आ चुके है जो किसी भी एशियाई देश के मुकाबले ज्यादा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, कुल संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1,73,140 हो गई, जबकि इससे मरने वालों का आंकड़ा 4,975 तक पहुंच गया है। कोरोना संक्रमित एशियाई देशों की सूची में दूसरे नंबर पर तुर्की है।

स्वस्थ्य होने वालों में भारत बेहतर

मरीजों के मामले में भारत फ्रांस से आगे निकल गया है। फ्रांस में जहां सक्रिय मरीजों की संख्या 87733 है। वहीं भारत में 88923 एक्टिव केस सामने आ चुके हैं। हालांकि स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या में भारत की स्थिति फ्रांस से बेहतर है।

कमजोर हुआ कम दबाव का क्षेत्र तो छग में भी मानसून की एंट्री समय पर

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। यदि मौसम संबंधी स्थितियां सामान्य रहीं तो छत्तीसगढ़ में मानसून 13 से 15 जून के बीच बस्तर के रास्ते दस्तक दे सकता है। रायपुर मौसम केंद्र के वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के मुताबिक अरब सागर में अभी कम दबाव का क्षेत्र बना है। यह जितने जल्दी कमजोर होगा उतने ही जल्दी मानसून आगे बढ़ेगा। चंद्रा ने बताया कि भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक केरल में मानसून अपने तय समय यानी 1 जून को दस्तक देगा। लेकिन केरल से मानसून को छत्तीसगढ़ के बस्तर पहुंचने में 8 से 10 दिन लग जाते हैं। वहीं रायपुर में यह 13 से 15 जून के बीच आता है। पिछले साल भी अरब सागर में जो कम दबाव का क्षेत्र बना था उससे केरल में तो समय पर बारिश हुई लेकिन देश के विभिन्न राज्यों में इसके पहुंचने में देरी हुई। इसलिए समय पर मानसून पहुंचने के लिए इस कम दबाव के क्षेत्र का खत्म होना जरूरी है।

फिलहाल केंद्रीय मौसम विभाग से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक इस समय दक्षिण-पश्चिम मानसून को सक्रिय करने की स्थितियां बनती नजर आ रही है।

इस साल अल नीनो नहीं

चंद्रा के मुताबिक इस साल अल नीनो इफेक्ट नहीं रहेगा, जो पिछले साल देखने को मिला था। वहीं ला नीनो अगस्त के लास्ट वीक में सक्रिय होगा, जिससे इस साल एक बार बारिश शुरू होने पर इसके लगातार जारी जारी रहने के आसार हैं। मानसून ब्रेक की स्थिति नहीं होगी, जैसा कि पिछले साल देखने को मिला था। भारतीय मौसम विभाग बता चुका है इस साल वर्षा वाले दिनों की संख्या अधिक रहेगी।

भीषण गर्मी में पानी की किल्लत से जूझ रहे देश के कई इलाके

चंडीगढ़/ए.। नजारा चंडीगढ़-पंजाब सीमा का है, जहा एक प्रवासी बुजुर्ग महिला को उसका परिजन पानी पिला रहा है।

जबलपुर/ए.। चित्र जबलपुर से 28 किमी दूर बार्गी गांव का है, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं कुएं से पानी खींच रही हैं। यह क्षेत्र पानी की भारी किल्लत से जूझ रहा है।

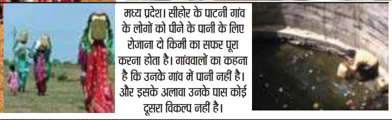

मध्य प्रदेश। सीहोर के पाटनी गांव के लोगों को पीने के पानी के लिए रोजाना दो किमी का सफर पूरा करना होता है। गांववालों का कहना है कि उनके गांव में पानी नहीं है। और इसके अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

अजमेर। राजस्थान के अजमेर शहर की सीमा से पीने का पानी ले जाती महिलाएं।

कोरोना पर कोर्ट की दिल्ली सरकार को फटकार

हाईकोर्ट ने कहा, कोरोना मरीजों को भर्ती कराने को लेकर सरकार और एम्स के बीच संवादहीनता

नई दिल्ली ए.। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आप सरकार और एम्स के बीच संवादहीनता की स्थिति है जिसके कारण कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद मरीजों को एम्स में कोविड-19 की समर्पित शाखा में ना भेजकर दूसरे अस्पतालों में भेजा जा रहा है। अदालत ने उल्लेख किया कि ये सभी अन्य राज्यों से आए मरीज हैं जो गैर-कोविड-19 बीमारियों का इलाज कराने एम्स आए थे, लेकिन बाद में अस्पताल परिसर में बने रैन बसेरों में रहते हुए कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए।

न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और दिल्ली सरकार दोनों को निर्देश दिया कि दोनों अपने-अपने नोडल अधिकारी नियुक्त करें और दोनों के बीच कोविड-19 मरीजों को लेकर होने वाली सभी बातचीत की जानकारी एक नोडल अफसर दूसरे को देगा। पीठ ने कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि एम्स और दिल्ली सरकार के बीच संवाद प्रोटोकॉल की कमी है।' एम्स में गैर-कोविड-19 बीमारियों के इलाज के लिए एम्स में भर्ती हुए 20 मरीजों को कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद, दिल्ली सरकार के अस्पतालों में भेजे जाने के मुद्दे पर यह निर्देश जारी हुआ है। एम्स में शुक्रवार को 11 और स्वास्थ्यकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए जिनमें दो रेजिडेंट डॉक्टर भी शामिल हैं। इसके साथ ही देश के इस शीर्ष अस्पताल में कोरोना वायरस से संक्रमित कर्मियों की संख्या 206 हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

अकल्पनीय तबाही का कारण बनेगी कोरोना

वैश्विक उत्पादन में हो सकता है 8500 अरब डॉलर का नुकसान

एजेंसी,संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है कि कोविड-19 महामारी अकल्पनीय तबाही का कारण बन सकती है और इससे भीषण भूख और अकाल की शुरूआत हो सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस महामंदी का अगर सभी राष्ट्रों ने मिलजुलकर जवाब नहीं दिया तो वैश्विक उत्पादन में 8500 अरब डॉलर की कमी होगी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने गुरुवार को विकास के लिए वित्त पोषण पर उच्च-स्तरीय कार्यक्रम में कहा, ''हमें इससे बचना चाहिए। महामारी ने हमारी कमजोरी को सामने ला दिया है। हाल के दशकों की सभी तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद हम एक सूक्ष्म वायरस के कारण एक अभूतपूर्व मानवीय संकट में हैं। उन्होंने एकजुटता के साथ इस अभूतपूर्व संकट का जवाब देने की जरूरत पर जोर दिया।

बिना आजीविका के होंगे 1.6 अरब लोग

गुटेरेस ने कहा यदि हम अभी कार्रवाई नहीं करेंगे तो कोविड-19 महामारी दुनिया भर में अकल्पनीय तबाही और पीड़ा की वजह बनेगी। भयानक भूख और अकाल की स्थिति होगी। छह करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी में चले जाएंगे। करीब आधा वैश्विक कार्यबल यानी 1.6 अरब लोग बिना आजीविका के होंगे। उन्होंने कहा कि महामारी के चलते वैश्विक उत्पादन में 8500 अरब अमेरिकी डालर तक की कमी हो सकती है, जो 1930 की महामंदी के बाद सबसे तेज कमी होगी।

चेतावनी को अनदेखा करना मूर्खतापूर्ण अहंकार

जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार दुनिया भर में 58 लाख से अधिक लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और अब तक 3.6 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। बाद में जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस और कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ एक वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिये प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुटेरेस ने कहा कि दुनिया कई बड़ी कमजोरियों से पीड़ित हैः कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली, जलवायु परिवर्तन, असमानता का चरम स्तर। उन्होंने कहा हम इन कमजोरियों के संकेत अन्य जगहों पर भी देखते हैं, जैसे परमाणु प्रसार के बढ़ते जोखिम से लेकर साइबर स्पेस की अराजकता तक। इन चेतावनी को अनदेखा करना मूर्खतापूर्ण अहंकार है। हमारे अस्तित्व के खतरों से निपटने के लिए विनम्रता, एकता और एकजुटता की जरूरत है।

24 घंटे बाद पूरे भारत से हीट वेव खत्म हो जाएगी : मौसम विभाग

नई दिल्ली ए.। उत्तर भारत में भीषण गर्मी से परेशान चल रहे लोगों को गुरुवार को हुई बारिश से कुछ राहत मिली है। वहीं भारतीय मौसम विभाग के उप महानिदेशक आनंद शर्मा ने बताया कि अभी दिल्ली-एनसीआर और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में वर्षा की संभावना बनी हुई है और 40-50 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 दिनों तक तापमान 40 डिग्री के नीचे रहने वाला है और 24 घंटों के बाद पूरे भारत से ?हीट वेव खत्म हो जाएगी। वहीं मालदीव-कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, अंडमान सागर और अंडमान के शेष हिस्सों में अगले 48 घंटे के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं।

31 मई के आसपास दक्षिण-पूर्व और आसपास के पूर्वी अरब सागर से सटे इलाके में कम दबाव बनने के अनुमान से एक जून 2020 के आसपास केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि निचले स्तर पर ताजा पश्चिमी विक्षोभ और पुरवैया हवाएं चलने के कारण मौसम में बदलाव हुआ। 29-30 मई को दिल्ली-एनसीआर में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ धूल भरी आंधी और गरज के साथ तूफान आने की आशंका है। विज्ञान विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात की स्थिति बनने की वजह से दक्षिण पश्चिम मानसून केरल में एक जून को दस्तक दे सकता है। विभाग ने 15 मई को जारी अपने पूर्वानुमान में कहा था कि मानसून पांच जून को दक्षिणी राज्य में आ सकता है। यह मानसून की सामान्य तिथि से चार दिन बाद की तारीख है। केरल में आमतौर पर एक जून को मानसून दस्तक दे देता है।

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई इलाकों में भूकंप के झटके

नई दिल्ली ए.। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। बताया जाता है कि दिल्ली-एनसीआर में भूंकप का यह झटका रिक्टर पैमाने पर 4.6 डिग्री मापा गया। भूकंप का केंद्र हरियाणा के रोहतक में पाया गया है जो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से 65 किमी दूर है। बताया जाता है कि भूकंप का केंद्र जमीन से 3.3 किमी नीचे था। भूकंप के ये झटके हरियाणा और पंजाब में भी महसूस किए गए हैं। भूकंप की दिशा रोहतक से पूरब और दक्षिण पूर्व की तरफ25 किमी दूर तक थी। यह मध्यम गति का भूकंप था, इसलिए कमजोर भवनों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। एक्सपर्ट का कहन है कि अगर भूकंप रिक्टर स्केल पर 5 से ज्यादा होता तो काफी ज्यादा नुसकान हो सकता था। बड़ी बात यह है कि कोरोना संकट से निपटने के लिए 25 मार्च को देशव्यापी लॉकडाउन घोषित होने के बाद से लगातार कई बार भूकंप आ चुका है। पिछली बार तो भूकंप का केंद्र दिल्ली में ही था। दरअसल, दिल्ली के आसपास से टेक्टॉनिक प्लेट के तीन फॉल्ट गुजर रहे हैं। इस कारण से दिल्ली और आसपास में लगातार भूकंप आ रहे हैं।

रमेश कुमार फिर बने आंध्र प्रदेश के निर्वाचन आयुक्त

हाईकोर्ट ने जगन सरकार के अध्यादेश को किया रद्द

हैदराबाद ए.। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने शुक्रवार को वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार द्वारा राज्य निर्वाचन आयुक्त (एसईसी) निम्मगड्डा रमेश कुमार का कार्यकाल पांच साल से घटाकर तीन साल करके उन्हें हटाने का अध्यादेश रद्द कर दिया। मुख्य न्यायाधीश जे. के. माहेश्वरी और वरिष्ठ न्यायाधीश सत्यनारायण मूर्ति की हाईकोर्ट की पीठ ने सरकारी आदेशों (जीओ नं. 31, 617 और 618) को भी निरस्त कर दिया। इसके साथ ही निर्देश दिया कि रमेश कुमार को तत्काल प्रभाव से एसईसी के रूप में बहाल किया जाए।

हाईकोर्ट के फैसला सुनाए जाने के एक घंटे के भीतर, रमेश कुमार ने बताया की कि उन्होंने अदालत के आदेश के अनुसार एसईसी के रूप में प्रभार फिर से संभाल लिया है। उन्होंने कहा कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्पक्ष रूप से करेंगे जैसा कि उन्होंने अतीत में किया था। जगन मोहन रेड्डी सरकार ने 10 अप्रैल को आंध्र प्रदेश पंचायत राज अधिनियम में संशोधन करते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त के कार्यकाल को पांच से घटाकर तीन वर्ष करने का आदेश दिया था। अध्यादेश जारी होने के एक दिन के अंदर, सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस वी कानागराज को राज्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया और उन्होंने तुरंत कार्यभार संभाला। हाईकोर्ट की एक बैच की लंबी सुनवाई के बाद फैसला सुनाया। रमेश कुमार ने आंध्र सरकार के अध्यादेश जरिए किए गए अपने निष्कासन को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने फैसला दिया कि राज्य सरकार के पास संविधान के अनुच्छेद 213 के तहत अध्यादेश को पारित करने की कोई शक्तियां नहीं हैं।

बता दें कि 15 मार्च को एक अधिसूचना जारी कर मार्च के आखिरी सप्ताह में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों को स्थगित करने का आदेश दिया गया था। इसके पीछे वजह कोरोनो वायरस महामारी बताई गई थी। इसी के बाद आंध्र की जगन मोहन रेड्डी सरकार ने रमेश कुमार को अध्यादेश के जरिए से पद से हटा दिया गया।

पंचकूला में पेड़ के नीचे शुरू हुआ 20 साल पुराना सैलून, पीपीई किट पहन हजामत बना रहे नाई

एजेंसी,पंचकूला। हरियाणा सरकार ने अब सभी सैलून और ब्यूटी पार्लर खोलने की छूट दे दी है। इसके बाद बड़े-बड़े सैलून तो खुले ही, साथ-साथ रोड साइड या पेड़ों के नीचे चलने वाले सैलून भी खुल गए हैं। पंचकूला में दो भाइयों ने भी 20 साल पुराने अपने सैलून पर फिर से काम करना शुरू कर दिया है। दोनों सरकार का गाइडलाइंस का भी बखूबी पालन कर रहे हैं। लॉकडाउन में छूट मिलने के बाद दोनों भाइयों ने ना सिर्फ सैलून खोला, बल्कि कोरोना संक्रमण से बचने के लिए पीपीई किट का भी इस्तमेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम 20 साल से यहां सैलून चला रहे हैं। हमने अपनी रक्षा और ग्राहकों की संतुष्टि के लिए पीपीई किट भी खरीदी। नई गाइडलाइंस के अनुसार, सैलून व ब्यूटी पार्लर में बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी से पीड़ित को प्रवेश नहीं मिलेगा। प्रत्येक ग्राहक के इस्तेमाल के बाद दुकान के सभी उपकरण सैनिटाइज करने होंगे। ग्राहक के लिए टोकन सिस्टम या अप्वॉइंटमेंट सिस्टम लागू किया जाए।

पाक हैंडलर्स ने बनाया 'आरोग्य सेतु एप्लीकेशन', खुफिया तंत्र का अलर्ट

एजेंसी,नई दिल्ली। खुफिया तंत्र के पास सीमा पार से आये एक इनपुट ने पुलिसवालों के होश उड़ा दिये हैं। पता चला है कि, हिंदुस्तान में कोविड-19 से जूझने मे मददगार साबित हो रहा 'आरोग्य सेतु एप्लीकेशन' कुछ पाकिस्तानी हैंडलर्स ने भी तैयार कर लिया है। चूंकि हिंदुस्तानी आरोग्य सेतु एप्लीकेशन को हर पुलिसवालों को भी डाउनलोड करना है। लिहाजा ऐसे में सबसे ज्यादा चिंता बढ़ी है दिल्ली पुलिस की। लिहाजा वक्त रहते ही दिल्ली पुलिस के खुफिया तंत्र ने इस बाबत एक 'विशेष अलर्ट नोट' जारी कर दिया है। जारी अलर्ट में दिल्ली पुलिस के सभी अफसरों-कर्मचारियों से पाकिस्तानी हैंडलर्स द्वारा डवलप किये गये आरोग्य सेतु से बचने की सलाह दी गयी है।

दिल्ली पुलिस स्पेशल ब्रांच द्वारा जारी इस अलर्ट में साफ-साफ कहा गया है कि, दिल्ली पुलिस महकमे का कोई भी अधिकारी/कर्मचारी हिंदुस्तानी आरोग्य सेतु एप्लीकेशन डाउनलोड जरुर करें, मगर सावधानी बहुत बरतें। ताकि कहीं ऐसा न हो कि वे किसी संदिग्ध एप्लीकेशन को डाउनलोड करके जाने-अनजाने किसी मुसीबत में फंस जायें। इस सब सतर्कता और एहतियाती कदम उठाये जाने के पीछे प्रमुख वजह सीमापार बताई जा रही है। भारतीय खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि, कुछ पाकिस्तानी हैंडलर्स ने भी हू-ब-हू हिंदुस्तानी एप्लीकेशन से मिलता जुलता 'आरोग्य सेतु एप्लीकेशन' बना लिया। इसके पीछे हिंदुस्तानी एजेंसियां हांलाकि अभी कुछ खुलकर तो नहीं बोल रही हैं। मगर हर कदम फूंक फूंक कर पूरे मामले की जड़ में पहुंचने के लिए भारतीय पुलिस को अलर्ट जरुर कर दे रही हैं। ताकि कहीं हमारी फोर्स (पुलिस) का कोई जवान या अधिकारी पाकिस्तानी हैंडलर्स की जद में न आ जाये। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (खुफिया शाखा) द्वारा जारी इस विशेष अलर्ट में सीधे सीधे अपने महकमे को ही अलर्ट रहने का आगाह किया गया है। माना जा रहा है कि अगर विदेशी हैंडलर्स द्वारा बना लिये गये इस ऐप के जरिये हमारी फोर्स के कर्मचारियों के मोबाइल में एक्सेस मिल गया तो बेहद नुकसानदेह साबित हो सकता है।

सीबीआई ने कसा तबलीगी जमात पर शिकंजा

कई आरोपों में आयोजकों के खिलाफ प्राथमिक जांच शुरू

नई दिल्ली ए.। पिछले काफी दिनों से तबलीगी जमात की चर्चा हो रही है। खासकर तब से जब दिल्ली के मरकज में बिना इजाजत के तबलीगी जमात का एक कार्यक्रम किया गया, जिसके बाद कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई। अब सीबीआई ने तबलीगी जमात के खिलाफ प्राथमिक जांच शुरू करने के लिए केस दर्ज कर लिया है। इसके आर्गेनाइजर्स पर आरोप है कि उन्होंने संदेहजनक कैश ट्रांजेक्शन कीं और अथॉरिटीज से यह जानकारी छुपाई कि तबलीगी जमात को विदेशों से भी डोनेशन मिलता है। अधिकारियों ने कहा कि प्राथमिक जांच से ये तय किया जाता है कि किसी मामले की पूरी तरह से जांच करने की जरूरत है या नहीं। अगर जरूरत होती है तो फिर एफआईआर दर्ज कर के मामले की गहराई से छानबीन की जाती है। पहले से ही तबलीगी जमात इस बात को लेकर आलोचना का शिकार हो रहा था कि उसने कोरोना वायरस को फैलाया है और अब कैश ट्रांजेक्शन और विदेशी डोनेशन छुपाने के चलते जमात की परेशानी और बढ़ने वाली है।

महाराष्ट्र, यूपी, मप्र में टिड्डी दल ने बोला धावा, 7 राज्यों में अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। टिड्डी दल के हमले से बचाव के लिए राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों ने जहां एक तरफ भारी मात्रा में कीटनाशक का छिड़काव किया तो वहीं दूसरी तरफ लोगों ने थाली और तेज संगीत बजाकर भी इन्हें भगाने का प्रयास किया। दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में सरकारों ने टिड्डी दल के पहुंचने को लेकर अलर्ट जारी किए हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, टिड्डियों के झुंड के बिहार और ओडिशा तक पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन दक्षिण भारत में इन कीटों के पहुंचने की संभावना कम है। एफएओ ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में, भारत में टिड्डियों के वयस्क समूहों का आना हुआ है और ये भारत-पाकिस्तान सीमा से पूर्व की ओर बढ़ रहे हैं। एफएओ ने ताजा सूचना में कहा कि टिड्डियों के झुंड उत्तरी भारत की ओर चले गए हैं। राजस्थान के पश्चिम भाग से आये टिड्डियों के समूह राज्य के पूर्वी हिस्से तथा मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे मध्यवर्ती राज्यों की ओर बढ़ रहे हैं।

हरियाणा ने पड़ोसी राजस्थान और कुछ अन्य राज्यों में टिड्डी दल के फसलों पर हमले के बाद सात जिलों में हाई अलर्ट जारी किया है। हरियाणा प्रशासन ने कहा है कि यद्यपि टिड्डी दल ने राज्य में प्रवेश नहीं किया है, लेकिन हम उच्च स्तरीय सावधानी बरत रहे हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग संजीव कौशल ने बताया कि हम तैयार हैं, सात जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। हमारे पास कीटनाशकों का पर्याप्त भंडार है और हमने किसानों के समूह को भी सूचित कर दिया है। यहां तक कि हमने व्हाट्सएप पर भी किसानों का एक समूह बनाया है। उन्होंने बताया कि छिड़काव की सुविधा वाले ट्रैक्टरों को भी तैयार किया गया है। हम सभी एहतियात बरत रहे हैं।

देश के कुछ हिस्सों में टिड्डी दल के धावा के बीच कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को दावा किया कि हवा की दिशा में बदलाव के चलते राज्य में टिड्डी दल के पहुंचने की संभावना बेहद कम है। कृषि मंत्री बीसी पाटिल ने संवाददाताओं से कहा कि बचाव उपायों के तहत, टिड्डी दल के हमले की सूरत में इससे निपटने के लिए एक समिति का गठन किया गया है, जिसमें कृषि और उद्यान विभाग के निदेशकों समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है।

इस बीच, पाकिस्तान की सीमा से राजस्थान में घुसी टिड्डियों के हमले से राजस्थान के जिलों का लगभग 90,000 हेक्टेयर इलाका प्रभावित हुआ है एक अधिकारी ने बताया कि टिड्डी नियंत्रण दलों द्वारा किये गये कीटनाशक छिड़काव के बाद टिड्डियां श्रीगंगानगर से चलकर नागौर, जयपुर, दौसा, करौली और सवाई माधोपुर और अन्य क्षेत्रों से गुजरती हुई उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की ओर बढ गई। कृषि विभाग के आयुक्त ओम प्रकाश ने बताया कि टिड्डियों के हमले से श्रीगंगानगर में लगभग 4,000 हेक्टेयर भूमि पर लगी फसल को नुकसान हुआ वहीं नागौर में 100 हेक्टेयर भूमि की फसल को चट कर दिया। हालांकि, उत्तर प्रदेश में झांसी सहित कुछ जिलों में बुधवार शाम पहुंचे टिड्डी दल में शामिल लाखों कीटों को रसायनों के गहन छिड़काव की मदद से नष्ट कर दिया गया। बचे हुए टिड्डी झुंड को भगाने की कोशिशें जारी है।

आधी रात को आए फोन ने ढाई घंटे में जोगी को बनाया था डीएम से सीएम

कलेक्टर से सूबे के पहले सीएम बनने तक का अजीत जोगी का सफर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी अब इस दुनिया में नहीं रहे। लेकिन एक आईएसएस से राजनीति में आने की उनकी कहानी दिलचस्प है। आधी रात को आए एक फोन कॉल ने उन्हें कलेक्टर से नेताजी बना दिया था। कहानी कुछ ऐसी है- 1985। शहर इंदौर। रात का वक्त। रेसिडेंसी एरिया स्थित कलेक्टर का बंगला। कलेक्टर साहब सो रहे हैं। अचानक फोन बजता है। दौड़कर एक कर्मचारी उठाता है। बताता है कलेक्टर साहब सो गए हैं। पर फोन की दूसरी तरफसे अधिकार भरे स्वर में आदेश आता है-कलेक्टर साहब को उठाइये और बात करवाइये। साहब जगाए जाते हैं। फोन पर आते हैं। दूसरी तरफ से आवाज आती है- 'तुम्हारे पास ढाई घंटे हैं। सोच लो। राजनीति में आना है या कलेक्टर ही रहना है। दिग्विजय सिंह लेने आएंगे, उनको फैसला बता देना।' अजीत जोगी को वी जॉर्ज का फोन आया और कलेक्टर जोगी नेता जोगी बन गए। और इस तरह अजीत जोगी का राजनीति में प्रवेश हुआ।

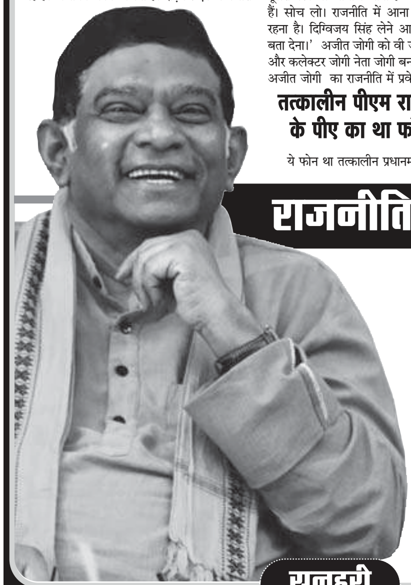

तत्कालीन पीएम राजीव गांधी के पीए का था फोन कॉल

ये फोन था तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के पीए वी जॉर्ज का। और फोन उठाने वाले थे अजीत जोगी। नेता नहीं, कलेक्टर अजीत जोगी। पर 2.30 घंटे बाद जब दिग्विजय सिंह कलेक्टर आवास पहुंचे। तो वो नेता जोगी बन चुके थे। कांग्रेस जॉइन कर ली।

कुछ ही दिन बाद उनको कांग्रेस की ऑल इंडिया कमिटी फॉर वेलफेयर ऑफशेड्यूल्ड कास्ट एंड ट्राइब्स के मेंबर बना दिया गया। कुछ ही महीनों में राज्यसभा भेज दिए गए।

खेली ऐसी राजनीतिक पारी कि बन गए नए राज्य के पहले सीएम

अजीत जोगी एक ऐसे व्यक्ति जो आईएएस की नौकरी छोड़कर राजनीति में आ गए, और पारी ऐसी खेली की छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री हो गए। सालो तक कांग्रेस के बड़े नेताओ में शुमार रहे और फिर अपनी अलग पार्टी के साथ छत्तीसगढ़ की राजनीती में नया समीकरण बैठाने में जुट गए। हालांकि अब उनका निधन हो गया है।

बंगले का नाम बेटी के नाम पर

लेकिन सपना पूरा होने पर भी जोगी को दुनिया अधूरी ही लग रही थी। उन्हें अपनी बेटी याद आने लगी. जो कुछ दिन पहले ही दुनिया छोड़ गई थी। नाम था अनुषा। बेटी से बहुत प्यार करते थे, रायगढ़ के कुतरा रोड पर उनका जो बंगला है उसका नाम भी बेटी के नाम पर रखा है, अनुषा विला। जोगी तब इंदौर में रहते थे।

2016 में कांग्रेस से निष्कासन

2016 में अजीत जोगी और उनके बेटे अमित जोगी को कांग्रेस विरोधी गतिविधियों के लिए कांग्रेस से हटाने के साथ ही छत्तीसगढ़ के अंतागढ़ में उप-चुनावों को खत्म कर दिया गया था। अमित जोगी को तो 6 साल के लिए कांग्रेस से हटाया गया है। 2016 में ही अजीत जोगी ने अपनी अलग राजनीतिक पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) का गठन किया।

राजनीतिक सफर

2000: नवंबर, 2000 को नवीन्तम राज्य छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री के रूप में इन्होंने शपथ ली थी।

2003: छत्तीसगढ़ में विकास यात्रा का भी नेतृत्व किया।

2004: 14 वीं लोकसभा में महासामुंद, छत्तीसगढ़ के लिए सांसद के रूप में चुने गए।

2008 : छत्तीसगढ़ की विधान सभा के सदस्य के रूप में जोगी चुने गए, यह मारवाही निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे।

2009: लोकसभा चुनावों में चुने जाने के बाद जोगी ने लोकसभा सदस्य छत्तीसगढ़ के महासामुंद निर्वाचन क्षेत्र के रूप में काम किया।

2014: लोकसभा चुनावों में अपनी सीट बरकरार रखने में असफल रहे और बीजेपी के चंदू लाल साहू से 133 मतों से हार गए।

2016 : जून 2016 में अजीत जोगी ने छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस नामक एक नए राजनीतिक संगठन की स्थापना की।

2018: अजीत जोगी ने घोषणा की वह राजनंदगांव और मारवाही सीटों से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इसका मतलब है कि वह सीधे डॉ. रमन सिंह को चुनौती देंगे।

1999: छत्तीसगढ़ के अलग राज्य के लिए जागरूकता फैलाने के लिए दंतेवाड़ा के मां दांतेश्वरी मंदिर से अंबिकापुर के महामाया मंदिर तक जात्रा का नेतृत्व किया।

1998: जोगी छत्तीसगढ़ के रायगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से 12 वीं लोक सभा के लिए चुने गए।

1997: इन्हें दिल्ली राज्य कांग्रेस कमेटी चुनावों के पर्यवेक्षक के तौर पर नियुक्त किया गया था। इसके अलावा परिवहन और पर्यटन समिति, ग्रामीण व शहरी विकास सदस्य समिति, परामर्श समिति, कोयला मंत्रालय, लोक लेखा समिति, अप्रत्यक्ष कर पर ऊर्जा, संयोजक, उप-समिति के सलाहकार समिति का सदस्य चुना गया। इतना ही नही जोगी राज्य सभा के उपाध्यक्ष के पैनल में सदस्य भी बने ।

1997 से 1999: मुख्य प्रवक्ता, कांग्रेस संसदीय दल के साथ-साथ एआईसीसी के मुख्य प्रवक्ता के रूप में काम किया।

1996: कोर समूह और संसदीय चुनाव (लोकसभा) के बाद में जोगी संसद में कार्यकारी समिति के सदस्य बन गए।

1995: सिक्किम विधानसभा चुनावों के दौरान जोगी ने कांग्रेस पार्टी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में काम किया।

1995: जोगी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी समिति और पर्यावरण व वन पर बनी कमेटी के अध्यक्ष का भी भार सौंपा गया।

1989: मणीपुर राज्य के लोकसभा चुनावों के दौरान जोगी को कांग्रेस ने केंद्रीय पर्यवेक्षक का काम सौपा।

1987: जोगी को जनरल-सेक्रेटरी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, मध्य प्रदेश के रूप में भी नियुक्त किया गया था।

1986: अजीत जोगी ने 1986 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्य बनकर राजनीतिक कॅरियर की शुरूआत की। इसके बाद कांग्रेस ने इन्हें राज्यसभा में नामित किया।

सुनहरी यादें

स्व. राजीव गांधी की पहली पसंद बन गए थे कलेक्टर जोगी।

राज्य बनते ही मुख्यमंत्री का ताज मिला, तब की तस्वीर।

अपने राजनैतिक कैरियर में सोनिया का भी जीता था भरोसा।

पति की अस्वस्थता के बाद हर पल साथ रहीं पत्नी रेणु।

2006 में शादी की सालगिराह पर अपने दिल-अजीजों और समर्थकों के बीच खुशी के पल में स्व. अजीत जोगी की न भूला सकने वाली यादगार तस्वीर।

प्रशिक्षण के लिए देहरादून में श्री जोगी का सबसे पसंदीदा था घुड़सवारी करना

तात्कालीन मध्यप्रदेश में कलेक्टरी के दौरान चर्चित क्रिकेट नवाब पटौदी के साथ जोगी

सूबे की सियासत के दो दिग्गज 5-5 सौ रूपए की शर्त लगाए तो वहां मौजूद सभी ने जोरदार ठहकों के साथ किया स्वागत।

जोगी की सियासी चातुर्य का परिचय देती यह तस्वीर।

सुबे की सियासत को जोगी-मायावती की मुलाकात ने हिलाकर रख दिया था।

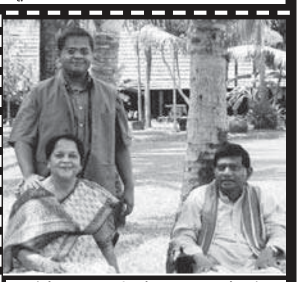

मरवाही में एक साथ मां-पिता के साथ मुस्कुराए थे अमीत।

संपादकीय

प्रवासी श्रमिकों पर राजनीति बंद हो

कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण देश में हुए लॉकडाउन के चलते करोड़ो प्रवासी श्रमिको की जान सांसत में डाल दी है। प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करने की जगह उनके नाम पर राजनीति की जा रही है जो मजदूर के साथ क्रूर मजाक है। अब इस ममले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया है कि प्रवासी श्रमिकों से रेल व बस का किराया न वसूला जाए यह खर्च राज्य सरकारें वहन करें और मजदूरों के खाने-पीने की भी व्यवस्था करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब प्रवासी श्रमिकों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि प्रवासी श्रमिकों की उनके प्रदेशों में वापसी के मुद्दे को लेकर राज्य सरकारें अब तक अपनी जिम्मेदारी से भागने की कोशिश करती रही है। गैर भाजपा शासित राज्यों की सरकारों ने इसके लिए केन्द्र सरकार पर आरोप लगाकर टकराव की स्थिति बना दी थी, जबकि केन्द्र सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि प्रवासी मजदूरों के लिए जो भी राज्य जितनी भी ट्रेनें मांगेगा वे मुहैया कराई जाएगी और प्रवासी श्रमिकों के किराए का 85 प्रतिशत खर्चा केन्द्र सरकार उठाएगी। राज्य सरकारों को सिर्फ 15 प्रतिशत किराया अदा करना होगा। जिसे वे चाहे खुद वहन करें या प्रवासी श्रमिकों से वसूल करें। गैर भाजपा शासित कई राज्यों में यह 15 प्रतिशत किराया प्रवासी श्रमिकों से ही वसूल लिया था किन्तु अब सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि मजदूरों से रेल व बस का किराया न वसूला जाए, यही नहीं बल्कि प्रवासी श्रमिकों के खाने पीने की व्यवस्था भी राज्य सरकारें करें। दरअसल प्रवासी श्रमिकों को यात्रा के दौरान और उसके बाद अपने गंतव्य में पहुंचने के बाद 14 दिनों तक क्वारंटाईन में रहने के दौरान कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई राज्यों में इन प्रवासी श्रमिकों को ऐसी जगहों में रखा गया है जहां उन्हे आवश्यक सुविधाएं सुलभ नहीं कराई जा रही है। खाने के नाम पर खिचड़ी परोसी जाती है, स्थिति इस कदर बदतर है कि एक राज्य में तो इन प्रवासी श्रमिकों को पत्तल की जगह अखबार में खाना परोसा गया था। क्वारंटाईन सेंटर इन प्रवासी श्रमिकों के लिए यातना गृह बनते जा रहे है यही वजह है कि वहां से श्रमिक भागने लगे है। अब राज्य सरकारों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे प्रवासी श्रमिकों को बेहतर सुविधाएं दें और उन्हे दोनो समय अच्छा खाना खिलाएं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद प्रवासी श्रमिकों की पीढ़ा कम होने की उम्मीद की जानी चाहिए। कुछ राज्य सरकारें इस मामले में अच्छा काम भी कर रही है, वे श्रमिकों को नगद राशि के साथ निःशुल्क खद्यान प्रदान कर रही है और उनके लिए रोजगार की व्यवस्था भी की जा रही है। यदि सभी राज्य सरकारें ऐसा करें तो प्रवासी मजदूरों को राहत मिल सकती है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अब प्रवासी मजदूरों के नाम पर राजनीति बंद की जाएगी।

आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से देश के भविष्य की आधारशिला रखी

श्री प्रकाश जावडेकर

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, सूचना एवं प्रसारण, व भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्री

> मोदी जी सबसे पहले जनता की परवाह करते हैं। अपने पहले ही पैकेज में उन्होंने 80 करोड़ परिवारों को खाद्य सुरक्षा कवर देते हुए उन्हें 25 किलो चावल/गेहूं और 5 किलोग्राम दालें मुफ्त (पांच महीने के लिए) प्रदान की। इसके साथ प्रति माह 5 किलोग्राम चावल/गेहूं, 2-3 रुपये प्रति किलोग्राम की अत्यधिक रियायती दर पर प्रदान करने की पूर्व योजनाओं को भी जारी रखा गया। लगभग 5 करोड़ गैर-राशन कार्ड धारकों के लिए भी सरकार ने दो महीने के लिए 10 किलोग्राम चावल/गेहूं और 2 किलोग्राम दालें मुफ्त देने की व्यवस्था की। महिलाओं के 20 करोड़ जनधन खातों में 30,000 करोड़ रुपये आये। प्रत्येक महिला को अपने बैंक खाते में 1,500 (500 × 3) रुपये मिले। कुल 8 करोड़ परिवारों को 2,000 रुपये के 3 गैस सिलेंडर मिले। लगभग 9 करोड़ किसानों ने अपने बैंक खातों में 2,000 रुपये प्राप्त किये। इसी प्रकार 50 लाख रेहड़ी-पटरीवालों को प्रत्येक को 10,000 रुपये मिलेंगे।

मोदी जी पिछले छह वर्षों से इस देश का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रहे हैं। यह उनके दूसरे कार्यकाल का पहला वर्ष है जो पूरा हुआ है। यह वर्ष घटना प्रधान रहा। मोदी जी के काम को तीन-आयामी गतिविधियों के रूप में देखा जा सकता है। पहली, कुछ ऐतिहासिक राष्ट्रीय पहलें। दूसरी, कोविड19 से संघर्ष, और तीसरी आत्मनिर्भर भारत के जरिये भारत के भविष्य की आधारशिला रखना।

धारा 370 का उन्मूलन, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में निर्माण, नागरिकता संशोधन विधेयक का पारण, ट्रिपल तलाक का उन्मूलन तथा राम मंदिर निर्माण की राह प्रशस्त करने को राष्ट्रीय और ऐतिहासिक राजनीतिक पहलों के रूप में बताया जा सकता है। इसके बाद कश्मीर की स्थिति में सुधार हुआ है। अब तो वहां इंटरनेट भी बहाल कर दिया गया है। हमारी सेना पाकिस्तान के नापाक मंसूबों पर नज़र रखे हुए है। आधी सदी से अधिक पुराने बोडो संकट को समाप्त करने के लिए एक व्यापक समझौता किया गया जिससे समाज के सभी वर्ग बहुत खुश हैं। इसी प्रकार त्रिपुरा, भारत सरकार और मिजोरम के बीच त्रिपक्षीय समझौते से ब्रु-रीन शरणार्थी संकट सफलतापूर्वक हल हो गया है। इसके अलावा मोदी सरकार ने एक वर्ष में अनेक प्रमुख सामाजिक पहलें भी की हैं जैसे गर्भावस्था के दौरान छह महीने की छुट्टी; चिकित्सकीय गर्भ समापन विधेयक, 2020; सहायक प्रजनन तकनीक (नियमन) विधेयक, 2020 तथा यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण कानून में संशोधन।

कोविड-19 से लड़ने में हमने सबसे लंबा और बहुत सख्त लॉकडाउन रखा जिससे देश में न्यूनतम क्षति संभव हो सकी। अनेक क्षेत्रों में हम सक्षम नहीं थे। हमारे यहां कोविड का कोई अस्पताल नहीं था। अब हमारे पास 800 से अधिक ऐसे अस्पताल हैं। हमारे पास कोविड परीक्षण के लिए केवल एक प्रयोगशाला थी और अब हमारे पास ऐसी 300 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं। पीपीई सूट, मास्क और यहां तक कि 'स्वाब स्टिक' भी आयात की जा रही थी। हम आत्मनिर्भर बन गए और अब यह 'मेक इन इंडिया' की एक कहानी है। अब तो भारत में भी वेंटिलेटर का उत्पादन किया जा रहा है। कुल 165 डिस्टलरियों और 962 निर्माताओं को हैंड सैनिटाइटर बनाने के लिए लाइसेंस दिये गये, जिसके परिणामस्वरूप 87 लाख लीटर हैंड सैनिटाइजर का उत्पादन किया गया। सरकार ने स्वास्थ्य पैकेज के रूप में 15,000 करोड़ रुपये और राज्य आपदा राहत कोष के लिए 11,000 करोड़ रुपये जारी किये ताकि राज्य इस महामारी की चुनौती का मुक़ाबला बिना उधार पैसा लिए कर सकें। कोविड-19 से लड़ाई में 3000 रेल गाड़ियों से लगभग 45 लाख प्रवासी मजदूरों को उनके घर वापस भेजा गया है। विदेशों में फंसे हजारों भारतीय निवासियों को भी सफलतापूर्वक निकाला गया है। मोदी जी सबसे पहले जनता की परवाह करते हैं। अपने पहले ही पैकेज में उन्होंने 80 करोड़ परिवारों को खाद्य सुरक्षा कवर देते हुए उन्हें 25 किलो चावल/गेहूं और 5 किलोग्राम दालें मुफ्त (पांच महीने के लिए) प्रदान की। इसके साथ प्रति माह 5 किलोग्राम चावल/गेहूं, 2-3 रुपये प्रति किलोग्राम की अत्यधिक रियायती दर पर प्रदान करने की पूर्व योजनाओं को भी जारी रखा गया। लगभग 5 करोड़ गैर-राशन कार्ड धारकों के लिए भी सरकार ने दो महीने के लिए 10 किलोग्राम चावल/गेहूं और 2 किलोग्राम दालें मुफ्त देने की व्यवस्था की। महिलाओं के 20 करोड़ जनधन खातों में 30,000 करोड़ रुपये आये। प्रत्येक महिला को अपने बैंक खाते में 1,500 (500 × 3) रुपये मिले। कुल 8 करोड़ परिवारों को 2,000 रुपये के 3 गैस सिलेंडर मिले। लगभग 9 करोड़ किसानों ने अपने बैंक खातों में 2,000 रुपये प्राप्त किये। इसी प्रकार 50 लाख रेहड़ी-पटरीवालों को प्रत्येक को 10,000 रुपये मिलेंगे। लाखों निर्माण श्रमिकों को निर्माण श्रमिक निधि से कोष मिला। यदि कोई हिसाब लगाए तो हमारे समाज के 10% सबसे नीचे के तबके के परिवारों को दस-दस हजार रुपये प्राप्त हुए। विकास का तीसरा हिस्सा है आत्मनिर्भर पैकेज के माध्यम से प्रमुख सुधार। आत्मनिर्भर भारत के पांच स्तंभ हैं - अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचा प्रणाली, जनसांख्यिकी, और मांग। यह 20 लाख करोड रुपये का पैकेज है जो देश की जीडीपी का 10% है। यह पैकेज समाज के हर वर्ग की परवाह करता है। नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों के लिए 2760 करोड़ रूपयों का ईपीआई योगदान कम किया गया। छोटे और मझोले ऋणों पर 2% ब्याज की वित्तीय मदद दी गयी है। कुल 63 लाख स्वयं सहायता समूहों को 20 लाख रुपये तक का कोलेटरल मुक्त ऋण मिलेगा जो पहले 10 लाख रुपये तक सीमित था।

> अधिक कंपनियों को लाभ देने के लिए छोटे और मध्यम उद्योगों की परिभाषा बदली गई है। लघु और मध्यम उद्योगों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को मिला कर उनके लिए 4,45,000 करोड़ रुपयों का प्रावधान किया गया हैं। कृषि-आधारभूत ढांचे के कार्यक्रमों के लिए 1,00,000 करोड़ रुपये, साथ ही मत्स्य विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपये और मवेशियों में खुर और मुंह की बीमारी के टीकाकरण और उपचार के लिए 15,000 करोड़ रुपये रखे गए हैं। एक और महत्वपूर्ण चीज 70,000 करोड़ रुपए की क्रेडिट लिंक सब्सिडी भी है।

इस पैकेज में सुधार के कई प्रमुख कदम उठाए गए हैं। रक्षा में आत्मनिर्भरता एक ऐतिहासिक पहल है। हम 100% हथियार आयात कर रहे थे, लेकिन रक्षा क्षेत्र में सीधे विदेशी निवेश की अनुमति नहीं दे रहे थे। मोदी जी ने देश को इस पाखंड से बाहर निकाला और रक्षा उत्पादन में 74% एफडीआई की अनुमति दी। इसके साथ ही भारत में बनने वाले रक्षा पुर्जों और हथियारों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया। मनरेगा के लिए 1,00,000 करोड़ रुपये का प्रावधान सबसे अच्छी पहलों में से एक है क्योंकि यह जरूरतमंदों को रोजगार प्रदान करता है और जब प्रवासी श्रमिक वापस आ रहे हैं तो ग्रामीण क्षेत्रों में काम की अधिक मांग होगी। यूपीए सरकार ने मनरेगा पर 37,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च को कभी पार नहीं किया। हमारा पिछले पांच वर्षों का रिकॉर्ड औसतन 55,000 करोड़ रुपयों के खर्च का है। अब हमने इसे लगभग दोगुना कर 1,00,000 करोड़ रुपयों का कर दिया है। मोदी सरकार गरीबों की परवाह करती है। उद्योगों को बढ़ाने और करदाताओं के लिए कई रियायतें दी गई हैं।

अन्त में, इस पैकेज का शीर्षक कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार है। किसानों को कृषि विपणन समिति कानून से मुक्त कर दिया गया है। वे जहां चाहें वहां अपना उत्पाद बेच सकते हैं। वे किसी भी समय अपने कृषि उत्पाद और इसके केप्टिव विपणन के लिए किसी से भी जुड़ सकते हैं और उन्हें आवश्यक वस्तु अधिनियम के कई किसान विरोधी प्रावधानों से राहत दी गई है। अब किसानों पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा जब बाजार उन्हें अधिक मूल्य प्रदान करता है। आत्मनिर्भर पैकेज भारत का भविष्य तय करेगा। यह दूरदर्शी, ऐतिहासिक और विवेकपूर्ण पैकेज है।

विचार-

बच्चों मे विशेष गुणों का होना आवश्यक है

तबस्सुम परवीन

पहले माता पिता इन बातों पर जोर देते थे कि बच्चों को क्या करना चाहिए, और क्या नही। लेकिन आज कल इन बातों का महत्व और भी अधिक हो गया है, बच्चों को इस बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा के युग में मानसिक, समाजिक और कुशाग्र बुद्धिमता के गुणों को सिखाना आवश्यक है। उनकी संपुर्ण सफलता के लिए जरूरी है कि उन्हें हर स्तर पर मजबूत बनाया जाए। बच्चों को उनके कार्य और जीवन की सफलता के लिए उन्हे उचित निर्णय और व्यवहार पढ़ाई के साथ साथ घर की जिम्मेदारी, जीवन की सच्चाई से अवगत कराना अति आवश्यक है। इससे भविष्य मे हर कठिनाई का सामना भली भांति मजबूती से कर सकता है।

आम तौर पर यह देखा गया है कि माता पिता अपने बच्चों को जिंदगी की सच्चाई से लड़ने के लिए सही मार्गदर्शन व सलाह नही दे पाते है। ऐसे भी अभिभावक होते है, बच्चा बार बार असफलता की ओर जा रहा है, और लोगो के सामने उनकी झूठी गुण गान करते नही थकते इससे बच्चा अंदर से दबाव मे होता है, और जो भी करने की क्षमता होता है वो भी नही कर पाता। अगर अभिभावक बच्चों को अधिक ज्ञान भरी बाते या कहानियां सुनाएं तो इससे उनके व्यक्तित्व मे कुशलता का विकास होता है। अच्छे - बुरे तथ्यों और जीवन के पहलुओं को समझने मे आसानी होगी। मानव - मुल्य को समझने, परखने और जीवन के हर कदम पर कार्यान्वित करने मे बच्चों को सही जानकारी प्राप्त होती है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

भारत नेपाल पुनः समवेत - चीन हुआ अप्रासंगिक

प्रवीण गुगनानी

> वस्तुतः नेपाल ने उत्तराखंड में धारचूला से चीन सीमा पर स्थित लिपुलेख तक रोड लिंक बनाये जाने के विरोध में नेपाल स्थित भारतीय राजदूत को समन जारी किया था और भारतीय राजूदत को राजनयिक पत्र सौंपा। नेपाल सरकार का कहना है कि उत्तराखंड में जो सड़क बनायी गयी है, वह उसके क्षेत्र में है। दूसरी तरफभारतीय विदेश मंत्रालय ने नेपाल के दावे को खारिज करते हुए कहा है कि उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में हाल ही जिस रोड का उद्घाटन किया गया है वह पूरी तरह से भारत की सीमा में है। इस मार्ग पर आवागमन आसान हो जाने से तीर्थयात्रियों के साथ-साथ स्थानीय लोगों और व्यापारियों को बहुत सहूलियत मिलेगी।

1962 से 1967 वाला हठधर्मी चीन भारत के प्रति 1998 मे सुधरा था और इसे सुधारा था पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी जी ने, जो कि भारत चीन संबन्धो के सच्चे वास्तुकार कहे जाते हैं। वर्तमान मे भारत चीन सम्बंध मे जो भी सत्व है वह 1998 के परमाणु विस्फोट से लेकर 2003 तक के अटलबिहारी शासन की ही देन है। यह बात भारत ही नहीं चीन भी स्वीकारता है। चीन यह भी स्वीकारता है कि यदि चीन के प्रति पंडित नेहरू की गलतियों को सुधारने वाले अटल अभियान का सच्चा उत्तराधिकारी भारत को नरेंद्र मोदी के रूप मे मिल गया है। 2004 से लेकर 2014 तक का प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का कालखंड पुनः चीन के भारत पर हावी होने का दशक रहा। मनमोहन की कमजोर केंद्र सरकार ने चीन को अनावश्यक ही दसियों अवसरों पर भारत के प्रति आक्रामक होने का अवसर दिया। इस मध्य अनेकों गलतियां हुई जिनसे भारत चीन सम्बन्धों मे चीन के हावी होने का वातावरण बना।

मई 2020 का अंतिम सप्ताह भारत-चीन-नेपाल-पाकिस्तान के चतुष्कोण मे सदैव स्मरणीय रहेगा। मई प्रारंभ से ही लद्दाख सीमा पर चीन ने अपनी नीयत बिगाड़ ली थी। चीन ने कोरोना वायरस को फैलाने के विश्व भर से अपने ऊपर लगते आरोपों के मध्य चीन ने भारत को घेरने की कूटनीति मे नेपाल व पाकिस्तान का सहारा लिया। भारत ने चीन नेपाल पाकिस्तान के इस संयुक्त हमले को अपनी राजनयिक कौशल से छिन्न भिन्न कर दिया है। लद्दाख मे भारत चीन सीमा विवाद मे ये अंततः ये तीनों ही देश अपने कदम वापिस लेते दिखाई दिये। चीन ने भारत स्थित अपने दूतावास से दार्शनिक प्रकार के शांति संदेश दिये। नेपाल ने नक्शा विवाद मामले में विधेयक वापस ले लियाऔर भारत नेपाल सीमा विवाद पर चुप्पी साध ली। भारत ने अपनी सेना को लद्दाख मोर्चे पर तैनात करना प्रारम्भ करके जो सख्त संदेश व दृढ़ मानस बताया उसे चीन ने तुरंत ही समझ लिया और कहा -चाइनीज ड्रैगन और भारतीय हाथी एक साथ नृत्य कर सकते हैं। सर्वाधिक सुखकर विषय नेपाली संसद मे भारत को मिले समर्थन का दिखना रहा जिसमें अंततः संसद मे प्रस्तुत नक्शा नेपाल सरकार ने वापिस ले लिया। भारत नेपाल मे तब तनाव आ गया था जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आठ मई को उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रे को धारचुला से जोड़ने वाली रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 80 किलोमीटर लंबी सड़क का उद्घाटन किया था। नेपाल ने इस सड़क के उद्घाटन पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया था कि यह नेपाली सीमा से होकर जाती है।भारत ने नेपाल के दावे को खारिज करते हुए कहा था कि सड़क पूरी तरह से उसकी सीमा में है। नेपाल की इस भूमिका के पीछे चीन का हाथ माना जा रहा था क्योंकि ओली के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टीकी नेपाल सरकार को चीन का समर्थक माना जाता है। लद्दाख मे भारत चीन तनाव व भारत नेपाल के इस कटुक संवाद के मध्य चीन के पिछलग्गू पाकिस्तान ने भी चीन के संकेत पर अपने बेसुरा आलाप प्रारंभ किया था। पाकिस्तान ने भारत पर सीमावर्ती क्षेत्रों मे अवैध निर्माण का आरोप लगाया। पाकिस्तान प्रमुख इमरान खान ने ट्वीट किया किहिंदुत्ववादी मोदी सरकार की अभिमानी विस्तारवादी नीतियां नाजी विचारधारा के समान है।पाक ने यह भी कहा कि भारत अपने पड़ोसियों के लिए भी खतरा बन रहा है। भारत के खिलाफ नेपाल को समर्थन देने वाला पाकिस्तान लद्दाख में भी अपने आका चीन के पीछे खड़ा होकर गीदड़ भभकी कर रहा है।

पाकिस्तान ने कहा कि भारत लद्दाख में जो कर रहा है, उसे चीन बर्दाश्त नहीं कर सकता, और यह भी कहा कि चीन से वर्तमान संघर्ष के लिए भारत जिम्मेदार है, क्योंकि लद्दाख में उसकी ओर से शुरू किए गए अवैध निर्माण कार्य के बाद ही इस विवाद की जड़ हैं। वस्तुतः नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा की बड़ी दीर्घ दृष्टि से सीमावर्ती क्षेत्रों मे चल रहे निर्माण कार्यों को चीन स्वाभाविक ही गंभीरता से ले रहा है व इस संघर्ष मे पाकिस्तान व नेपाल को मोहरा बना रहा है। मोहरा बने पाकिस्तान ने भारत को पड़ोसियों के प्रति खतरा बताते हुये नेपाल को भारत से नाराज करने का अभियान चला रखा है। नागरिकता कानून व कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर भी पाकिस्तान बड़ी बयानबाजी करता रहा है व बांग्लादेश को भी भड़काते रहा है। मोदी सरकार ने सीमावर्ती भारतीय भूमि के प्रति जिस प्रकार का गंभीर, आक्रामक व हठी आचरण अपना रखा है चीन को उसकी आशा तो थी किंतु उसे मोदी सरकार से इस कोरोना कालखंड मे इतनी बलशाली प्रतिक्रिया की आशा संभवतः कम ही थी। चीन का अपने कदम वापिस लेना प्रदर्शित करता है कि वह यह समझ चुका है कि यह नरेंद्र मोदी का भारत है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

कितनी सच है

यह बात कितनी सच है और इसे कोई नकार नहीं सकता कि उम्मीद और विश्वास पर ही पूरी दुनिया कायम है. आशा ही जीवन है. निराशा तो सीमित होती है पर आशा हमेशा असीमित. समय चाहे कितना भी नाजुक हो, संकट भरी घड़ी हो, उम्मीद है तो जीवन सरल है. आशा और विश्वास शक्ति है।

- शालिनी मोहन

बहे शीतल बयार

बहे शीतल बयार, वृक्ष फल से अपार, कोयल गाये मल्हार, गांव चले आईए। माता पिता भाई बन्धु, मुखिया हो केंद्र बिन्दु, पत्नी, बेटा बेटी संग, कुटुम्ब बनाईये। शिक्षा की अलख जगे, ग्राम सभा जहां लगे, स्वच्छता मिशन संग, गांव को सजाईये। बड़ों में बड़प्पन हो, कहीं न अनबन हो, खुश परिवार हो, सपने सजाईये। **- कुमुद श्रीवास्तव**

ख़ास पाती | ख्वाब आंखों में सजा कर

खूवाब आँखों में सजा कर देखिये आप भी दिल को लगा कर देखिये दूर से क्या छुप छुपा कर देखना दिल का आलम दिल में आकर देखिये मुझ से मिलना हो अगर तुमको कभी आईने में मुस्कुरा कर देखिये झुकती नज़रों ने है क्या जादू किया यह ज़रा नजरें उठा कर देखिये एक दिन बुत भी पिघल ही जायेगा उसको सीने से लगा कर देखिये अपना कद खुद ही पता चल जायेगा अपने साये को घटा कर देखिये दर्द में भी इक अज़ब सा लुत्फ़ है इश्क़ में आंसू बहा कर देखिये।

- अनु मित्तल

धुंध के पीछे फिर कोई छुपा है

धुंध के पीछे फिर कोई छुपा है कोई फिर आज कमजोर पड़ा है अपने अपनों को निगल रहा है इंसान फिर कमजोर पड़ गया है कोई है जो अपनी ताकत का बेजा इस्तेमाल कर रहा है क्या गरीब आज भी मजबूर है क्यो अपना साया साथ छोड़ गया है क्या इस धुंध में कोई अमानुष छुपा है लोग अपनी दुर्गति खुली आँखों से देख रहे हैं क्या यह विपदा नहीं है ? कितना दर्द है इस धुंध में सबको खबर है फिर कोई आहिस्ता आहिस्ता दम तोड़ रहा है वह कोई और नहीं इंसान है।

-लक्ष्मी नारायण लहरे

उम्र सिर्फसंख्या है गिनते जाना है

उम्र सिर्फ संख्या है गिनते जाना है जब तक है सांस , चलते जाना है फिक्र नही उम्र के ढलते जाने की तजुर्बे से सौदा किया ,जीते जाना है रंग रोगन की ज़रुरत है क्या जब कुदरत ने किया वादा है ज़िंदा हैं हम ज़िंदगी है अपनी मरने से पहले मरना , न गवारा है ?? **- - शिखा लाहीरी**

इक हवा वो सलोंनी कहां उड़

इक हवा वो सलोंनी कहां उड़ गई जैसे अल्हड़ नदी मोड़ पर मुड़ गई उम्र भर के लिए दिल मेरा ले गई कोई बंजर को ,पुरवा दुआ दे गई पीर ऐसी अजब सी मिली प्रीत में गुनगुनाते ...रहे उम्र भर गीत में बिजलियाँ -बादलों को ज़रा छू गईं खिल किरण इन्द्रधुनुषी छठा दे गई स्वप्न परियों से पहली मुलाकात थी सज उठी कल्पनाओं में बारात सी साँझ सी ..सुरमई -सुरमई रागिनी आंख में बरसने को घटा दे गई! **-अजय कुमार सिंह भदौरिया**

क्यों बैठे प्रियतम गुमसुम हृदय

क्यों बैठे प्रियतम गुमसुम हृदय की बात कह दो ना देखो! मैं कर रही मनुहार यूं बेरूखी से तुम टालो ना इक-दूज़े के पूरक हैं हम आधे-अधूरे इक दूजे बिन जब तुम साथ नहीं हमदम तारे गिन गिन बीते ये तम जग लगे अँधियारा मुझको तम को प्रकाश में लाओ तुम बुझ न जाए आस का दीपक दीया प्रेम का यूं जलाओ तुम।- **नीलोफर नीलू**

कोरोना संकट है भारी कैसी अदृश्य

कोरोना संकट है भारी , ये कैसी अदृश्य बीमारी, कुछ समझ मे ना आये, मन मे दुविधा कैसी लाचारी, सहमा सहमा सा हर इन्सान है, हलक मे अटके से जैसे प्राण है, पिन्जरे मे कैद पंछी सा बुराहाल है, बाहर घात लगाये बैठा जैसे काल है। धैर्य व साहस से इसके संग , हरदम हमे अब जीना पड़ेगा, नीलकंठ महादेव के समान, विष का प्याला पीना पड़ेगा। स्वरचित रचना। **- प्रशांत श्रीवास्तव**

भारतीय क्रिकेटर सबसे निर्लज्ज प्राणी

भारतीय क्रिकेटर सबसे निर्लज्ज प्राणी है ब्रह्मांड में कोई टॉमी कंगारू बनकर नाच रहा है तो कोई फार्महाउस से इंस्टाग्राम की सेल्फी डाल रहा है ..बचे खुचे पाकिस्तानी एनजीओ के लिये मदद माँग रहे हैं सब के सब पैसे के भूखे है बस टीवी पे देशभक्ति का दिखावा करते है।- ओम प्रकाश जायसवाल

QUIZ TIME

1) केंद्रीय बजट 2020-21 में की गई घोषणाओं के अनुसार, वित आयोग और अन्य स्थानान्तरण पर व्यय प्रत्येक रूपये खर्च में .... आंका गया है? (क) 5 पैसे (ख) 10 पैसे (ग) 14 पैसे (घ) 18 पैसे

2) होबार्ट अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट में 18 जनवरी, 2020 को सानिया मिर्जा (भारत) ने किस देश की महिला खिलाड़ी नादिया किचनोक के साथ युगल खिताब जीत था? (यूक्रेन / बहरीन)

3) काबुरेटर का क्या कार्य है?

4) इम्पीरियल काउन्सिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (वर्तमान में इण्डियन काउन्सिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च- आईसीएआर) की स्थापना कब हुई थी?

5) लोगो का नाम बताए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) 10 पैसे (2) यूक्रेन (3) ईंधन का वायु के साथ मिश्रण करना (4) 16 जुलाई, 1929 (5) कैडिलैक मोटर कार

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1539 - स्पेन के खोजी हर्नान्डो डी सोटो ने फ्लोरिडा की खोज की। 1606 - सिखों के पांचवें गुरु अर्जन देव का निधन। 1646 - स्पेन और नीदरलैंड ने युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किये। 1783 - फिलाडेल्फिया के बेंजामिन टॉवर से अमेरिका में पहला दैनिक समाचार पत्र प्रकाशित किया गया। 1797 - विलियम विलबरफोर्ड ने बारबरा एन स्पूनर से शादी की। 1826 - पहले हिंदी अखबार उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन शुरू हुआ, इसलिए 30 मई को हिन्दी पत्रकारिता दिवस भी मनाया जाता है। 1859 - फ्रेंतो का युद्धः सार्डिनियन सेना ने ऑस्ट्रियाई सेना को पराजित किया। 1867 - उत्तर प्रदेश के देवबंद में दार-उल-उलूम की स्थापना हुई। 1910 - जनरल लुइस बोथा दक्षिण अफ्रीका संघ के पहले प्रधानमंत्री बने।

■ न्यूज गैलरी

टिड्डी दल का नियंत्रण कक्ष स्थापित

दुर्ग। टिड्डी दल के जिले में प्रवेश की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तर पर टिड्डी दल की निगरानी एवं नियंत्रण उपाय के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय दल का गठन किया जाता है। यह दल नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में अन्य विभाग से समन्वय स्थापित कर कार्य करेंगे। नियंत्रण कक्ष की कार्य अवधि कार्यालयीन समय प्रातः 10:30 से 05:30 बजे तक होगी। समस्त वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अपने विकासखण्ड के मैदानी अधिकारियों के सतत् संपर्क में रहेंगे एवं टिड्डी दल की जानकारी प्रतिदिन ई.मेल, दूरभाष या डाक के माध्यम से नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

कर्मचारी पुरस्कार से सम्मानित

भिलाई। इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल के चार कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विद्युत अनुभाग के गोवर्धनलाल साहू व फर्नेस अनुभाग के लक्ष्मी नारायण को फरवरी 2020 में एवं यॉंत्रिकी अनुभाग के महेंद्र पटेल व शिपिंग के मोहम्मद मुस्तफा को उनके द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। मुख्य महाप्रबंधक रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल, आरटीएस एवं आरपीडीबी एमएम गद्रे ने कहा कि यह पुरस्कार उनके और उनके परिवारजनों के लिए सम्मान ही नहीं बल्कि यह समस्त बिरादरी के लिए गर्व है।

जिले में मिला कोरोना पॉजीटीव, भिलाई केम्प-2 क्षेत्र हुआ सील

मरीज के घर के 100 मीटर क्षेत्र को सघन रूप से कियाा सैनिटाइजिंग

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग/ भिलाई। जिले के भिलाई में कैम्प 2 में निवासरत् एक 48 वर्षीय पुरुष कोरोना पॉजीटिव पाया गया है। उसे माना रायपुर के अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल किया गया है और उसके साथ प्राथमिक संपर्क में आए अन्य 6 लोगों को सेक्टर 4 के क्वारंटाईन सेंटर में भर्ती करा दिया गया है।

जानकारी के अनुसार प्रभावित व्यक्ति मुंबई में बिजली का कार्य करता है और वहां उसकी दुकान व घर भी है। लॉकडाउन के कारण दुकान बंद हो जाने की वजह से 20 मई को ट्रक के माध्यम से कैम्प-2 भिलाई अपने मूल निवास में आया था। 21 मई को जिला अस्पताल में कोरोना जांच का सैम्पल देने गयाा था। सैम्पल लेने के बाद उसे होम क्वारंटाईन में भेज दिया गया था। 29 मई शुक्रवार को उसकी रिपोर्ट पॉजीटिव आने के बाद उसे माना रायपुर के अस्पताल में भेज दिया गया है। जिले में कोरोना पॉजीटिव का यह 11 वां केस है। इससे पहले 10 लोगों को एम्स रायपुर से स्वस्थ होकर लौट चुके है। इस्पात नगरी भिलाई में कोरोना पॉजीटिव का प्रकरण सामने आने से हड़कम मच गया है। कैम्प 2 भिलाई क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित कर पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। मौका मुआयना कर जिला कलेक्टर सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत कैम्प 2 बैकुंठधाम में पॉजिटिव पाए गए नागरिक के घर के 100 मीटर के कंटेंटमेंट क्षेत्र की परिधि में घर.घर सैनिटाइजिंग का कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ कर दिया गया है। निगमायुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने निगम के अधिकारियों को बैकुंठ धाम क्षेत्र मे पॉजिटिव पाए गए नागरिक के घर के आसपास के क्षेत्र को तत्काल बैरिकेडिंग करने के निर्देश दिएए इस बाबत सजगता से पुलिस प्रशासन को भी सूचना दी गई ताकि क्षेत्र से आवाजाही को रोका जा सके। बैरिकेडिंग एवं सैनिटाइजिंग का कार्य आयुक्त रघुवंशी की उपस्थिति में दोपहर को ही प्रारंभ कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि वार्ड 21 बैकुंठधाम में निगम द्वारा लगातार सैनिटाइजिंग का कार्य किया जाता रहा है। घर.घर सैनिटाइजिंग के लिए निगम द्वारा टीम नियुक्त की गई है। कोरोना पॉजिटिव पाए गए व्यक्ति को जब से होम आइसोलेशन में रखा गया था तभी से इनकी निगरानी लगातार निगम के अधिकारी एवं इस कार्य के लिए गठित टीम के द्वारा किया जाता रहा है। घर के आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह से सील किया जा रहा है। इस क्षेत्र की दुकानें भी बंद रहेंगी। बैकुंठ धाम क्षेत्र में घर.घर एवं मोहल्ले को सैनिटाइजिंग करने का कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ कर दिया गया है। पुलिस प्रशासन एवं निगम के अधिकारी क्षेत्र की निगरानी रख रहे हैं। क्षेत्र में आवाजाही बंद कर दी गई है। क्षेत्र में लोग घरों पर रहेंगे इसलिए निगम द्वारा मोहल्ले में एक अस्थाई कैंप का निर्माण कर दिया गया है ताकि आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था होम डिलीवरी के माध्यम से की जा सके। आसपास के क्षेत्र के घरों का सर्वे किया जा रहा है और बुजुर्ग लोगों का डाटा विशेष तौर पर रखा जा रहा है। इस क्षेत्र में लोगों को घरों पर ही रहने की सख्त हिदायत दी जा रही है। तीन पालियों में निगम कर्मचारियों की ड्यूटी क्षेत्र में किसी प्रकार की आवश्यक व्यवस्था के लिए अस्थाई कैंप बनाकर निगम के 14 कर्मचारियों की ड्यूटी तीन पालियों में लगाई गई है इसके साथ ही नोडल अधिकारी वीके सैमुअल, आरपी तिवारी एवं मंजू साहू नियुक्त किए गए हैं। शिकायत के निराकरण लिए आसिफ इकबाल उप अभियंता को नियुक्त किया गया है। सैनिटाइजिंग के लिए 40 स्वच्छता कर्मचारी कर रहे कार्य बैकुंठ धाम क्षेत्र में सैनिटाइजिंग के लिए 40 स्वच्छता कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। जिसमें से 15 हैंड स्प्रे एवं 3 टैंकर से सैनिटाइजिंग किया जा रहा है। रोड, नाली सफाई भी की जा रही है।

मकान से पौने 5 लाख की देशी शराब जप्त

आरोपियों ने अवैध रूप से बिक्री के लिए रखी थी

ह्ानवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। मधुबन नगर बोरसी के एक मकान में गुरुवार की रात पुलिस ने छापा मारकर अवैध रूप से छिपाकर रखे गए 176 पेटी देशी प्लेन शराब बरामद करने में सफ्लता हासिल की है। बरामद शराब की कीमत 480960 रू आंकी गई है। इस मामले में आरोपी अमित मिश्रा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बोरसी, रोहित बागड़ी उर्फ बिल्लू व अभिषेक चौहान के विरुद्ध पदमनाभपुर पुलिस चौकी ने धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर मामले को जांच कर लिया है। सीएसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि एसएसपी अजय यादव व एएसपी रोहित झा के मार्गदर्शन में कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु देश में लाकडाउन के दौरान अवैध शराब का कारोबार करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए थे। जिसके तहत 28 मई की मध्यरात्रि पदमनाभपुर पुलिस चौकी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि मधुबन नगर बोरसी सड़क नंबर 6 में भोले किराना दुकान से लगे हुए अहेफाज खान के मकान को कुछ दिन पहले किराए पर लिया है।

घासीदास नगर में अवैध निर्माण पर चला निगम का बुलडोजर

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत अवैध निर्माण करने वालों के विरुद्ध निगम प्रशासन सख्त कदम उठा रहा है। अलाटमेंट से चार गुना अधिक जमीन पर अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ आज तोड़फोड़ की कार्यवाही की गई। निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जोन 2 वैशालीनगर क्षेत्र अंतर्गत घासीदास नगर में गुंदिया देवी पति स्वण् भुनेश्वर वर्मा द्वारा आबंटन से अधिक जगह पर अतिक्रमण करते हुए निर्माण किया जा रहा था जहां निगम की टीम पहुंची और जेसीबी से अवैध रूप से निर्माण किए जा रहे दीवार को तोड़ने की कार्यवाही करते हुए एक हाईवा ईंट को जप्त किया गया। जोन एआरओ संजय वर्मा ने बताया कि वार्ड 27 घासीदास नगर में गुंदिया देवी को घासीदास नगर में पूर्व में वाल्किमी आवास योजना के तहत 164 स्क्वेयर फीट भूखंड पर मकान आवंटित है, जिसे तोड़कर उससे द्वारा करीब 800 स्क्वेयर फीट लगभग चार गुना अधिक जमीन पर अवैध रूप से मकान निर्माण किया जा रहा था, जिसकी जानकारी प्राप्त होने पर अवैध निर्माण को रोकने निगम की ओर से 2 बार नोटिस जारी किया गया था लेकिन निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो 18 मई को मौके पर निगम के राजस्व विभाग की टीम पहुंची और निर्माण किए जा रहे दीवार को ध्वस्त किया गया था। इसके बाद भी गुंदिया देवी द्वारा पुनः आवंटन से अधिक जगह पर अवैध निर्माण किया गया जिसे आज पुलिस बल की उपस्थिति में दो दिवार, कॉलम व टीन शेड को जेसीबी के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की गई। मौके से एक हाईवा ईंट जप्त किया गया। तोड़फोड़ कार्यवाही के दौरान जोन उपअभियंता निखहत सबरीन व राजस्व विभाग के व जामुल थाना का बल उपस्थित थे।

आयुक्त ने 8 अभियंताओं के कार्यक्षेत्र में किया बदलाव

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। नगर पालिक निगम क्षेत्र में कार्यरत 8 अभियंताओं के कार्यक्षेत्र में बड़ा बदलाव कार्य को सुचारू रूप से संपादित करने की दृष्टिकोण से किया गया है साथ ही दो अभियंताओं को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने इस बाबत आदेश जारी किए हैं। दो अभियंताओं को अतिरिक्त चार्ज जारी आदेश के तहत अनिल सिंह सहायक अभियंता को जोन क्रमांक एक नेहरू नगर के साथ.साथ वाहन शाखा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रमोद साहू सहायक अभियंता को प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों के साथ.साथ जोन 3 मदर टैरेसा नगर के विभागीय कार्यों को करने आदेशित किया। 8 अभियंताओं को नवीन पदस्थापना निगम में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन किए।

रेवा तालाब पार से निगम ने हटाया अतिक्रमण

काफी समय से रुका था पाथवे और सौदर्यीकरण

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। दीपक नगर वार्ड के रेवा तालाब किनारे सार्वजनिक भूमि पर रंजन सिंह नामक व्यक्ति द्वारा अवैण रुप से निर्माण कर लिया गया था जिसके कारण रेवा तालाब किनारे पाथवे और सौदर्यीरण का कार्य रुका हुआ था। इस संबंध में संबंधित व्यक्ति को अतिक्रण हटाने का नोटिस दिया गया था। परन्तु उन्होनें अपना अतिक्रमण नहीं हटाया था। आज निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन के निर्देशानुसार प्रभारी भवन अधिकारी गिरीश दीवान के नेतृत्व में रेवा तालाब किनारे बने अतिक्रमण को हटाया गया । प्रभारी भवन अधिकारी ने बताया रेवा तालाब से आज अतिक्रमण हटाया गया है अब प्रस्तावित जनता की मांग पर यहॉं पाथवे और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जावेगा। कार्यवाही के दौरान तहसीदलदार सतेंन्द्र शुक्ला मोहन नगर थाना पुलिस बल, जीआर यादव, संतोष मिश्रा, मनीष अग्निहोत्तरी, मनीष थापा, अनुज राय, राजेन्द्र वर्मा आदि मौजूद थे। आयुक्त ने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक जगहों या प्रस्तावित जगहों पर किसी भी प्रकार से अतिक्रमण ना करें।

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग अण्डा सर्किल (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलराम यादव आ. लीलाधर यादव साकिन डुण्डेरा के द्वारा ग्राम डुण्डेरा प.ह.न.. रा.नि.मं.. तह व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 785 रकबा 2200 वर्गफीट भूमि को विक्रेता लुमेश्वर चंद्राकर आ. स्व. हीरा सिंग निवासी डुण्डेरा से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 04.01.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 09.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15.05.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06 अ/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामबहादुर आ. नर बहादुर निवासी स्टीट 05 माडल शहर मोतीलाल नेहरु नगर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम जुनवानी स्थित भूमि खसरा नंबर 944 रकबा 0.02 हे. भूमि जो कि आवेदक के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के राजस्व अभिलेख में आवेदक के पिता का नाम नर बहादुर के स्थान पर भक्त बहादुर दर्ज हो जाने पर उक्त त्रुटि सुधार किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 22.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विघिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28.05.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./745/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक घनश्याम पिता द्वारिका प्रसाद निवासी ग्राम पुरई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम बोरसी तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 284/72 रकबा 0.010 हें. भूमि को विक्रेता श्रीमती बिमलेश्वरी जोशी पति नारायण दास जोशी निवासी ग्राम केलाबाड़ी दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 25.02.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 12.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 26.05.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक आनंद कुमार आ. स्व. राम केवल कुमार अन्य 01 निवासी कोहका कुरुद रोड भिलाई द्वारा ग्राम कुरुद प.ह.न. 19 अ रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1573/26 रकबा 0.010 हे. अर्थात 1200 वर्ग. को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता अजय मित्तल आ. घनश्याम दास अग्रवाल निवासी जवाहर नगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को पंजीयन के आधार पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 22.06.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 29.02.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./99/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका रमांकात साहू पिता/ पति घासीराम निवासी रेलवे कालोनी चरोदा ने ग्राम चरोदा प.ह.न 57 रा.नि.मं. भिलाई-03 तहसील-पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नंबर 303/56 रकबा 0.009 हकत्याग के आधार पर भूमि स्वामी दिनेश कुमार साहू पिता/पति घासीराम साहू का नाम विलोपित कर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

जिसका सुनवाई न्यायालय में दिनांक 24.06.2020 नियत है। अतः जो कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था उपरोक्त वार्णित संपत्ति में हित रखते है,नियत तिथि को दिन में 11:00 बजे या उसके पुर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से अपनी आपत्ति/दावा पेश कर सकते है।नियत तिथि के उपरांत दावा/आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.05.2020 को जारी।

मुहर — नायब तहसीलदार भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई 03 जिला- दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./122/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश कुमार देवांगन पिता/पति प्रभुलाल देवांगन निवासी ग्राम चरोदा तह. पाटन जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम मौजा ग्राम चरोदा तहसील-पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नंबर 304/53 रकबा 688 वर्गफीट भूमि को विक्रेता अमित कुमार बजाज पिता/पति दर्शनलाल निवासी ग्राम चरोदा से रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

जिसका सुनवाई न्यायालय में दिनांक 26.06.2020 नियत है। अतः जो कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था उपरोक्त वार्णित संपत्ति में हित रखते है,नियत तिथि को दिन में 11:00 बजे या उसके पुर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से अपनी आपत्ति/दावा पेश कर सकते है।नियत तिथि के उपरांत दावा / आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21.05.2020 को जारी।

मुहर — नायब तहसीलदार भिलाई-3 जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400427

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका उजमा जाफरी पति मजीद अहमद जाफरी निवासी गुप्ता नर्सिंग होम के पास मोहन नगर द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 350/11 रकबा 0.044 हें/ 4848 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400428

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका नसीम जाफरी पति ताहिर हुसैन जाफरी निवासी आर्य नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 202/333 रकबा 0.022 हें/ 2400 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. — पक्षकार का नाम: श्रीमती विमला शर्मा — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202005100400004

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती विमला शर्मा पति श्री डी.वी. शर्मा निवासी विद्युत नगर जैन मंदिर के पीछे दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59(2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह. व जिला दुर्ग	107/11, 108/12 109/11,	0.020 हें 2400 वर्ग.	आवासीय
	107/12, 108/13 109/12	0.020 हें. 2400 वर्ग.	
	107/21, 108/22 109/21	0.020 हे. 2400 वर्ग.	कुल 6800 वर्ग.

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह उद्घोषणा आज दिनांक 19.03.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: एम. रविकुमार — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202005100400221

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री एम. रविकुमार आ. स्व. एम अप्पाराव निवासी 124 बी रिसाली सेक्टर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59(2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 19 अ तह.व जिला दुर्ग	642/7	0.020 हें 2400 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: श्रवण पाण्डेय — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202005100400187

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री श्रवण पाण्डेय आ. स्व. श्यामादत्त पाण्डेय निवासी क्वा. नं. 1 ए/1 स्ट्रीट 17 सेक्टर 08 भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59(2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 19 अ तह.व जिला दुर्ग	770/48	0.063 हें 6500 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती बबिता साहू आ./ध.प. भूपेन्द्र गाढ़े निवासी आकाश नगर अंवति बिहार रायपुर द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 19 अ रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1704/1 रकबा 0.022 हे. अर्थात 2400 वर्ग. को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता सुबेचंद आ. स्व. ईतवारी सतनामी निवासी बाजार चौक बालोद तह. व जिला दुर्ग से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को पंजीयन के आधार पर नामांतरण किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15.06.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.03.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: चित्रसेन मोहन्ती — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202005100400216

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री चित्रसेन मोहन्ती आ. लक्ष्मण मोहन्ती निवासी म.न. 277 यादव चौक रुआबांधा सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59(2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 19 अ तह.व जिला दुर्ग	661/7	0.020 हें 2450 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. 1238/अ-2 — पक्षकार का नाम: भरतकुमार शाह — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 20200021004038

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक भरत कुमार शाह आ. नवीनचन्द्र शाह निवासी फ्लेट नंबर 09 एफ/8 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ0ग0 द्वारा नीचे अंकसूची में दार्शित भूमि को उसके सम्मूख दार्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपाठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण में विचाराधीन है।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 19 अ तह.व जिला दुर्ग	107/18 108/19 109/18	0.020 हें 2537.7 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 17.03.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./3/अ-20(1) वर्ष 2019-20

आवेदिका श्रीमती बेदेश्वरी गजपाल पति बिसेलाल गजपाल निवासी गायत्री मंदिर वार्ड 25 गायत्री मंदिर के पीछे दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग नगर स्थित मोहल्ला गायत्री मंदिर वार्ड 25 गायत्री मंदिर के पीछे दुर्ग पर स्थित नजूल शीट क्रमांक 16 भूंखड क्र 9/1 का टु. रकबा 50X50= 2500 वर्गफीट आवासीय प्रयोजन हेतु छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन मंत्रालय रायपुर के पत्र क्रमांक एफ 04-07/7-1/2019 दिनांक 11.09.2019 एवं 26.10.2019 में जारी निर्देशों के अनुक्रम में धारक/ पट्टेदार द्वारा शासन की शर्तो के अनुरुप उक्त भूखण्ड का भूमिस्वामी अधिकार प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 01.06.2020 या इसके पुर्व इस न्यायालय में स्वतःया किसी अधिकृत व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भूखण्ड संबंधी जानकारी हो प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। इसके पश्चात् प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 18.05.2020 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./8/अ-20(3) वर्ष 2019-20

आवेदक मनीष कुमार सिंह आ. स्व. सुरेश सिंह निवासी एम.आई.जी. 2/258 आमदी नगर हुडको भिलाई तह. व जिला दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित भूमि खसरा नंबर 1/2, 2/2 का टु. प्लाट नं. एम.आई.जी.2/258 रकबा 160 वर्गमीटर भूखण्ड/ मकान आवेदक/ धारक मनीष कुमार सिंह पिता सुरेश सिंह के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूखण्ड के पट्टे की अवधि 2038 तक निष्पादित है। आवेदक/ धारक द्वारा उक्त भूखण्ड को क्रेतागण श्रीमती कल्पना सिंह पति रामवीर सिंह एवं रुचिर सिंह आ. रामवीर सिंह निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई जिला दुर्ग के पास विक्रय करने का सौदा तय कर बयाना/अग्रिम की राशि प्राप्त कर लिए है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड के विक्रय की अनुमति बाबत् आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत की है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हे।

अतएव एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 17.06.2020 को या इसके पुर्व इस न्यायालय में स्वतःया किसी अधिकृत व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भूखण्ड संबंधी जानकारी हो प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। इसके पश्चात् प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.05.2020 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने से कर्मचारी नाराज, राज्य सरकार के विरूद्ध किया रोष प्रकट

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश के शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियो के वार्षिक वेतन वृध्दि रोकने के निर्णय को कर्मचारी संघ ने अनुचित बताते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की है। आदेश जारी होने के बाद कर्मचारियो ने मुख्यमंत्री के नाम एक कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपना रोष व्यक्त किया है। ज्ञापन देने के बाद छत्तीसगढ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के अध्यक्ष लखन साहू, बसंत त्रिवेदी, सुदामा ठाकुर, बसंत मिश्रा, पन्नालाल देववंशी, एनके वर्मा, मिश्रीलाल तारक ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के अधीन कार्यरत शासकीय सेवक नोबेल कोरोना वायरस जैसे वैश्विक महामारी को रोकने हेतु संघर्षरत है इस कार्य में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, गृह विभाग, राजस्व विभाग एवं अन्य विभाग के कर्मचारी अपना जान जोखिम में डालकर लगातार सेवाएं दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन को अन्य राज्यों की भांति जोखिम भद्दा, कर्मचारियों की असामयिक मृत्यु होने पर अनुग्रह राशि आदि की मांग की गई थी लेकिन शासन द्वारा

इन मांगों पर कोई विचार नहीं किया गया उल्टा शासन द्वारा ऐसे करना योद्धाओं को पुरस्कृत करने के बजाए संदर्भित आदेश के द्वारा हतोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश के कर्मचारियों द्वारा स्वयं होकर इस विपदा की घड़ी में मुख्यमंत्री सहायता कोष में एक दिन का वेतन दान किया गया है। इस माह में मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन का वेतन शिक्षा से दान करने का फेडरेशन एवं अन्य संगठनों द्वारा भी अपील किया गया है। इसके बाद भी शासन द्वारा कर्मचारी विरोधी आदेश जारी करना निंदनीय है। वही उन्होने ओडिशा सरकार के द्वारा कर्मचारियो के वेतनवृध्दि सहित 10 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने के स्वीकृति की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार को इसे संज्ञान में लेकर कर्मचारी हित के बारे में सोचना चाहिए।

न्यूज गैलरी

नवपदस्थ कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने पदभार ग्रहण किया

महासमुंद। महासमुंद जिले के नवपदस्थ कलेक्टर के रूप में कार्तिकेया गोयल ने जिला कार्यालय में गुरुवार शाम पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल, अपर कलेक्टर आलोक पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

भगवान बुद्ध के अवशेष को संरक्षित करने की मांग

महासमुंद। भारतीय बौद्ध महासभा ने अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि में निर्माणाधीन मंदिर में खोदाई के दौरान भगवान बुद्ध के अवशेष मिलने पर राष्ट्रीय पुरातत्व विभाग को ज्ञापन सौंपा है। महासभा ढ़ाई हजार वर्ष पूर्व के बौद्धकालीन पुरातात्विक अवशेषों को संरक्षित करने की मांग की है। महासभा ने छग पुरातत्व विभाग के अलावा कलेक्टर, पुरातत्व सर्वेक्षण नईदिल्ली, सामाजिक न्याय मंत्रालय के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन सौंपने वालों में भारतीय बौद्ध महासभा के जिलाध्यक्ष शंकर नंदेश्वर, महासचिव शालिनी गायगौरे, उपाध्यक्ष राजेश भालेराव, प्रमुख सलाहकार संजय वासनिक, सचिव राजेश गजभिये, सहसचिव दिलीप मोटघरे आदि शामिल रहे।

रूपए की बात को लेकर दो युवक की पिटाई

महासमुंद। रूपए की बात को लेकर तीन लोगों ने दो युवकों की पिटाई कर दी। शिकायत पर पुलिस ने युवकों के खिलाफजुर्म दर्ज कर जांच में लिया है। प्राथी मोहम्मद लियाकत ने बताया कि 25 मई को शेख मशरूद्दीन के साथ वे दोस्त के यहां से दावत खाकर घर लौट रहे थे। रात्रि करीब साढ़े 11 बजे आरोपी जीतू मटारी और साथियों ने फव्वारा चौक रूपए नहीं देने की बात को लेकर गाली-गलौच करते हुए मारपीट की। इस दौरान बीच बचाव करने आए मशरूद्दीन को मारा जिससे माथे और सिर पर चोट लगी। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफजुर्म दर्ज कर जांच में लिया है।

सास की डांट से महिला ने की खुदकुशी

महासमुंद। पटेवा थानाक्षेत्र के ग्राम रायपुर रामसागर पारा में एक माह पूर्व विवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या मामले में पुलिस ने पति, सास और ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उन पर आरोप है कि विवाहिता को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किया। जानकारी के मुताबिक रायतुम निवासी देवंती बाई ने 21 अप्रैल 2020 को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।उसके पति से थाने पहुंच इसकी जानकारी दी। मर्ग जांच में पुलिस ने बताया कि घटना के दिन भोजन के दौरान चावल कम पड़ गया। जिससे उसके सास ने देवंती को चावल बढ़ाकर बनाने की बात कहते हुए फटकार लगा दी। बहरहाल, पुलिस ने पति खिलेश पटेल, ससुर आत्माराम पटेल और सास रामबाई पटेल के खिलाफ धारा 306/34 के तहत अपराध दर्ज किया है।

राइसमिल के डस्ट से वार्डवासी परेशान

महासमुंद। शहर के वार्ड 22 स्थित सूर्या राइसमिल के हानिकारक राखड़ निकलने से वार्डवासी परेशान हैं। इससे स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। वार्डवासियों ने राइसमिल को बंद कराने के लिए गुरुवार को डिप्टी कलेक्टर पूजा बंसल को ज्ञापन सौंपा है। वार्ड 22, 23 व 24 के वार्डवासी विकास, रामचंद पटेल, बलदेव महानंद, अमीषा महंती, सुमीत कुमार सहित अन्य लोगों ने बताया कि सूर्या राइस मिल से निकलने वाले हानिकारक डस्ट से परेशान हैं। यह डस्ट पीने, नहाने के पानी व भोजन में उड़कर आता है।

कर्मचारी विरोधी आदेश जारी करना निंदनीयः कर्मचारी संगठन

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। वेतनवृद्धि एवं एरियर्स पर सरकार द्वारा रोक लगाने से कर्मचारी संगठनों में भारी नाराजगी है। इस संबंध में विभिन्न शासकीय कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने डिप्टी कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है।

अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन के संयोजक अशोक गिरी गोस्वामी ने कहा कि सभी शासकीय कर्मचारी कोरोना संकट काल में भी जान जोखिम में डालकर कोरोना वारियर्स के रूप में सेवा दे रहे हैं। ऐसे समय में सरकार द्वारा सभी कर्मचारियों को पुरस्कृत करने के बजाए वार्षिक वेतनवृद्धि व एरियर्स पर रोक लगाना तुगलकी फरमान है। छग शिक्षक संघ के प्रांतीय मंत्री उमेश

भारतीय गोस्वामी ने कहा कि कर्मचारियों द्वारा स्वेच्छा से मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 दिन का वेतन दान कर चुके हैं। इस माह भी मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन का वेतन स्वेच्छा से दान करने का फेडरेशन एवं अन्य संगठनों द्वारा अपील की गई है। उसके बाद भी शासन द्वारा कर्मचारी विरोधी आदेश जारी करना निंदनीय है। छग शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष व फेडरेशन के महामंत्री टेकराम सेन ने सरकार के आदेश की निंदा करते हुए कहा कि सरकार का यह आदेश शासकीय कर्मचारियों के हित में नहीं है। वार्षिक वेतन वृद्धि व एरियर्स में रोक लगाना शासन के गलत नीतियों को दर्शाता है। शीघ्र ही कर्मचारियों के हित में निर्णय नहीं लिया गया तो सभी संगठनों के पदाधिकारियों से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से चर्चा कर उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान स्वास्थ्य एवं बहुउद्देशीय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष दीपक तिवारी, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष किसन चंद्राकर, छग मैदानी कर्मचारी संघ के रूपेश चंद्राकर, लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष केके चंद्राकर, शिव साहू, शिक्षक फेडरेशन से चमन चंद्राकर, हेमेंद्र आचार्य, पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ से एचआर साहू, वाहन चालक संघ से मनीष चंद्राकर, जीआर ध्रुव, रामकुमार चंद्राकर, आशुतोष ज्योति सहित संयुक्त अधिकारी-कर्मचारी संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

टामकी तालाब में शेड निर्माण करने के निर्देश

महासमुंद। टामकी तालाब के चारों ओर किए जा रहे कांक्रीटीकरण का नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने निरीक्षण किया। इस दौरान पालिका अध्यक्ष ने तालाब के पास दशगात्र आदि कार्यों के लिए शेड निर्माण करने के भी निर्देश दिए हैं। घटते भू जल, और संरक्षण को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर पहले से ही संजीदा है। इसी के मद्देनजर अधोसंरचना मद से 10 लाख रुपए की लागत से अब टामकी तालाब का संरक्षण एवं संवर्धन तथा सौंदर्यीकरण को लेकर तालाब के इर्द-गिर्द कांक्रीट सड़क का निर्माण किया जा रहा है। वहीं मौत मिट्टी के बाद तालाब पहुंच रहे शोकाकुल परिवारों को छांव भरी बैठक व्यवस्था के लिए शेड का निर्माण भी करने के निर्देश दिए हैं। तालाब की दशा बदलने के लिए चारों ओर पेंड़ पौधे भी लगाएं जाने की तैयारी भी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान पालिका अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने ठेकेदार को निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने की हिदायत दी है। उन्होंने ने तापमान अधिक होने, और ऐसे में सड़क पर नियमित रूप से क्यूरिंग करने को कहा है।

कोरोना से बचाव के लिए सौंपा आयुर्वेदिक दवा

महासमुंद। भारत स्कॉउट गाइड्स जिला के पदाधिकारियों ने गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर से सौजन्य मुलाकात की। इस मौके पर पदाधिकारियों ने पालिका अध्यक्ष को कोरोना महामारी से बचाव के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) बढ़ाने वाली आयुर्वेदिक दवा भेंट की। इस दौरान पालिका अध्यक्ष चंद्राकर ने कहा कि देश संकटकाल के दौर से गुजर रहा है।

नवपदस्थ कलेक्टर ने जिला कार्यालय के विभिन्न विभागों एवं शाखाओं का किया अवलोकन

महासमुंद। महासमुंद जिले के नए कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने गुरुवार को जिला कार्यालय के विभिन्न शाखाओं और विभागों के कक्षों में पहुंचकर वहां का अवलोकन किया तथा वहां पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों से विभागीय कार्यों की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 बैच के आई.ए.एस अधिकारी कार्तिकेया गोयल इसके पूर्व बलौदाबाजार-भाटापारा में कलेक्टर के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। कलेक्टर गोयल ने जिला कार्यालय स्थित खाद्य विभाग, निर्वाचन शाखा, आबकारी,

खनिज, कोषालय, भू-अभिलेख, एनआईसी, रिकार्ड रूम, हमर गोहार, चिप्स, राहत शाखा,, अंत्यावसायी, लोक सेवा केन्द्र, स्थापना शाखा सहित विभिन्न विभागों एवं शाखाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल, अपर कलेक्टर आलोक पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया छुरा में क्वारेनटाईन सेंटर का निरीक्षण, लोगों से जाना कुशलक्षेम

गरियाबंद। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश साहू ने छुरा ब्लाक अंतर्गत बनाए गए विभिन्न क्वारेटाईन सेंटरो का निरीक्षण कर व्यवस्थाओ का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होने क्वारेटाईन किए गए प्रवासी मजदुरो से चर्चा कर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उन्होने प्रवासी मजदुरो से क्वारेटाईन से बाहर ना निकलने आश्वयक सावधानी बरतने सहित शासन द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशो का पालन करने की अपील की। उन्होने मजदुरो को भरोसा दिलाया कि मोदी सरकार एवं भाजपा आपके सहयोग के लिए तत्पर है। किसी प्रकार की परेशानी होने पर उन्हे सुचना देवे। इस दौरान उनके साथ नगर पंचायत अध्यक्ष खोमन चन्द्राकर, उपाध्यक्ष रिंकू सचदेव, पार्षद भोलेशंकर जायसवाल भी मौजुद थे।

कलेक्टर ने किया फुलकर्रा एवं पोटिया के गौठान का अवलोकन

गरियाबंद। जिले के गरियाबंद विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम फुलकर्रा में शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरूवा, बाड़ी के तहत प्रथम फेस में गौठान का निर्माण किया गया है। योजना अंतर्गत बिहान स्व सहायता समूह की महिलाओं को आजीविका से भी जोड़ा गया है। कलेक्टर छत्तर सिंह डेहरे ने आज उक्त गौठान का अवलोकन किया और बिहान स्व सहायता समूह की महिलाओं से वर्मी कम्पोस्ट खाद, फेसिंग पोल व फेसिंग तार निर्माण के संबंध में जानकारी ली। ज्ञात हो कि फुलकर्रा गौठान में पशुओं के लिए छायादार शेड निर्माण, चारा-पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। साथ ही ग्रामीण महिलाओं को भी स्वरोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। गौठान अवलोकन के दौरान जिला पंचायत के सीईओ विनय कुमार लंगेह भी साथ मौजूद थे। उन्होंने गौठान निर्माण और इससे जुड़े गतिविधियों के संबंध में कलेक्टर को विस्तार से अवगत कराया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सह खातेदार स्वामित्व की भूमि 1. गणेशराम पिता घसिया 2. भगवंतीन पिता घसिया 2. जरवन पिता घसिया 4. शांति पिता घसिया 5. मीना पिता मंगल, निवासी ग्राम नरियरा (कुहेरा) तहसील आगंर जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम पर स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि मौजा कुहेरा प.ह.नं. 19 तहसील आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में भूमि खसरा क्र. 826 रकबा क्र. 0.02 हे. कुल खसरा 01 कुल रकबा 0.02 हे. को विक्रय करने का पक्का सौदा मेरे पक्षकार 1 अशोक कुमार बंजारे पिता सोनुराम बंजारे 2. राजकमल निवास ग्राम- बाहनाकाड़ी तहसील आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने का पक्का सौदा कर लिया गया है। मात्र पंजीयन की कार्यवाही फिर शेष है।

उपरोक्त संव्यवहार के संदर्भ में जिस किसी भी व्यक्तियों, संस्था, निगम, निकाय, साहूकार, बैंक, वित्त प्रदान करने वाली अन्य समस्त संस्था, प्राधिकरण अथवा शासकीय अर्धशासकीय निकाय या प्राईवेट संस्थान को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति, वाद-विवाद, निहित हित हो तो वह अपनी आपत्तिमय प्रमाणित दस्तावेजों के मेरे अधोलिखित मेरे पते पर कार्यालयीन अवधि में इस आम सूचना प्रकाशन से 7 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें। उपरोक्त अवधि के अवसान के उपरांत प्राप्त आपत्तियां एवं दावे शून्य एवं विधि विरूद्ध समझे जायेंगे। और मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जाने।

दिनांक 29/5/2020 स्थान- आरंग

भवदीय
कौशल सोनकर (अधिवक्ता)
कार्या, उप पंजीयक कार्यालय के सामने, ब्लाक कालोनी, आरंग रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. 7000839159

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-5, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
email ID: eocghbzone5@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा कालोनी आरंग जिला रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत एलआईजी भवन क्र.-69 श्री अनिल चन्द्राकर पिता श्री झम्मनलाल चन्द्राकर के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का लीजडीड दिनांक 08.10.2012 को निष्पादित करा लिया गया है। वर्तमान में आबंटी श्री अनिल चन्द्राकर पिता श्री झम्मनलाल चन्द्राकर पता- ग्राम व पोस्ट-छटेरा, थाना व तहसील आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्रीमती सीमा चन्द्राकर पति श्री संदीप चन्द्राकर पता- ग्राम अकोलीकला, पोस्ट छटेरा, थाना व तहसील आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.) के नाम पर विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन क्रेता श्रीमती सीमा चन्द्राकर पति श्री संदीप चन्द्राकर पता- ग्राम अकोलीकला, पोस्ट छटेरा, थाना व तहसील आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.) के नाम पर विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-5, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-5, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
email ID: eocghbzone5@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा कालोनी आरंग जिला रायपुर में निर्मित अटल विहार योजनांतर्गत ईडब्ल्यूएस टाईप-।/भवन क्र.-05, श्रीमती शोभा शर्मा पति श्री रमेश शर्मा के नाम पर स्व वित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 30.03.2017 को लीजडीड निष्पादित करा लिया गया है। वर्तमान में आबंटी श्रीमती शोभा शर्मा पति श्री रमेश शर्मा निवासी- शुक्ला काम्पलेक्स के सामने, एलआईजी-40, सेक्टर-01 शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्रीमती रजनी रात्रे पति श्री मोहन किशोर रात्रे, निवासी-ग्राम बाहनाकाड़ी, पोस्ट कुरूद कैम्प, थाना मंदिर हसौद, तहसील आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम पर विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता श्रीमती रजनी रात्रे पति श्री मोहन किशोर रात्रे के नाम पर विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अतः उक्त भूखण्ड/भवन को विक्रय करने की अनुमति प्रदान किए जाने पर किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-5, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 285/19-20
वार्ड का नाम- सिविल लाईन-42

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सिविल लाईन-42 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 42/1674 श्यामनगर जो कि निगम अभिलेख में श्री फूलचंद लोधिया s/o घासीराम लोधिया एवं श्रीमती कमलाबाई लोधिया w/o फूलचंद लोधिया के नाम से दर्ज है, जिसको श्री विशाल सोनी s/o राजेन्द्र कुमार सोनी रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 29/05/2020
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 286/19-20
वार्ड का नाम- सिविल लाईन-42

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सिविल लाईन-42 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ ख.नं.296/31, प्लाट नं. 16/09 जो कि निगम अभिलेख में श्री मनोज चेलानी s/o विजय कुमार चेलानी के नाम से दर्ज है, जिसको श्री विकास झामवानी s/o लक्ष्मणदास झामवानी एवं श्री अजय क्षत्रे s/o स्व. अर्जुनदास क्षत्रे रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 29/05/2020
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 284/19-20
वार्ड का नाम- सिविल लाईन-42

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सिविल लाईन-42 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 42/पंचशील नगर जो कि निगम अभिलेख में श्री परसराम हरपाल s/o बनवासो हरपाल के नाम से दर्ज है, जिसको श्रीमती रीना सोनी w/o किशोर सोनी रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 29/05/2020
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 283/19-20
वार्ड का नाम- सिविल लाईन-42

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सिविल लाईन-42 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 42/पंचशील नगर जो कि निगम अभिलेख में श्री परसराम हरपाल s/o बनवासो हरपाल के नाम से दर्ज है, जिसको श्रीमती रेखारानी साहू w/o आर.एल. साहू रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 29/05/2020
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400231

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती श्वेता महलवार पति श्री दीपक सिंह महलवार निवासी शिक्षक नगर महावीर स्कूल के सामने दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 466/29 रकबा 0.014 हें/ अर्थात 1500 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400436

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती वर्षा तिवरकर पति श्री सतीश तिवरकर निवासी हुडको भिलाई द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 345/5 रकबा 0.013 हें/ अर्थात 1470 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400435

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती शुक्ला मुखर्जी पति श्री निलांजन मुखर्जी निवासी हुडको भिलाई द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 345/4 रकबा 0.013 हें/ अर्थात 1470 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400419

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती पिन्की भार्गव पति श्री रविन्द्र भार्गव निवासी जयंती नगर सिकोला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 32/42 रकबा 0.007 हें/ अर्थात 700 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400352

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री खुमान सिंह चंद्राकर आ. श्री रामकिसुन चंद्राकर निवासी चंदखुरी द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम चंदखुरी प.ह.न. 29 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1233/2, 1233/3 रकबा 0.02, 0.005 हें/ अर्थात .. वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 26.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400353

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री पुरेन्द्र कुमार चंद्राकर आ. श्री रामकिसुन चंद्राकर निवासी चंदखुरी द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम चंदखुरी प.ह.न. 29 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1233/1 रकबा 0.025 हें/ अर्थात .. वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 26.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

■ न्यूज गैलरी

क्वारंटाईन सेंटरों में भाजपा ने सूखा राशन बांटा

राजनंदगांव। पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक डॉ. रमन सिंह के दिशा निर्देशन पर जिला भाजपा ने ग्रामीण क्षेत्रों के मर टाइन सेंटरों में सुखा राशन बैग का वितरण किया। जिला भाजपा अध्यक्ष मधुसूदन यादव ने बताया कि बाकल, पनेका, फरहद, भेड़ीकला, गठुला, परमालकसा, सुंदरा, ठाकुरटोला, ठेकुआ, ककरेल, बैगाटोला, नवागांव, बिरेझर, अंजोरा, टेड़ेसरा, धीरी, सोमनी, खुटेरी इत्यादि क्वारेंटाईन सेंटरों में रह रहे प्रवासी मजदूरों को सुखा राशन बैग का वितरण किया गया एवं सैंटरो की व्यवस्था भी देखी गई। भाजपा के नेताओं के इस सहयोग से मजदूरों में हर्ष की लहर देखी गई। सभी ने संतोष व्यक्त किया कि संकट की इस घड़ी में भाजपा ने अपना दायित्व बखूबी निभाया है। वितरण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मधुसूदन यादव, जिला पंचायत सदस्य अशोक देवांगन, मंडल अध्यक्ष रोहित चंद्राकर, मनोज साहू, पुष्पा गायकवाड, कृष्णा तिवारी, रमेश चंद्राकर, तेजराम देवांगन, कृष्णा साहू, सुखितराम साहू, खिलेशेवर साहू, अनिल साहू, सूर्यकांत भंडारी, कृष्णा साहू, मनहरण साहू सहित ग्रामीण कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रशांत तिवारी कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष

राजनांदगांव। नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता, स्टेट बार कौंसिल के सदस्य एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रशांत प्रभात तिवारी को प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनोज चौधरी को प्रदेश सचिव बनाया गया है। स्टेट बार कौंसिल के सदस्य एवं नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत प्रभात तिवारी पूर्व में भी शहर तथा ग्रामीण जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं और वे एकमात्र कांग्रेसी हैं, जिन्हें शहर जिला युवा कांग्रेस तथा ग्रामीण जिला युवा कांग्रेस दोनों में कार्य करने का अवसर मिला। श्री तिवारी ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री भी रह चुके हैं। यही नहीं वे जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भी रहे हैं। श्री तिवारी की इस नियुक्ति पर हर्ष व्याप्त है और उम्मीद की जा रही है कि उनकी इस नियुक्ति से तथा उनके अनुभवों से कांग्रेस विधि विभाग पूरे प्रदेश में और भी मजबूत होगी, क्योंकि वे स्टेट बार काउंसिल के सदस्य हैं इसलिए उनकी इस पद पर नियुक्ति काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसी तरह मनोज चौधरी को कांग्रेसी विधि विभाग के प्रदेश सचिव बनाए जाने का लाभ भी कांग्रेस को मिलेगा।

जिले में टिड्डी दल के आक्रमण की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी

राजनांदगांव। फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले टिड्डी दल का प्रकोप राजस्थान होते हुए मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्य तक पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्य होने के कारण भविष्य में टिड्डी दल के आक्रमण की संभावना है। वर्तमान में टिड्डी दल दोपहर 2 बजे मध्यप्रदेश राज्य के बालाघाट जिले के ग्राम कटोरी तक पहुंच चुका है। प्रभारी कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने जिले के मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के समीपवर्ती तहसील को अलर्ट जारी किया है। मध्यप्रदेश की सीमा से लगे विकासखंड खैरागढ़, डोंगरगढ़, छुईखदान को सतर्क रहने कहा गया है। टिड्डी दल के आक्रमण की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए सभी सीमावर्ती गांवों में मुनादी तथा सुरक्षा दल का गठन व मैदानी स्तर पर अधिकारियों को सतत निगरानी करने के लिए निर्देश दिए हैं। क्षेत्र में टिड्डी दल प्रवेश होने पर तत्काल सूचित करते हुए स्थानीय कृषि अधिकारी तथा कृषि विज्ञान के वैज्ञानिकों की सहायता से टिड्डी दल को नियंत्रित करने दवा छिड़काव करने की व्यवस्था करने कहा गया है।

उपचार के दौरान हुई बच्चे की मौत

कवर्धा। सहसपुर लोहारा ब्लॉक के बांधटोला मिडिल स्कूल को क्वारेंटाइन सेंटर बनाया गया है। यहां रूके श्रमिक के 3 माह के बच्चे की तबियत बिगड़ने पर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पीडित परिजन ने बच्चे के शव को उसी क्वारेंटाइन सेंटर से 50 मीटर दूरी पर कब्र खोदकर दफनाया, जहां वे क्वारेंटाइन में थे। ग्राम बांधाटोला में दो क्वारेंटाइन सेंटर है। दोनो सेंटर मे 159 प्रवासी श्रमिक रूके हुए है। ज्यादातर श्रमिक महाराश्ट्र के अलग-अलग शहरों से लौटे है। प्राथमिक स्कूल क्वारेंटाइन सेंटर में 74 और मिडिल स्कूल क्वारेंटाइन सेंटर में 85 श्रमिक रूके है। बुधवार शाम को प्राथमिक स्कूल सेंटर से 26 श्रमिको को छुट्टी दे दी गई। इस पर मिडिल स्कूल क्वारेंटाइन सेंटर के श्रमिकों का कहना था कि वे भी 14 दिन का क्वारेंटाइन पूरा कर चुके है, लेकिन उन्हे छुट्टी नही दी जा रही है। अधिकारियों की समझाइश पर मामला शांत हुआ।

वेतन वृद्धि को निलंबित रखने के आदेश का छ.ग. व्याख्याता संघ ने किया पूरजोर विरोध

■ **आने वाले समय मे कर सकते है विरोध**

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। कर्मचारियों को मितव्ययता का साधन मानते हुए प्रदेश सरकार द्वारा कार्यरत कर्मचारियों के आगामी 2020 एवं 2021 के वेतन वृद्धि को निलंबित रखने का आदेश जारी किया गया है। जिसका छत्तीसगढ़ व्याख्याता संघ ने पूरजोर विरोध किया है। संघ के जिलाध्यक्ष वेदराम पात्रे ने बताया कि एक तरफ पूरा प्रदेश और देश कोरोना वायरस के प्रकोप का दंश झेल रहा है। और कर्मचारी जी जान के साथ इसमें सेवा दे रहा है। ऐसे मे प्रदेश सरकार के द्वारा कर्मचारियों के वेतन वृद्धि रोकने का आदेश कर्मचारी जगत को हैरान परेशान कर देने वाला है। पिछले दो माह से सभी इस जंग मे जुटे है। पहले तो प्रदेश सरकार ने डी.ए. रोकने का आदेश जारी किया अब इसके बाद एक कदम और आगे बढ़ाते हुए सरकार ने वेतन वृद्धि को भी विलंबित रखने का

आदेश जारी कर दिया है। इसका कर्मचारियों के आर्थिक लाभ पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा एक तरफ मंहगाई भत्ता रोकने वही दुसरी ओर वेतन वृद्धि रुक जाने से कर्मचारियों को प्रतिमाह आर्थिक नुकसान तो होगा ही वही सेवानिवृत्त और पेंशन के समय भी हर कर्मचारी अधिकारी को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

वैसे भी वेतन भी कर्मचारियों को वर्ष भर का सेवा के आधार पर उन्हे दिया जाता है। किन्तु सरकार ने इसे मितव्ययता माना है। एक तरफ जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए न्याय योजना शुरुआत की है उसके कारण कर्मचारी जगत मे भी हर्ष का माहौल बना था परंतु वेतन वृद्धि रोकने से सभी कर्मचारियों मे घोर निराशा और असंतोष है। प्रदेश के सभी कर्मचारी मुख्यमंत्री के अपील पर अपना एक एक दिन का वेतन भी दे चुके हैं जिसके कारण खजाने मे करोड़ रुपये की राशि भी भी जमा हुई है संघ का मानना है कि हो सकता है। प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अधिकारियों ने गुमराह किया हो। छत्तीसगढ़ व्याख्याता संघ मुख्यमंत्री से अपील करता है कि वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने के आदेश पर पुनर्विचार करते हुए इस आदेश को वापस लें। संघ के प्रांताध्यक्ष राकेश शर्मा, उप प्रांताध्यक्ष एन.पी तिवारी, प्रांतीय सचिव कन्हैया लाल गुप्ता, जिला अध्यक्ष वेदराम पात्रे रोकने के आदेश पर पुनर्विचार कर वापस लें।

उत्तप्रदेश के बाद अब कबीरधाम जिले में 40 चमगादड़ों की मौत

कवर्धा। उत्तर प्रदेश के बाद कबीरधाम जिलें मे भी चमगादडो की मौत होने की खबर अब सनसनी की तरह फैलने लगी है लोग इसे कई तरह से जोड-तोडकर भी बता रहे है। लेकिन इन चमगादडो की मौत का कारण प्रथम दृश्टि से बढते हुए तापमान को बताया जा रहा है। चमगादडो की मौत की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर वन विभाग की पूरी टीम बोडला क्षेत्र के पोंडी मार्ग के पास स्थित मंडलाटोला में गुरूवार की रात 10:30 बजे पहुंचे जिसमें कवर्धा एसडीओ, परिक्षेत्र अधिकारी, पशु चिकित्सक डॉ सोनम मिश्रा एंव स्थानीय अमला मौजूद रहे। वेटनरी डॉक्टर जसमीत सिंह वाईल्ट लाइफ एंव फॉरेंसिक सांइस के विशेशज्ञ से संपर्क किया गया जिन्होने फोन के माध्यम से वन विभाग की टीम को

मार्गदर्शन दिया तथा डिप्टी डॉयरेक्टर, पशु चिकित्सा कवर्धा की टीम भी घटना स्थल पर मौजूद थी। जहां मृतक चमगादडो के सैम्पल लिए गए। पशु चिकित्सा के अनुसार प्रथम दृश्टि से चमगादड की मौत का कारण हिट स्ट्रोक पाया गया है। साथ ही तीन चार दिनो से बढते हुए तापमान को इसका मुख्य कारण बताया जा रहा है।

वहीं इसी तरह की घटना उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के कई जिलों में हो रही चमगादडो की मौत की खबर निकलकर सामने आई थी। इसके साथ ही इस क्षेत्र में हुए चमगादडो की मौत को कई तर से लोग जोडकर भी देख रहे थे। किसी ने इन चमगादड़ो की मौत को कोरोना वायरस जैसे महामारी से भी जोड दिया था। जिसें निराधार बताया जा रहा है। वहीं कबीरधाम जिले के बोड़ला क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मंडलाटोला में भी 40 से ज्यादा चमगादडो की मौत हो चुकी है। इसे भी लोग अब कई तरह से जोडकर कुछ भी बाते कर रहे है, लेकिन यह विभागीय जानकारी के अनुसार निर्मूल बताया जा रहा है। दरासल बढते तापमान के चलते इन चमगादडो के ब्लडपेसर हाई होने से ब्रेनहैम्रेज भी हो जाता हैं जिससे उनकी मौत हुई होगी। ऐसी जानकारी भी मिल रही है। वहीं अब वन विभाग के द्वारा अन्य वनप्राणियों की सुरक्षा को लेकर और विशेश रूप से कार्य योजना बनाकर कार्य किया जा रहा हैं। जिससें वनांचल क्षेत्रो की वन्यप्राणी इस तपती गर्मी में प्रभावित न हो। वनांचल क्षेत्रो में सैकडो जगह वन्यप्राणियों के लिए पानी की जहां अस्थाई व्यवस्था की गई है वहीं प्राकृतिक जल स्त्रोतो को भी सफाई कर वन्यजीवो के लिए उपलब्धता बनाई गई है। तो इसके साथ ही वन विभाग टैप्प कैमरे का भी उपयोग लेते हुए वन्यप्राणियों पर नजर बनाए रखे है।

अपहृत बालिका को अपहरणकर्ता के चंगुल से कराया मुक्त

पंडरिया। प्रार्थी दिनांक 21.05.20 को थाना रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक 21.05.20 को करीबन 01:30 बजे अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके भांजी को अपहरण कर ले गया है मामला नाबालिक बालिका से संबंधित होने से संवेदनशील पुलिस अधीक्षक कबीरधाम के.एल. ध्रुव के दिशा निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कबीरधाम एवं अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पंडरिया के नेतृत्व में विशेष टीम तैयार कर तत्काल अपहृत बालिका को दस्तयाब एवं अपहरणकर्ता को गिरतार करने का निर्देश दिये गये निर्देशानुसार थाने की टीम द्वारा प्रकरण से संबंधित हर पहलुओं का बारिकी से अध्ययन कर लगातार अपहरणकर्ता का पता तालाश किया जा रहा था। शुक्रवार को थाना टीम द्वारा अपहृत बालिका को बेमेतरा जिला के सीमा के पास आरोपी के चंगुल से मुक्त कराया गया एवं आरोपी के विरूद्ध धारा सदर का नियमानुसार कार्यवाही कर आरोपी को गिरतार कर न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पंडरिया के नेतृत्व में उप निरी. बी.पी. गुप्ता, सउनि. उमा उपाध्याय, आर. जेठू राम साहू, महिला आर. कीर्ति मार्को, व तकनिकी टीम सउनि. चंद्रप्रकाश तिवारी, आर. आकाश सिंह ठाकूर, आर. ओमप्रकाश धुर्वे, आर0 प्रभाकर बंछोर, का सराहनीय योगदान रहा ।

टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि नवपदस्थ कलेक्टर से मिले

■ **स्वागत पश्चात् मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन**

कवर्धा। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चन्द्रवंशी के नेतृत्व में जिला प्रतिनिधिमंडल ने नवपदस्थ कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा से प्रथम मुलाकात में गुलदस्ता से स्वागत पश्चात् प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शासकीय

कर्मचारियों व अधिकारियों के वेतनवृद्धि में रोक के आदेश को वापस लेने की मांग किया गया है। जिलाध्यक्ष श्री चन्द्रवंशी ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग मंत्रलाय नया रायपुर द्वारा विगत 27 मई को जारी आदेश में कर्मचारियों के इन्क्रीमेंट अर्थात् वार्शिक वेतनवृद्धि पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है।

राजस्थान और मध्यप्रदेश में टिड्डी दल ने पहुंचाया नुकसान, अब कबीरधाम अर्लट

■ **टिड्डी के दलो से बचाव को लेकर अधिकारियों की टीम गठित**

कवर्धा। राज्य सरकार के .षि विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि टिड्डी दल राजस्थान होते हुए मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के सीमावर्ती होने के कारण टिड्डी के छत्तीसगढ़ में भी प्रवेश की संभावना है। कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने टिड्डी दल के राज्य में प्रवेश की संभावना को .ष्टिगत रखते हुए नियंत्रण हेतु जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर नियंत्रण कक्ष एवं नोडल अधिकारी गठित किया गया है।

जिला स्तर पर कबीरधाम के वनमंडलाधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उपसंचालक .षि, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, सहायक संचालक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार विकासखंड कवर्धा के लिए एसडीएम कवर्धा, तहसीलदार कवर्धा, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कवर्धा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कवर्धा, फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर कवर्धा, वरिष्ठ .षि विकास अधिकारी कवर्धा, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी कवर्धा को नोडल अधिकारी गठित किया गया है।

आदिवासी स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 116 लक्ष्य निर्धारित

कवर्धा। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित कवर्धा से प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के आर्थिक विकास के लिए क्रियान्वित अंत्योदय एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना के अंतर्गत वर्ष 2020-21 के लिए जिले को 116 लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रति इकाई लागत 50 हजार रूपये है, लक्ष्य में दर्शित ऋण राशि न्यूनतम है और अधिकतम ऋण स्वी.ति बंधनकारी नहीं है। इन वर्गो के 33 प्रतिशत महिला हितग्राहियों का चयन करते हुए, 20 प्रतिशत .षि एवं भूमि विकास, 10 प्रतिशत लघु एवं कुटीर उद्योग, 10 प्रतिशत परिवहन, 60 प्रतिशत सेवा क्षेत्र में लाभान्वित किया जाना है। जिले के प्राप्त लक्ष्य बैंक शाखावार विभाजन कर प्रेषित कर दिया गया है। लक्ष्य पूर्ति के लिए लक्ष्य से दुगुना प्रकरण तैयार कर इस योजना के अंतर्गत बेकरी कार्य, भोजन बनाना, चाट की दुकान, इंग्लिश कोचिंग क्लासेंस, स्वसहायता समूह का लेखा संधारण, हेयर कटिंग सेलून, ब्यूटी पार्लर, चाय केंटिग एवं मुर्गी पालन, फुटकर विक्रेता, मसाला उद्योग, .त्रिम आभूषण निर्माण एवं व्यवसाय, इलेक्ट्रानिक मोटर पंप मरम्मत, खनिज आधारित व्यवसाय, कम्प्यूटर हार्डवेयर मरम्मत, स्टील फ्रेब्रिकेशन, वर्मी कम्पोज खाद निर्माण, फाइल मेकिंग व्यवसाय आदि व्यवसाय को सम्मिलित किया गया है।

राष्ट्रीय आह्वान पर गांवों में किसानों ने किया प्रदर्शन

राजनांदगांव। अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति के आह्वान पर जिला किसान संघ ने सैकड़ों गांवों में प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय मांगों के साथ-साथ स्थानीय मांगों को भी उठाया गया, जिसमें धान खरीदी अंतर की राशि एकमुश्त देने, सभी किसानों का मक्का समर्थन मूल्य पर खरीदने, सहकारी बैंक का 2017 का एवं राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंक के सीसी धारकों का ऋण माफ करने एवं चना, गेहूँ नुकसान की क्षतिपूर्ति राशि कम से कम 25000 रूपये प्रति हेक्टर देने की मांग की गई। वहीं राष्ट्रीय मांगों में स्वीमानाथन कमीशन की सिफारिश अनुसार सी-2 लागत का डेढ़ गुणा समर्थन मूल्य

करने किसानों को बैंक एवं साहूकारी कर्ज से मुक्त करने, किसान सम्मान निधि कम से कम 18000 रूपये करने, आप्रवासी मजदूर को 5000 रूपये प्रवास राहत राशि देने, मनरेगा को खेती से जोड़ने, सभी ग्रामीण परिवारों को लाक डाउन के दौरान हुए रोजी रोटी और आजीविका के नुकसान की भरपाई के लिए प्रतिमाह 10,000 रूपये की आर्थिक सहायता प्रमुख मांगे है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने अपनी मांगों से संबंधित पोस्टर लेकर दूरी बनाकर नारेबाजी की जिन गांवों में 27 मई को प्रदर्शन नही हो पाया वहां 28 मई को प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन को सफल बनाने साधूराम धुर्वे, जगमोहन वर्मा, नारायण वर्मा, केशलाल मण्डावी छुईखदान ब्लाक, उमेश वर्मा, अजय साहू, खुलेश वर्मा खैरागढ़ ब्लाक, फागुराम साहू, मदन पटेल, मोती सिन्हा, मोरध्वज सिन्हा डोंगरगढ़ ब्लाक, बेलस राम, रामाधार साहू, लखन साहू, डोंगरगांव ब्लाक, द्रोणाचार्य मंडावी, तुलाराम उसारे, सूरजू टेकाम, कनक राणा मानपुर ब्लाक, कुंभलाल साहू, धनेश साहू, भुनेश्वर साहू, लखनलाल चेरिया, ओंकार सलामें चौकी ब्लाक, अर्जुन मंडावी, कुमार कोरेटी, लालसाय मोहला ब्लाक, नरेश पटेल, हरिशचन्द्र साहू, ईश्वरी नेताम, रमाकान्त बंजारे, रामकृष्ण साहू राजनांदगांव ब्लाक ने प्रमुख भूमिका निभाई।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400473

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अब्दुल समीम कुरैशी आ. अब्दुल वहीद निवासी सुभाष नगर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 261/18 रकबा 0.008 हें/ अर्थात 896 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 28.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400429

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती लुकेश्वरी पटेल पति श्री नुमेन्द्र पटेल निवासी पोटियाकला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम अंजोरा प.ह.न. 28 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 672/94 रकबा 0.011 हें/ अर्थात 1188 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400470

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक शत्रुहन पटेल आ. रामअवतार पटेल निवासी फोकटपारा दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 241/700 रकबा 0.015 हें/ अर्थात 1675 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 28.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400424

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती योगेश्वरी निर्मलकर पति श्री योगेश्वर निर्मलकर निवासी न्यू आदर्श नगर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम अंजोरा प.ह.न. 28 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 672/95 रकबा 0.011 हें/ अर्थात .. वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400278

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती महेश्वरी पति श्री विनोद कुमार निवासी रिसाली सेक्टर द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 723/7 रकबा 0.02 हें/ अर्थात 2012.5 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400430

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती सावित्री सिन्हा पति श्री पैलेश कुमार सिन्हा निवासी पोटियाकला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम अंजोरा प.ह.न. 28 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 672/97 रकबा 0.0100 हें/ अर्थात 1188 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 27.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400465

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री अनिकेत असाटी आ. श्री मनीष असाटी निवासी बोरसी दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम कोकड़ी प.ह.न. 44 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 788/2 रकबा 0.330 हें/ अर्थात 35.508 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 28.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202005100400469

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक जयश्री सिंह आ. कृष्णदेव सिंह निवासी सांई नगर उरला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.न. 08 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 29/8 रकबा 0.022 हें/ अर्थात 2400 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 28.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)**

30 प्रवासी मजदूरों को 14 दिन की क्वारंटाइन के बाद भेजा गया घर

लवन। ग्राम पंचायत गिंदोला के मजदूर पेशा ग्रामीण जो कमाने खाने अन्य राज्य महाराष्ट्र उत्तर प्रदेश तेलगाना गुजरात चेन्नई गए हुए है जो कोरोना वायरस संक्रमण के चलते की गई लॉक डाउन के कारण काम नहीं चलने पर काफी कठिनाइयों का सामना करते हुए गांव पहुंच रहे हैं। अब तक 98 प्रवासी मजदूरों के गांव पहुंचने के बाद शासकीय हाई स्कूल में 14 दिनों के लिए क्वॉरेंटाइन में रखा गया है। जिसमें से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से आए 30 मजदूरों को 28 मई दिन शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग और ग्राम पंचायत सरपंच घनाराम पटेल सचिव उत्तम कुमार साहू एवं पंचो की उपस्थिति में 14 दिन की क्वॉरेंटाइन के बाद 14 दिनों तक अपने घरों में होम आईसोलेशन में रहने का समझाइश देते हुए घर छोड़ा गया। इससे पहले भी 35 मजदूरों को 14 दिन की क्वॉरेंटाइन के बाद घर भेजा गया है।

बैसाखी पाकर खिल उठा घनश्याम

भाटापारा। चलने फिरने में आसक्त स्थानीय नेहरू वार्ड के घनश्याम चक्रधारी को जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता सत्यनारायण ठाकुर ने उसके घर जा कर उसे बैसाखी दी। जिला पँचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता सत्यनारायण ठाकुर के हाथो से बैसाखी पा कर घनश्याम के चेहरे पर रौनक देखते ही बनी,उसे यह अहसास ही नही हो रहा था की उनके घर आकर उनको यह बैसाखी दे देगा। वही श्रीमती सरिता ने बताया की उन्हें जब इस बात की जानकारी लगी तो उन्होंने बिना समय गवाएं घनश्याम से मिल कर उन्हें बैसाखी दी। उनके लिए यही सच्ची सेवा है जो मानवता के लिए काम आई तथा राजनीती में आने के पीछे का जो उनका मकसद था उस मकसद को आगे निरन्तर बढ़ाने के उन्हें प्रेरणा मिली और उन्हें उम्मीद है की वे अपने लक्ष्य को लेकर निरन्तर गरीब बेसहारा लोगो की सेवा करती रहेगी।इस अवसर पर पूर्व पार्षद चंद्रशेखर चक्रधारी गेंद राम वर्मा सुनील ठाकुर आदि उपस्थित थे।

राहुल गांधी का महाराष्ट्र को लेकर दिया गया बयान हास्यास्पद

भाटापारा। महाराष्ट्र की सरकार कांग्रेस के समर्थन से चल रही हो जिसके 11 मंत्री उस मंत्रिमंडल में शामिल हो और स्वास्थ्य मंत्रालय जिसके अधीन हो वहां कोरौना के मरीजों की संख्या बढ़ती तादाद पर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी का यह कहा जाना कि महाराष्ट्र में हमारी सरकार नहीं है वहां हमारी चलती नहीं है ऐसे बयान की कड़ी निंदा भाजपा के जिलाध्यक्ष डॉक्टर सनम जांगड़े उपाध्यक्ष आनंद अग्रवाल महामंत्री राकेश तिवारी मंडल अध्यक्ष मनेदर सिंह सोनी, ठाकुर संजय सिंह चौहान नरेश अग्रवालआदि ने की है। भाजपा नेताओ ने कहा कि जिस महाराष्ट्र के मुंबई में ही देश के 24त्न कोरोना के मरीज हो जहां हर 24 घंटे में एक मौत हो रही है वहा मरीज इलाज के लिये भटक रहे हो जहां के मजदूर अपने घर वापसी के लिए वाहनों के लिए भटक रहे हो वहां पर नागरिकों की मदद करना छोड़ कांग्रेस पार्टी भाग खड़ी हो रही है। भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का गांधी वाड्रा परिवार सत्ता की राजनीति कर रहा है एक तरफदेश के रेल मंत्री महाराष्ट्र के मजदूरों के लिए पूरी 145 ट्रेन महारास्ट्र को देने को तैयार थे परंतु वहां की सरकार मजदूरों की लिस्ट ही नहीं जमा कर पाई जिससे कि कई ट्रेनें खाली वापस चली गई।

62 श्रमिक स्पेशल गाड़ियों में 85 हजार मजदूरों को रेलवे ने दिया भोजन पैकेट

■ **अक्षय पात्रा संगठन सहित नामी कैटरर्स कर रहे है सहयोग**

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। रेलवे प्रशासन द्वारा लॉकडाउन के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे प्रवासी श्रमिकों को अपने गंतव्य स्थानों पर ले जाने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेने चलाई जा रही है। मानक प्रोटोकल के अनुसार इन फंसे हुए लोगों को भेजने वाली और उनकी अगवानी करने वाली संबंधित दोनों राज्यो सरकारों के अनुरोध पर ये विशेष रेलगाड़ियां एक जगह से दूसरी जगह के बीच चलाई जा रही है। साथ ही रेलवे प्रशासन द्वारा सफर के दौरान सभी श्रमिकों के लिए नाश्ता, भोजन तथा पीने के पानी उपलब्ध कराई जा रही है।

रायपुर मंडल से गुजरने वाली सभी श्रमिक स्पेशल गाड़ियों में वाणिज्य विभाग द्वारा आईआरसीटीसी के माध्यम से अक्षय पात्रा संगठन जो कि विश्व के सबसे बड़े भोजन कार्यक्रमों में का संचालन करता है। अक्षय पात्रा संगठन पोषक एवं स्वच्छ भोजन प्रदान करने के लिए उत्तम प्रबन्धन, के लिए जाना जाता हैं इसके अतिरिक्त रायपुर शहर के नामी बेहतरीन कैटरर्स के यहाँ से मंगाया हुआ नाश्ता, दोपहर का भोजन तथा रात के खाने की व्यवस्था कराई जा रही है तथा पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। दिनांक 05 मई से लगातार रायपुर मंडल से गुजरने वाली श्रमिक ट्रेनों में नाश्ता, भोजन तथा पीने के पानी की व्यवस्था कर रहा हैं। 05 मई से 26 मई तक रायपुर रेल मंडल के दुर्ग, रायपुर, भाटापारा स्टेशन से गुजरने वाली 62 गाड़ियों में लगभग 84,855 भोजन पैकेट एवं नाश्ता पैकेट की व्यवस्था कराई जा चुकी है।

इसी कड़ी में आगामी दिनों में रायपुर मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों में भी वाणिज्य विभाग व सुरक्षा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन कराते हुये सभी को भोजन सामग्री व बोतल बंद पानी उपलब्ध कराये जा रहा है।

चार राज्यों में 47 हजार 308 हेक्टेयर फसल चट करने के बाद छत्तीसगढ़ के करीब पहुंचा टिड्डी दल

■ **कीटनाशक दवाओं का पर्याप्त भंडारण के कड़े निर्देश**

नवप्रदेश संवाददाता

दो दल दो रास्ते

महाराष्ट्र के गोंदिया और नागपुर में सक्रिय टिड्डी दल ने हवाओं की गति यदि अपने अनुकूल पाई तो यह राजनांदगांव जिला मैं प्रवेश कर सकता है जबकि मध्य प्रदेश के कटनी बालाघाट की सीमा के आसमानी रास्ते से यह कबीरधाम जिले में प्रवेश कर सकता है। यहां भी इसे इस दूसरे रास्ते के माध्यम से छत्तीसगढ़ प्रवेश के लिए पूर्वी हवाओं की मदद की जरूरत पड़ेगी। जो इस समय सुबह दोपहर और शाम तीनों ही समय अपनी दिशा बदल रही है। बावजूद इसके विभाग अलर्ट पर है।

भाटापारा। राजस्थान के रास्ते महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश पहुंचा टिड्डी दल इस समय नागपुर गोंदिया और कटनी तथा वारासिवनी के आसमान पर मंडरा रहा है। हरियाली की खोज में पहुंचे इस खतरनाक टिड्डी दल की दस्तक छत्तीसगढ़ के एकदम करीब होती देखते हुए राज्य शासन ने सभी जिलों से कीटनाशक दवाओं की उपलब्धता की जानकारी मंगाई है। कृषि विभाग को दिए सलाह में कहा गया है कि कीटनाशक दवाओं की उपलब्धता को लेकर वे लगातार विक्रेताओं के साथ संपर्क बनाए रखें।

राज्य सरकार का कृषि मंत्रालय इस समय महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के आसमान में उड़ रहे टिड्डी दल की गतिविधियों और उनके आगे बढ़ने की दिशा का अध्ययन कर रहा है। मंत्रालय ने हवाओं की गति और इन टिड्डी दलों की सक्रियता वाले इलाकों और बढ़ने की दिशा पर ध्यान रखते हुए प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों से अपने-अपने जिलों की कीटनाशक दवाई बेचने वाली संस्थानों से संपर्क बनाए रखने का निर्देश दिया है। इसमें कहा गया है कि वे सलाह के मुताबिक जिन दवाओं को नियंत्रण के लिए प्रभावी माना गया है उसकी पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने में संस्थानों की मदद करें। मैदानी अमलों को भी सतर्क रहने का अलर्ट जारी किया गया है।

तीन दल तीन राज्य

राजस्थान से एक दल के रूप में निकल कर तबाही मचाने के बाद महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश पहुंचने के बाद यह दल तीन भागों में बंट गया है। पहला दल इस समय मध्य प्रदेश के कटनी वारासिवनी और बालाघाट के आसपास मंडरा रहा है। दूसरा दल महाराष्ट्र के अमरावती नागपुर और गोंदिया तक पहुंच चुका है। अमरावती में जहां इसने हरे भरे पेड़ों पर डेरा जमाया हुआ है तो नागपुर में संतरे की तैयार फसल पर भी इसकी नजर पड चुकी है। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर गाजीपुर के आसपास तीसरा दल पहुंच चुका है।

> जिले में रबी फसल की कटाई पूरी हो चुकी है। तैयारी खरीफकी है। इस लिहाज से चिंता इस बात की है कि यदि उन्होंने अपना ठिकाना यहां बना लिया तो खरीफकी तैयारियों को झटका लग सकता है। बचाव के लिए जरूरी गाइडलाइन के मुताबिक सभी प्रकार की दवाओं की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में है।
>
> **– बीपी चौबे,** उप संचालक कृषि बलोदा बाजार

भाटापारा स्टेशन में आई 3 ट्रेनों से 862 मजदूर उतरे

■ **बीती रात गुरुवार को भी जम्मू से आई ट्रेन**

भाटापारा। बुधवार को एक बार फिर भाटापारा रेलवे स्टेशन में 3 अलग अलग राज्यो से आई श्रमिक ट्रेनों में लगभग 862 मजदूर यहाँ उतरे।यहाँ उतरे श्रमिको को मेडिकल जाँच,और खाने पीने का सामान देकर उनके जिले और ब्लाक की बस में बैठा कर रवाना कर दिया गया।

बुधवार को सुबह सुबह कोयम्बटूर से कोरबा के लिए निकली ट्रेन में यहाँ 134 मजदूर उतरे। यहाँ उतरे सभी श्रमिक मजदूर इसी जिले के होने के कारण उनको उनके ब्लाक के क्वार टाईन सेंटर के लिए रवाना कर दिया गया।। दोपहर को अहमदाबाद से चाम्पा वाली श्रमिक स्पेशल ट्रैन से 219 मजदूर यहाँ पर उतरे और इन मजदूरों के कुछ ही मजदूर बेमेतरा जिले के थे बाकि सब इस जिले के थे। तीसरी ट्रेन सतारा महाराष्ट्र से आई ।इस ट्रैन में 509 यात्री यहाँ उतरे जिनमे से 290 के आसपास बेमेतरा जिला तथा बाकि इस जिले के मजदूर श्रमिक थे। बुधवार को एक ही दिन में 3 ट्रैन आने से कोरोना वारियर्स लोगो को व्यवहारिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है लेकिन उसके बावजूद भी सभी विभाग के डयूटी रत कर्मचारी अपनी सेवाएं में डेट रहते है जिसका सबसे बड़ा कारण एस डीएम महेश सिंह राजपूत है जो स्वयं यहाँ रहकर अपने अधीनस्थ कर्मचारीयो का हौसला अफ्जाई करते रहते है।

क्वारंटाईन में गर्भवती माताओं एवं बच्चों की करें विशेष देखभाल: कलेक्टर

कलेक्टर ने वीसी के जरिये ली अफसरों की बैठक

भाटापारा। कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने कहा है कि क्वारंटाईन का समय काट रहे गर्भवती माताओं एवं बच्चों के रहने के रहने के लिए अलग से व्यवस्था किया जाये, ताकि उनकी बेहतर तरीके से देभ-भाल किया जा सके। श्री जैन आज यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद पंचायतों के सीईओ की बैठक लेकर इस आशय के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जिले के सभी शहरी क्षेत्रों में अतिक्रमित भूमि का पट्टा देने के लिए अभियान चलाकर काम करने को कहा है। बताया गया कि जिले की नगरीय क्षेत्रों में आयोजित सर्वे में लगभग साढ़े 7 हजार अतिक्रामक चिन्हित किये गये हैं।

जिले में पद भार ग्रहण करने के बाद कलेक्टर श्री जैन आज एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद सीईओ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिये मुखातिब हुये। श्री जैन ने कहा कि कोरोना से निपटना फिलहाल जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी पूरी संजीदगी के साथ इस काम को अंजाम दें। उन्होंने क्वारंटाईन व्यवस्था की समीक्षा करते हुये कहा कि प्रचण्ड गर्मी से निपटने के लिए बिजली, पंखे, पानी भोजन की माकूल इंतजाम सभी क्वारंटाईन सेण्टर में होने चाहिये। जनपद पंचायतों के सीईओ को इसके लिये जिम्मेदारी दी गई है। यदि कहीं कोई कमी पाई गई तो वे जवाबदारी से नहीं बच सकते। उन्होंने कहा कि क्वारंटाईन काट रहे गर्भवती माताओं और बच्चों के विशेष देख-रेख की जरूरत है। लिहाजा उनके ठहरने के लिए क्वारंटाईन सेण्टर में पृथक व्यवस्था किया जाना चाहिये।

कार्यालय प्रमुख अभियंता
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	63837 (प्रथम आमंत्रण) 18.05.2020	जिला महासमुंद के अमरकोट पलसापाली मार्ग में खोलती नाला पर उच्चस्तरीय पुल मय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	332.87
2	64121 (प्रथम आमंत्रण) 18.05.2020	जिला रायगढ़ के तेन्दुमुड़ी से बेहरामुड़ा मार्ग के कुरकुट नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। सेतु संभाग रायगढ़	904.10
3	64017 (प्रथम आमंत्रण) 18.05.2020	जिला राजनांदगांव के अड़ाम से आसरा मार्ग स्थित नाला पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।	278.34
4	64022 (प्रथम आमंत्रण) 18.05.2020	जिला महासमुंद के झलप तेलीबांधा रामपुर मार्ग में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य । सेतु संभाग रायपुर	396.32
5	64059 (प्रथम आमंत्रण) 18.05.2020	जिला कोरबा के झोराघाट कोडियाघाट मार्ग में हसदेव नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। सेतु बिलासपुर	1846.10
6	64029 (प्रथम आमंत्रण) 18.05.2020	जिला रायगढ़ के छिच लंकापाली मार्ग पर लालडीपा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। सेतु संभाग रायगढ़	656.74
7	64021 (प्रथम आमंत्रण) 18.05.2020	जिला कोण्डागांव के लिहागांव बांसकोट मार्ग के कि.मी. 2/10 पर भंडरडिंग नदी पर उच्चस्तरीय सेत मय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। सेतु संभाग जगदलपुर	1002.34
8	64143 (प्रथम आमंत्रण) 19.05.2020	जिला दुर्ग के सगनीघाट- सिल्ली मार्ग के शिवनाथ नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1401.60
9	64072 (प्रथम आमंत्रण) 19.05.2020	जिला दुर्ग के अण्डा जंजगिरी पाउवारा मार्ग में पाउवारा नाला पर उच्चस्तरीय पुल मय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	269.56
10	64073 (प्रथम आमंत्रण) 19.05.2020	बड़काबहार से कैल्हारी मार्ग पर खटम्बर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य । सेतु संभाग अंबिकापुर	438.64
11	64150 (प्रथम आमंत्रण) 19.05.2020	जिला राजनांदगांव के कल्लूटोला से बरछाटोला मार्ग पर स्थित झूरा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	549.43
12	63681 (प्रथम आमंत्रण) 19.05.2020	जिला गरियाबंद के कौन्दकेरा से खेड़ीटिकरा मार्ग पर सती नाला में उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। सेतु संभाग रायपुर	542.52
13	63680 (प्रथम आमंत्रण) 19.05.2020	सुर्रा अमदण्डा मार्ग पर चनान नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। सेतु अंबिकापुर	505.33
14	64157 (प्रथम आमंत्रण) 19.05.2020	जिला बस्तर के चित्रकोट के बड़ेधारराउर से पारापुर मार्ग के कि.मी. 2/4 नानीबहार नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	393.30
15	64069 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	राजनांदगांव कवर्धा पोड़ी मार्ग के कि.मी. 3/4 पर गठुला नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	537.55
16	64071 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	जिला सरगुजा के लैंगा से पोतका मार्ग पर मरघटिया नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। सेतु संभाग अंबिकापुर	332.27
17	64070 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	जिला रायपुर के समोदा-कुसमुंद तुलसी मार्ग के पतालू नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	513.23
18	64171 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	जिला दुर्ग के अण्डा निकुम मार्ग में तान्दुल नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	728.55
19	64175 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	जिला दुर्ग के रवेलीडीह अरसनारा पथरिया डोमा मार्ग के शिवनाथ नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। सेतु संभाग राजनांदगांव	1174.57
20	64177 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	जिला दुर्ग के ग्रामीण विकासखंड अंतर्गत चंदखुरी थनौद मार्ग में शिवनाथ नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1449.49
21	64178 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	जिला दुर्ग के बोरेन्दा से सिलतरा मार्ग में खारून नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1241.96
22	64188 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	अंबिकापुर धंधापुर करसी मार्ग पर महान नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य। सेतु अंबिकापुर	808.09
23	64191 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	पथर्राटोला- सोनवानीटोला मार्ग पर पथर्राटोला नाला पर उच्चस्तरीय पुल मय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	269.92
24	64068 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	जिला रायगढ़ के बिजना से हमीरपुर मार्ग पर कोलडेगा नाला पर उच्चस्तरीय पुल मय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	433.80
25	64067 (प्रथम आमंत्रण) 20.05.2020	जिला राजनांदगांव के कलडबरी घुमका पटेवा मार्ग पर स्थित सोनबरसा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	445.99

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 12.06.2020 निविदाओं के लिए निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग,
नवा रायपुर अटल नगर,

जी-81072/6

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अलविदा... सपनों के सौदागर...

डिग्री पूरी की। कॉलेज के दिनों में जोगी अपने विभाग में छात्र संघ के अध्यक्ष भी चुने गए थे। अजीत जोगी ने सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, रायपुर (छत्तीसगढ़) में व्याख्याता (1967-68) के रूप में भी काम किया।

किताबें भी लिखींत्न एक राजनेता से अलग छवि बनाते हुए अजीत जोगी ने अपनी पहचान लेखक के तौर पर बनाते हुए 'द रोल ऑफ डिस्ट्रीक कलेक्टर और 'एडमिनिस्ट्रेशन ऑफर पेरीफेरल एरियाज' जैसी किताबें भी लिखीं। अजीत जोगी भोपाल के मौलाना आजाद कॉलेज में मैकनिकल इंजिनियरिंग में गोल्ड मेडेलिस्ट रह चुके है। साथ ही आईएएस के तौर पर इन्होंने 1981-85 तक इंदौर के जिला कलेक्टर के तौर पर अपनी सेवाएं दी है।

जब जोगी ने कहा...

लोकसभा चुनाव के दरम्यान एक बार फिर आउटलुक के लिए स्टोरी करने उनके क्षेत्र गया तो सराईपाली के रेस्ट हाउस में जोगी के साथ लगभग तीन घन्टे की मुलाकात रही। उस समय जोगी व्हील चेयर पर थे लेकिन जबरदस्त विल पॉवर उन्हें कभी आभास ही नहीं होने देता था कि वे व्हील चेयर पर हैं। उससे भी अजीबोगरीब वाकया मैंने तब देखा जब एक्सीडेन्ट के बाद जोगी जी दिल्ली में मेहरोली के एक अस्पताल में फिजियोथेरपी कर रहे थे। मै और कामरेड चितरंजन बख्शी उन्हें देखने उस अस्पताल पंहुच गए। जब हम मिले तो कामरेड बख्शी ने जोगी से कहा, आपके दोनों पांव खराब हो गए जोगी अब राजनीति कैसे करेंगे। लेकिन जोगी का जवाब सुनकर कामरेड अवाक रह गए। जोगी बोले थे कामरेड राजनीति पांव से थोड़ी होती है दिमाग से होती है वह ठीक हैं। क्यो यशवंत कहकर जोगी जी मुझसे हामी भी भरवा ली। यह वह दौर था जिससे पहले मैं आउटलुक में लगातार जोगी जी के खिलाफ लिख रहा था। लेकिन परोक्ष मुलाकातों में वे कभी इस बात का आभास ही नही होने देते थे कि वे मुझसे नाराज थे। 2012 में जब मैं नवप्रदेश को दैनिक के रूप में लांच करने से पहले उनके पास गया और मैंने नवप्रदेश की अवधारणा बताई तो काफी खुश हुए। उन्हें अखबार का यह नाम खूब पसन्द आया था उन्हें अफसोस था कि नवप्रदेश उनके मुख्यंमत्रीत्व काल में क्यों नहीं शुरू हुआ। लेकिन जोगी जी भी जानते थे कि उस समय आउटलुक के रूप में हम पर राष्ट्रीयता का भूत सवार था।

आत्मकथा छपवाना चाहते थे...

हो और वीसी शुक्ल जैसे कद्दावर नेता को न्यौता न जाए ये उपयुक्त नहीं, मैंने जोगी जी को बिना मांगे सलाह दी। वे चौंके, पूछा आपको कैसे पता चला कि उनको न्योता नहीं गया। जरूर गया होगा। मैंने कहा, नहीं गया मेरी शुक्ल जी से फोन पर बात हुई उनसे पूछा कि अमित की शादी में आप आ रहे हैं न... उन्होंने छूटते ही कहा, मुझे कार्ड किसने दिया? जोगी जी से इसे तुरंत करेक्ट करने को कहा। जोगी जी ने बात मानी। अगले दिन रेणु भाभी और अमित खुद कार्ड लेकर वीसी शुक्ल जी को सम्मान के साथ बुलाने गए। वो शादी में भी आये। अभी तबियत खराब होने और अस्पताल में भर्ती होने के पहले दो दिन तक बातें हुई। वे बेहद प्रसन्न थे। कुछ ही दिनों पहले कहा था मेरी उम्र चालीस के बाद ठहर गई है। मैं खुद के अंदर चालीस बरस सी ऊर्जा महसूस करता हूं। उनकी सालों सेवा करने वाले उनके कई निजी सुरक्षाकर्मियों में से एक ने फोन कर कहा, साहेब बात करेंगे। फिर उधर से खनकती हुई आवाज आई, और शिशिर भाई सब ठीक है दिल्ली में? मैंने अपनी बेहतरीन आत्मकथा पूरी कर ली है। उसमें वो सब कुछ है जो अब तक किसी को नहीं पता। रेणु को भी नहीं। अब आप ये सलाह दीजिये की किस पब्लिकेशन से छपवाया जाए? मैंने कहा, हिंदी और अंग्रेज़ी दोनो में पेंगुइन से छपवाया जायेगा। वो बोले वाह, बढ़िया सुझाव है। अभी प्रूफ रीडिंग चल रही है। उसके बाद सॉफ्ट कॉपी आपको भिजवाता हूं। आप भी देख लेना। मैंने कहा बिल्कुल, बहुत बधाई आपको। मैंने चुटकी भी ली, मगर रेणु भाभी ने जो आप पर पुस्तक लिखी है उससे कम बिक्री होने दूंगा। वो ठठाकर हंसे। बोले लॉकडाउन खुलता है तब दिल्ली आता हूं। मगर नियति को कुछ और मंजूर था। बार-बार मौत से जीत कर लौटे योद्धा इस बार हार गए। अस्पताल से वापिस न लौट सके। छत्तीसगढ़ के कण-कण में अजीत जोगी वर्षों तक अपने होने का अहसास कराएंगे। जमीन से जुड़े इस नेता को मेरा सलाम

चीन को भी मंजूर नहीं...

में ट्रंप के प्रस्ताव के बारे में पूछे जाने पर झाओ ने कहा, 'हम बातचीत और विचार-विमर्श के जरिए समस्याओं को उचित तरीके से सुलझाने में सक्षम हैं। हमें तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।'' इससे पहले भारत ने भी गुरुवार को कहा था कि पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध को सुलझाने के लिए वह चीन के साथ सैन्य और राजनयिक स्तर पर बात कर रहा है।

भारत ने क्या कहा :

भारत ने कहा है कि चीनी सेना लद्दाख और सिक्किम में एलएसी पर उसके सैनिकों की सामान्य गश्त में अवरोध पैदा कर रही है। भारत ने चीन की इस दलील को भी पूरी तरह खारिज कर दिया है कि भारतीय बलों द्वारा चीनी पक्ष की तरफअतिक्रमण से दोनों सेनाओं के बीच तनाव बढ़ा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की सभी गतिविधियां सीमा के इसी ओर संचालित की गई हैं और भारत ने सीमा प्रबंधन के संबंध में हमेशा बहुत जिम्मेदाराना रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत अपनी सम्प्रभुता और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

क्या था ट्रंप का प्रस्ताव : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच विवाद सुलझाने में मध्यस्थता करने की पेशकश की थी, जिसके बाद चीन की मीडिया में यह प्रतिक्रिया सामने आयी है। ट्रंप ने एक ट्वीट में कहा था, 'हमने भारत और चीन दोनों को सूचित किया है कि अमेरिका सीमा विवाद में मध्यस्थता करने के लिए तैयार, इच्छुक और सक्षम है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोण्डागांव जिला-कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)
Email ID: ee-res.kondagaon@nic.in, Fax & Ph.No. 07786-242243

// शुद्धि पत्र //

कार्यालयीन निविदा सूचना क्रमांक 04/एस.ए.सी./दिनांक 21.05.2020 जी. नंबर 80979 द्वारा आमंत्रित निविदा में अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार आंशिक संशोधन किया जाता है।

क्र.	पूर्व की स्थिति में	संशोधन की स्थिति में
1	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 27.05.2020	पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के द्वारा निविदा प्रपत्र करने की अंतिम तिथि दिनांक 30.05.2020 कार्यालयीन समयावधि तक
2	निविदा खोलने की तिथि 28.05.2020 सुबह समय 11.30 बजे	निविदा खोलने की तिथि 01.06.2020 सुबह समय 11.30 बजे

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगा।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव

जी-81115/4

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

सारा ने शेयर किया भारत दर्शन का वीडियो

मुंबई, (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने सोशल मीडिया पर भारत दर्शन का वीडियो शेयर किया है। सारा अली खान ने लॉकडाउन के बीच अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ऐसा वीडियो शेयर किया है,जिसे देखने के बाद लग रहा है जैसे वह लॉकडाउन के पहले के दिनों को काफी मिस कर रही हैं। इस वीडियो में सारा बिहार से लेकर उत्तराखंड, राजस्थान, आंध्रप्रदेश, उत्तर प्रदेश तक की सैर करती दिख रही है जहां वह इन राज्यों के लोकल मार्केट, मंदिर और टूरिस्ट प्लेस में घूमती दिख रही हैं। सारा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में सारा अली खान राजस्थान में ऊंट की सवारी करती नजर आईं तो वहीं बिहार में घास ढोती दिखीं। वहीं मां अमृता सिंह के सात तेलंगाना के मार्केट और वाराणसी में लोकल मार्केट के लुत्फउठाती दिखीं।वीडियो शेयर करते हुए सारा अली खान ने कैप्शन में लिखा,फ़नमस्ते दर्शकों, लॉकडाउन एडिशन. एपिसोड 1: भारत 'स्टेट' ऑफमाइंड।

टीवी पर नया शो हाउस ऑफभाईजान ला रहे हैं सलमान खान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान टीवी पर नया शो 'हाउस ऑफ भाईजान' ला रहे हैं। लॉकडाउन के चलते सलमान खान पनवेल स्थित अपने फार्महाउस पर समय बिता रहे हैं। फॉर्महाउस पर रहते हुए सलमान खान ने फैंस के लिए म्यूजिक वीडियो रिलीज किए हैं। अब चर्चा है कि सलमान खान जल्द ही एक शो भी शुरू करने वाले हैं।इस शो में क्वारंटीन में रहते हुए सलमान खान की जिंदगी से फैंस को परिचित कराया जाएगा। इस शो का नाम 'हाउस ऑफभाईजान' होगा। यह शो कलर्स पर प्रसारित किया जाएगा।

कहा जा रहा है कि शो के जरिए सलमान खान के फैंस फार्महाउस पर उनकी जिंदगी से वाकिफहो सकेंगे। इस शो की होस्टिंग एक्ट्रेस वलूशा डिसूजा करेंगी। एसके टीवी और बानिजे एशिया इसे प्रोड्यूस करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि फार्महाउस पर मौजूद स्टाफभी सलमान खान के इस शो का हिस्सा रहेंगे।

गौरतलब है कि फार्महाउस में रहते हुए ही सलमान ने अपने तीन गाने 'करोना प्यार', 'तेरे बिना' और 'भाई भाई' बनाकर रिलीज किए हैं। फार्महाउस पर सलमान के साथ उनकी बहन अर्पिता खान शर्मा, जैकलीन फर्नांडिस, वलूशा डिसूजा और खास दोस्त यूलिया वंतूर सहित कई लोग हैं।

रजनीकांत से तुलना नहीं चाहते हैं सोनू सूद

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत से तुलना नहीं करना चाहते हैं।

कोरोना वायरस लॉकडाउन के समय सोनू सूद गरीब और मजबूरों के लिए मसीहा बनकर सामने आए हैं। सोनू सूद लगातार प्रवासी मजदूरों को उनके घर तक पहुंचा रहे हैं। सोनू सूद से मदद के लिए जो भी मैसेज या ट्वीट कर रहा है सोनू उसका जवाब दे रहे हैं और उनकी हर संभव मदद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लगातार सोनू सूद के लिए मैसेज आ रहे हैं। इसी बीच एक फैन ने सोनू सूद के शानदार काम को देखते हुए उनकी तुलना रजनीकांत से कर दी है। सोनू सूद के लिए एक फीमेल फैन ने ट्विटर पर लिखा, 'क्या सोनू सूद फिल्म इंडस्ट्री के अगले रजनीकांत बनने जा रहे हैं।' इस पर सोनू सूद ने कहा, 'मैं हमेशा ही एक कॉमन मैन बनकर रहना चाहता हूं।' इसके अलावा सोनू सूद को बिहार के छपरा के प्रवासी मजदूरों से रेत पर उनका स्टैचू बनाकर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने सोनू की स्टैचू के साथ लिखा सल्यूट रियल हीरो। इस पर सोनू सूद ने रीट्वीट करते हुए उनके इस सम्मान का आभार व्याक्त किया।

गर्भवती महिला ने बच्चे का नाम रखा सोनू सूद

मुंबई, (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने हाल ही में एक गर्भवती महिला को बिहार के दरभंगा पहुंचाने में मदद की थी। महिला ने अपने बच्चे का नाम सोनू सूद रखा है। सोनू सूद प्रवासी मजदरों को न सिर्फघर पहुंचा रहे बल्कि रास्ते में उनके खाने-पीने की व्यवस्था भी कर रहे हैं। उनकी बस लोगों को उनके दरवाजे तक छोड़कर आती है। इतना ही नहीं लोगों के पहुंचने के बाद भी सोनू उनके हालचाल ले रहे हैं। सोनू सूद ने जिस अंदाज में हर किसी की मदद की है उसे देख उनकी तारीफहो रही है। एक यूजर ने सोशल मीडिया पर एक महिला की कहानी साझा की है। बताया गया है कि महिला को मुंबई से दरभंगा जाना था। वो महिला उस समय गर्भवती थी। अब ऐसी परिस्थिति में सोनू सूद ने आगे आकर उस महिला की मदद की। सोनू की पहल के चलते वो महिला मुंबई से दरभंगा पहुंच गई। अब उस महिला ने अपने बच्चे का नाम ही सोनू सूद रख दिया है। यूजर ने ट्वीट कर सोनू सूद की तारीफकी और कहा , फ़काम बोलता है, और उस काम की इज्जत होती है, बाद में उस इज्जत को नाम दिया जाता है। सोनू सूद ने खुद ट्विटर पर यूजर का शुक्रिया अदा किया और इसे अपना सबसे बड़ा अवॉर्ड बताया। सोनू सूद ने लिखा, मेरा सबसे बड़ा अवार्ड।

जून में होगा आईपीएल के भविष्य का फैसला

नई दिल्ली (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल अक्टूबर-नवम्बर में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के भविष्य का फैसला 10 जून तक टाल दिया है जिसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण को लेकर अब कोई भी फैसला जून में ही किया जाएगा।

विश्व कप को लेकर इस बात की भी अटकलें चल रही थीं कि कोरोना वायरस के कारण टूर्नामेंट को 2022 तक स्थगित किया जा सकता है। लेकिन आईसीसी बोर्ड की गुरूवार को टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिये हुई बैठक में फैसला किया गया कि विश्व कप के भविष्य के बारे में 10 जून तक फैसला किया जाएगा जब बोर्ड की अगली बैठक होगी। भारत में मीडिया में ऐसी खबरें थीं कि इस वर्ष होने टी-20 विश्व कप को वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस के कारण वर्ष 2022 तक स्थगित किया जा सकता है। लेकिन अब यह जून में तय होगा कि विश्व कप का आयोजन होगा या इसे स्थगित किया जाएगा। आईपीएल का भविष्य विश्व कप के भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है और जून में विश्व कप को लेकर जो भी फैसला लिया जाएगा वह आईपीएल के भविष्य को तय करेगा।

विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में 18 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक खेला जाना है। इस बात की भी अटकलें हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया में विश्व कप स्थगित होता है तो उस समय आईपीएल के 13वें संस्करण को आयोजित करने का रास्ता खुल सकता है। आईपीएल को कोरोना के कारण अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया है जबकि यह 29 मार्च से शुरू होना था। ऑस्ट्रेलिया के 2020-21 सत्र के लिए अपना कार्यक्रम घोषित करने के बाद से आईपीएल के 13वें सत्र के आयोजन को लेकर मुश्किलें भी बढ़ गयी हैं। आईपीएल के लिए सितम्बर से नवम्बर तक की विंडो की बात की जा रही है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के अपने घरेलू सत्र का कार्यक्रम घोषित किये जाने से आईपीएल के सामने तारीखों का संकट बढ़ गया है। ऑस्ट्रेलिया ने जो कार्यक्रम घोषित किया है उसके अनुसार भारत को इस दौरे में 11, 14 और 17 अक्टूबर को तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

फुटबॉल दिल्ली लांच करेगा कैपिटल कप

नई दिल्ली (वार्ता)। फुटबॉल दिल्ली ने राजधानी की फुटबॉल का गौरव लौटाने के लिए कैपिटल कप लांच करने का फैसला किया है। फुटबॉल दिल्ली की कार्यकारी समिति की गुरूवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया कि कैपिटल कप को लांच किया जाए जिससे राजधानी की फुटबॉल में डूरंड कप और डीसीएम टूर्नामेंट के समय का फुटबॉल माहौल लौटाया जा सके।

फुटबॉल दिल्ली इस अखिल भारतीय टूर्नामेंट को आयोजित करने के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को पत्र लिखेगा कि वह उसे इस टूर्नामेंट के लिए विंडो प्रदान करे। फुटबॉल दिल्ली के अध्यक्ष शाजी प्रभाकरन ने बताया कि इस टूर्नामेंट में आईएसएल/आई लीग की चार-चार टीमों को आमंत्रित किया जाएगा, साथ ही स्थानीय क्लबों को प्रोत्साहन देने के लिए दिल्ली के चार क्लब भी इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। प्रभाकरन ने बताया कि फुटबॉल दिल्ली कैपिटल कप को लांच करने के लिए केंद्रीय खेल मंत्रालय,भारतीय खेल प्राधिकरण और राज्य सरकार से बात करेगी ताकि इसका आयोजन बड़े स्तर पर किया जा सकेगा और राजधानी की फुटबाल में यह नियमित आकर्षण बन सके।

कार्यकारी समिति ने यह भी फैसला किया कि फुटबॉल समुदाय और हितधारकों को जोड़ने के लिए डिजिटल हब लांच किया जाए। डिजिटल हब में विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्म जैसे लाइव टीवी, डिजिटल अभियान, ई-स्पोर्ट्स, ई-लर्निंग और वेब सीरीज शामिल होंगे।

ओलम्पिक के लिए अक्टूबर अंतिम निर्णय लेने का सही समय नहीं: मुतो

टोक्यो (वार्ता)। टोक्यो 2020 ओलंपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशिरो मुतो ने गुरुवार को कहा कि अगले वर्ष ओलंपिक खेलों के आयोजन को लेकर अंतिम निर्णय लेने के लिये अक्टूबर सही समय नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के समन्वय आयोग के अध्यक्ष जॉन कोट्स ने पिछले सप्ताह एक ऑस्ट्रेलियाई समाचार पत्र को कहा था कि ओलंपिंक के आयोजन को लेकर अक्टूबर का महीना महत्वपूर्ण होगा कि इन खेलों का आयोजन हो सकता है या नहीं। मुतो ने पत्रकारों से ऑनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि कोट्स ने ऐसी खबरों का खंडन किया है। मुतो ने कहा, ÷हमने कोट्स से सीधे यह सवाल किया था और उन्होंने खेलों के आयोजन को लेकर 'हां' या 'ना' नहीं कहा था। उन्होंने अक्टूबर में ओलम्पिक के बारे में अंतिम फैसला लेने का कोई जिक्र नहीं किया था। मुतो ने कहा, उन्होंने कहा कि हम इस पर विचार जारी रखेंगे और शरद त्रतु में इसकी समीक्षा करेंगे। उस वक्त तक धनराशि से लेकर काफी चीजें स्पष्ट हो जाएंगी जिनपर अभी हम चर्चा कर रहे हैं।

कोरोना में जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं पावर लिफ्टर गौरव

नई दिल्ली (वार्ता)। देशव्यापी लॉकडाउन में लोगों की पीड़ा देखकर व्यथित हुए वर्ल्ड चैंपियन पावरलिफ्टर गौरव शर्मा राजधानी में हजारों जरूरतमंदों को खाना खिला रहे हैं।

32 वर्षीय पावरलिफ्टर ने इस काम को करने के दौरान स्वच्छता का भी बखूबी ध्यान रखा है। उन्होंने कहा, ÷अभी बहुत परेशान करने वाली घड़ी है। लॉकडाउन के कारण कई लोगों को नुकसान उठाना पड़ा है। मुझे पता है कि इस समय लॉकडाउन की जरूरत है, लेकिन इसके साथ ही अनेक जिंदगियां प्रभावित हुई हैं। गौरव ने कहा, ÷मैं गरीब लोगों की मदद करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा हूं। छोटे बच्चों को भोजन के लिए रोते देखना निराशाजनक है। मैंने अन्य लोगों को भी उनकी मदद करने के लिए कहा है। मैंने उन्हें फेस मॉस्क, शील्ड्स और गल्वस बांटे हैं।

10 जून तक टाला विश्व कप का फैसला

दुबई (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल अक्टूबर-नवम्बर में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के भविष्य का फैसला 10 जून तक टाल दिया है। इस बात की भी अटकलें चल रही थीं कि कोरोना वायरस के कारण टूर्नामेंट को 2022 तक स्थगित किया जा सकता है। विश्व कप के भविष्य के बारे में 10 जून तक फैसला किया जाएगा जब बोर्ड की अगली बैठक होगी।

डिप्लोमा पात्रता और प्रवेश मानदंड के लिए कृपाशंकर ने दिए सुझाव

इंदौर (वार्ता)। अर्जुन अवार्डी पहलवान कृपाशंकर ने सरकार को खेल कोचिंग में डिप्लोमा पात्रता और प्रवेश मानदंड के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भेजे हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट पटियाला ने एक परिपत्र जारी कर देश के खिलाड़ियों से खेल कोचिंग में डिप्लोमा के लिए पात्रता, पाठ्यक्रम और प्रवेश मानदंड में बदलाव के लिए सुझाव मांगे थे जिस पर इंदौर के अर्जुन अवार्डी कुश्ती कोच और पहलवान कृपाशंकर बिश्नोई ने साई को तीन मुख्य और पांच अतिरिक्त सुझाव दिए हैं। साई ने बुधवार को कहा था कि 46 जाने-माने खिलाड़ियों को पटियाला के राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) के प्रतिष्ठित डिप्लोमा कोचिंग कोर्स में सीधे प्रवेश मिलेगा। नयी दाखिला नीति के तहत सीटों की संख्या में इजाफा किया गया है जबकि परीक्षा की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इस नीति को एनआईएस की शैक्षिक परिषद

ने स्वीकृति दी है और संबंधित हितधारकों से इस पर प्रतिक्रिया और सुझाव मांगे है।

गौरतलब है कि साई के अनुसार प्रस्ताव दिया गया है कि ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और एशिया/राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने वाले या स्वर्ण पदक जीतने वाले जाने-माने खिलाड़ियों को इस पाठ्यक्रम में अब सीधे प्रवेश दिया जाएगा। उन्हें लिखित परीक्षा या साक्षात्कार नहीं देना होगा। इनके लिए पात्रता नियमों में भी बदलाव करते हुए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता को अब 10वीं तक कर दिया गया है। एनआईएस की अधिसूचना के अनुसार कोचिंग डिग्री के लिए न्यूनतम आयु पहले के 23 साल की तुलना में अब 21 साल होगी।

स्पोर्ट्स कोचिंग सत्र 2020-21 के एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स के प्रवेश मानदंड और पात्रता के लिए इंदौर के अर्जुन अवार्डी कुश्ती कोच कृपाशंकर बिश्नोई ने साई को सुझाव भेजे हैं। कृपाशंकर ने तीन मुख्य और पांच अतिरिक्त सुझाव दिए हैं।

मुख्य सुझाव:

कई खिलाड़ी बिना किसी डिप्लोमा के सर्टिफिक्रेट कोर्स के आधार पर कोचिंग देते हैं और उनकी कोचिंग के माध्यम से खिलाड़ी राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतते हैं। ऐसे कोचों को भी उनके कोचिंग अनुभव के आधार पर प्रवेश मानदंड में अंक दिए जाने चाहिए।

जिन खिलाड़ियों पर डोपिंग के कारण प्रतिबंध लगाया गया है और उनका प्रतिबंध अभी तक समाप्त नहीं हुआ है, ऐसे खिलाड़ियों को कोचिंग डिप्लोमा जैसे प्रसिद्ध पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। जिन खिलाड़ियों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उन्हें ऐसे प्रसिद्ध पाठ्यक्रम में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

मेरे पास नैतिक आयोग नियुक्त करने या भंग करने का अधिकार: बत्रा

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र ध्रुव बत्रा और महासचिव राजीव मेहता के बीच घमासान अब अधिकारों की जंग में बदलता जा रहा है। बत्रा ने आईओए के नैतिक आयोग को भंग कर दिया था जबकि मेहता ने आईओए के नैतिक आयोग को भंग करने के बत्रा के फैसले को 'अवैध' ही ठहरा दिया था और उसे बहाल कर दिया था। लेकिन बत्रा ने अपने नए पत्र में दावा किया है कि आईओए का संविधान उन्हें किसी समिति या आयोग का गठन करने या भंग करने का अधिकार देता है तथा इसके लिए कार्यकारी परिषद या आम सभा की मंजूरी की जरूरत होती है। बत्रा ने 19 मई को नैतिक आयोग को भंग किया था जबकि मेहता ने मंगलवार को बत्रा के फैसले को अवैध ठहराकर बदल दिया था। मेहता का कहना था कि आयोग के चार साल के कार्यकाल को 2018 में आम सभा में मंजूर किया गया था जिस पर बत्रा के हस्ताक्षर थे और आईओए अध्यक्ष इसे दो साल बाद ही भंग नहीं कर सकते हैं।

फर्जी नियुक्ति को निरस्त करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

■ **क्षेत्रीय विधायक को पत्र लिखकर जल्द कारवाई करने की मांग**

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा। विकासखंड आरंग के ग्राम पंचायत संकरी(को) के सहकारी समिति प.क्र. 949 में बिना किसी को जानकारी दिये ,बिना विज्ञापन चस्पा किये गोपनीय तरीके से समिति संचालको ,सहकारिता विस्तार अधिकारी आरंग एवं शाखा प्रबंधन के द्वारा एक चौकीदार और दो सेल्समैन गोपनीय तरीके से नियुक्ति कर दी गयी थी जिसका समय मे जानकरी प्राप्त होने पर ग्राम के सरपंच एवं गाँव के प्रमुखों समेत समिति संचालक मंडल के ऊपर प्रश्न खड़े किए , ग्राम पंचायत संकरी के सरपंच ने मामला को अपने संज्ञान में लेते हुए सभी बैंक कर्मियों से पूछताछ की ।

सरपँच श्री साहू ने कहा कि गोपनीय तरीके से बिना जानकारी किसी को नियुक्ति कर देना न्याय संगत नही है , और यह समिति के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के हजार बेरोजगार युवा साथियों के साथ अन्याय है , उन्होंने यह भी कहा कि अगर भर्ती की प्रक्रिया करने ही थी तो विज्ञापन चस्पा कर उसे सार्वजनिक करना चाहिए।

गोपनीय तरीक़े से नियुक्ति किये जाने पर ग्रामीणों में रोष दिखाई दे रहा है जिसके ऊपर जल्द उचित कारवाई व नियुक्ति को रद्द करने की मांग के लिये ग्राम पंचायत सरपँच ने गांव के प्रमुखों के साथ प्राथमिक सहकारी समिति सकरी, को ज्ञापन सौंपा।

इसमें प्रमुख सहयोग ग्राम पंचायत चोरभटठी, पिरदा, कोरासी, तुलसी चकवे के सरपंच जनपद प्रतिनिधि शेखर साहु, हरीश साहु चोरभट्ठी, नंद कुमार साहु समाज सचिव, भुपेंद्र साहु उपसरपंच, बसंतबंजारे, इंद्रकुमार साहु, बाबुलाल यादव, रोशन साहु, युवा बेरोजगार साथी सुनील साहु, टुकेश्वर देवांगन, अर्जुन देवागंन,। समेत और भी लोग मौजूद थे।

■ न्यूज गैलरी

नौतपा शुरू होते ही सड़कें हुई वीरान

खरोरा। 25 मई से नौतपा शुरू हो गया है । पहले दिन है नौतपा ने जमकर कहर बरपाया और खरोरा क्षेत्र में पारा 44 डिग्री पहुंच गया । गांव की गलियां हो या नगर की सड़कें सभी वीरान थे सुबह 8:00 बजे से गर्म हवा देर शाम तक चलती रही । गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया इस वर्ष मई माह में अधिकांश बारिश और खराब मौसम होने से क्षेत्र में गर्मी नहीं बढ़ी थी लेकिन पिछले दो दिनों से तापमान दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है ।दोपहर होने के साथ ही तेज धूप का सामना लोगों को करना पड़ा है । शाम ढलने तक बना रहता है सुबह 11:00 बजे के बाद नगर प्रमुख मार्गों गलियों में सन्नाटा देखने को मिल रहा है। तेज गर्मी से बचने के लिए आ रहे हैं शीतल पेय का सहारा ले रहे है । तेज गर्मी का असर यह है कि लोग घर पर दि रा कूलर पंखा चलाने मजबूर हो रहे हैं लेकिन लो वोल्टेज, बिजली बंद के कारण कूलर और पंखे भी साथ नहीं दे रहे हैं। तेज गर्मी का असर सबसे ज्यादा छोटे बच्चों और बुजुर्गो पर पड़ रहा है।

ठगी का एक और आरोपी पकड़ा गया

15 दिन में रकम दुगुनी करने का झांसा देकर ठगे 48 लाख रू

खरोरा। नगर के बस्तीपारा निवासी पोषण देवांगन पिता राजू देवांगन को48लाख के धोखाधड़ी के आरोप मे फरारी काट रहेआरोपी को पुलिस ने पकडा आरोपी के अपने साथीयों के साथ मिल फर्जी कम्पनी बना 48लाख की ठगी अलग अलग लोगो से की थी ,इसी मामले मे पकड़े गये दो अन्य आरोपियों को पिछले दिनो पुलिस ने जेल भेजा वही फरारी काट रहे अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

ज्यादा पैसे कमाने कि लालज मे आकर जहाँ युवाओं की टीम ने द फ्यूचर कम्पनी बनाया और 15दिन मे रकम दुगना करने की लालज देकर 48लाख कोरोना महामारी के बीच अलग अलग लोगो से जमा करवाया , लालज मे आकर लोगो ने पैसा फर्जी कम्पनी मे लगाया जब दो गुना रकम नही मिलने से पुलिस मे सिकायत की और जांच मे दोषियों के खिलाफपुलिस सख्त कार्यवाही करते आरोपी के धडपकड़ मे जुठ गयी जहाँ पिछले दिनो कमलनारायण देवागंन ग्राम धिवरा व श्रवण साहू ग्राम धिवरा को आई पी सी420,34, 406भा.द.वि सहित अन्य धाराओं के तहत जेल भेजा गया वही इसी मामले मे फरार आरोपियों कि तलाश पुलिस कर रही है जहाँ खरोरा मे जिसके घर मे इस ठगी को अन्जाम देने वाले आरोपी पोषण देवागंन को पुलिस ने पकड जेल भेजा पुलिस ने आरोपी के घर से जरूरी दस्तवेज, बरामद किये।

भारत स्काउट गाइड द्वारा जरूरतमंद लोगों को मास्क का वितरण

खरोरा। 26 मई को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त श्री विनोद सेवनलाल चंद्राकर जी एवं राज्य सचिव श्री कैलाश सोनी के स्काउटिंग भावना व मानवीय संवेदनाओं के भाव को पूरा छत्तीसगढ़ स्काउट्स एवं गाइड्स पूरे जी जान से करने में लगे हुए है उसी तारतम्य में स्वामी आत्मानंद ओपन स्काउट दल के स्काउट मास्टर श्री मनोज कुमार वर्मा जी के साथ दल के सभी स्काउट इस विश्वयापी कोरोना महामारी के बीच अपने अपने घरों में प्रति स्काउट 20 -20 नग मास्क सील कर मास्क बैंक के माध्यम से जरूरत मन्त व्यक्तियों को मास्क वितरण किया जा रहा है एवं साथ ही साथ राज मुख्यालय के मास्क बैंक में 100 मास्क राज्य सचिव श्री कैलाश सोनी जी एवं राज्य संगठन आयुक्त गाइड ड्रा करुणा मसीह जी के हाथों में सौपा गया इस कार्य मे दल नायक नमन साहू, स्काउट गौरव श्रीवास्तव, उमेश साहू,आंकुश उपाध्याय,प्रियांशू वर्मा एवं अन्य स्काउट द्वारा मास्क बैंक के माध्यम से जन चेतना फैलाया जा रहा है।

अंतराष्ट्रीय धुम्रपान निषेध दिवस 31 को

बेमेतरा/साजा। धुम्रपान से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति समाज में चेतना विकसित करने हेतु प्रतिवर्ष 31 मई को अंतराष्ट्रीय निषेध दिवस का आयोजन किया जाता है। जिससे जन सामान्य में धुम्रपान एवं तम्बाखू सेवन करने के प्रवृत्ति की रोकथाम हो सके। प्रदेश के समाज कल्याण संचालनालय नवा रायपुर द्वारा कलेक्टरों को परिपत्र भेजकर तम्बाखू सेवन के दुष्प्रभाव की जानकारी देने की अपील की गई है। जारी पत्र में कहा गया है कि तम्बाकू या तम्बाकू युक्त निर्मित विभिन्न उत्पादों के सेवन से सभी वर्गो में गम्भीर व्याधियां होती है जो सभी के लिए चिंता का विषय है। इस प्रवृत्ति के विरूद्व व्यापक जन चेतना विकसित करने आपके अधिनस्थ समस्त विभागों जन सामान्य, समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों, स्वैच्छित संस्थाओं, एनजीओ, प्रतिष्ठित नागरिकों, जन प्रतिनिधियों आदि के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित कर नशा पान के दुष्परिणामों को प्रचारित करने की अपील की गई है।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना, किसान भूपेन्द्र पाण्डेय को पहली किश्त में मिला 3236 रूपए

बेमेतरा/साजा। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत् बेमेतरा जिले के ग्राम कन्तेली के किसान भूपेन्द्र पाण्डेय को पहली किश्त की राशि 3 हजार 236 रूपए मिलने पर वह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार जताया। भूपेन्द्र ने बताया कि वह वर्ष 2019-20 में सेवा सहकारी समिति डूण्डा के अंतर्गत धान उपार्जन केन्द्र कन्तेली में 18 क्विंटल धान बेचा था। उन्होंने बताया कि अब राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत् 32 हजार 670 रूपये की सहायता राशि चार किश्तों में मिलेगी। जिसमें से प्रथम किश्त की राशि 3 हजार 236 रूपए उनके बैंक खाते में आ गया है। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत प्राप्त सहायता राशि आने वाले खरीफसीजन में खेती-किसानी की तैयारी करने में मददगार होगी। उक्त सहायता राशि से बेहतर तरीके से खेती-किसानी करेगी। खाद, बीज आदि की व्यवस्था करने में आसानी होगी।

उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन ने किसानों की समस्याओं को समझा और लॉकडाउन की इस कठिन परिस्थिति में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत आर्थिक मदद दी। उन्होने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानो की समस्यांओं को समझा और राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत लॉकडाउन के कठिन दौर से गुजर रहे किसानो के खातों मे धान उपार्जन की राशि अंतरित की गई जिससे उनको अर्थिक रुप से मदद् मिली है। भूपेन्द्र पाण्डेय ने सहायता राशि की प्रथम किश्त प्राप्त होने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का धन्यवाद ज्ञापित किया।

गरीब जनता के लिए मरी हुई सरकार को जगाने का प्रयास: साहू

देवभोग। प्रदेश हाईकमान के निर्देशानुसार गरियाबंद जिला अध्यक्ष के अलावा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने फेसबुक सोशल मीडिया पर लाइव आकर केंद्र की भाजपा सरकार की जमकर खिंचाई करते हुए जनता के हित में लेकर 2 सौ दिन मजदूरी देने के साथ कई तरह की मांग रखा इस बीच जिला अध्यक्ष भाव सिंह साहू ने दूरभाष के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि मध्यम वर्गीय निम्न वर्गी और मजदूरों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए मरी हुई सरकार को जगाने का प्रयास ताकि इस कोविड 19 विभीषिका अपदा से जुझ रहे। लोगो को प्राथमिकता के आधार पर राहत मिल सकें। क्योंकि इस महामारी में करोड़ों लोग अपनी नौकरी से हाथ धो बैठे हैं। तो वही कई करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। और आर्थिक तंगी के चलते जरूरतमंद लोग अपने अपने परिवार को चलाने में असमर्थ भी दिखाई पड़ रहे हैं। बावजूद इसके केंद्र सरकार उनको राहत पहुंचाने की जगह 20 लाख करोड़ देने की बात कहकर धारावाहिक चलाई गई। लेकिन हकीकत में अभी भी उन करोड़ों लोगों तक कोई राहत नहीं पहुंचा है जबकि गरीब मजदूर मध्यमवर्ग के लोग केंद्र सरकार की ओर मुंह तांके बैठे हैं। इसलिए कांग्रेस पार्टी की पदाधिकारी से लेकर गांव के कार्यकर्ता ने मोदी सरकार से मांग किया है। कि वह जरूरतमंद लोगों के खाते में सीधा 10 हजार रूपये डालें ताकि लोग स्वाभिमान के साथ जीवन गुजार सके इसके अलावा मनरेगा में दिए जा रहे 150 दिवस के कार्य को बढ़ाकर तत्काल दूसरा दिन किया जाए। और न्याय योजना को पूरे देश में लागू करते हुए किसानों को 6-6 हजार दिया जाए जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति बढ़ने के साथ-साथ खेती किसानी को भी अच्छी खासी बढ़ावा मिलेगा साहू ने यह भी कहा कि मोदी सरकार इस विषम परिस्थिति में राजनीति से परे हटकर मानवता को ध्यान में रखते हुए फैसला करें क्योंकि आज की स्थिति में लोग काफी खराब हालात से गुजर रहे हैं। इसलिए छत्तीसगढ़ राज्य की तर्ज पर और भी राज्य में राहत पहुंचाने का काम किया जाए ऐसे अन्य मांग को लेकर जिला अध्यक्ष भाव सिंह साहू सहित कार्यकर्ताओं ने लाइव आकर अपना अपना वक्तव्य दीया सबसे ज्यादा रोचक सोशल मीडिया में ब्लॉक के युवा सक्रिय कार्यकर्ता नवीन सेन छाए रहे क्योंकि नवीन के लूंगी और टावेल पहन कर लाइव आने का तरीका सबसे अलग नजर आया पार्टी का गमछा और लूंगी को हाथ छाप के निशान से रंग रोगन कर पहने हुए मोदी सरकार से मांग किया।

अजीत जोगी के निधन की खबर के बाद क्षेत्र में शोक की लहर

देवभोग। अजीत जोगी के निधन की खबर के बाद क्षेत्र सहित पूरे जिले में गमगीन माहौल देखने को मिल रहा है। लोगों को अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि इस क्षेत्र के लोगों को अपने परिवार की तरह प्यार दुलार देने वाले जमीनी नेता सबके बीच नहीं रहे ।क्योंकि इससे पहले भी जोगी कई बार मौत को पछाडेते हुए वापस लौटे रहे लेकिन 19 दिन जिंदगी की जंग में इस बार जोगी हार गए। अजीत जोगी का इस क्षेत्र से काफी लगाव होना बताया जाता है। वह लगातार किसान मजदूर और अपने कार्यकर्ताओं से चर्चा करते थे शायद यही वजह है। कि जोगी को क्षेत्र के लोगों के साथ आत्मीय संबंध बना रहा बकायदा जोगी के साथ समय बिताएं करीबियों की मानें तो अजीत जोगी प्रथम मुख्यमंत्री बनने के बाद देवभोग मैं विकास के लिए कई योगदान दिए हैं। जोगी डबरी से लेकर पुलिया तक जोगी के नाम से जाना जाता है ।यही कारण है कि महासमुंद लोकसभा चुनाव का विपरीत परिणाम आने के बाद भी जोगी का लगाव क्षेत्र की लोगों के प्रति रत्ती भर भी कम नहीं हुआ ।छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री बनने के सफल से आज तक करीबी माने जाने वाले वेणु डोंगरे ने कहा कि राजनीति इतिहास का आज वह पन्ना खत्म हो गया जिसका कभी भरपाई नहीं किया जा सकता ब्लॉक के लोगों दिन रात बिना समय देखें सागौन बांग्ला अपनी समस्या और परेशानी को लेकर पहुंच जाते रहे ।जिनको कभी भी निराश होकर लौटना नहीं पड़ा यही वजह है कि आज भी अजीत प्रमोद जोगी क्षेत्र लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगे।

शौर्य प्रताप को यंग ताइक्कांडो प्लेयर के लिए खेल वृत्ति प्रदान किया गया

महासमुंद। मास्टर शौर्य प्रताप को खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा यंग ताइक्कांडो प्लेयर के लिए खेल वृत्ति प्रदान किया गया है। शौर्य प्रताप केंद्रीय विद्यालय महासमुंद में अध्ययनरत है और बहुत कम उम्र में खेल वृति प्राप्त होना शौर्य के ताइक्कांडो में गहरी रूचि को दर्शाता है। इसके लिए शौर्य के शिक्षक पिता नील माधव सिंह व माता श्रीमती मंजूषा ने खेल विभाग एवं प्रशिक्षक भीषम सर का आभार व्यक्त किया है। शौर्य के शौर्य को केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार चंद्राकर ,प्रधानाचार्य श्रीमती संजुलिका जेम्स व स्टॉफ के साथ साथ संवेदना संस्था के जितेंद्र कुमार चंद्राकर,ओम प्रकाश व मुकेश चंद्राकर ने सराहना करते हुए बधाई प्रेषित की है।

प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा पुलिस को दिया गया सैनिटाइजर दस्ताने

खरोरा। कोरोना वायरस (covid-19) के संक्रमण से बचाव और रोकथाम के उपायों के तहत चल रहे लॉक डाउन के दौरान सुरक्षित होने हेतु इंजीनियरिंग के ख्याति प्राप्त प्रोफेसरों द्वारा संचालित खरोरा रायपुर स्थित प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाई टेक) द्वारा सैनिटाइजर, दस्ताने, हैंडवॉश, चावल दाल और संस्था द्वारा हाथ से बनाए गए मास्क को पुलिस कर्मी,सफाई कर्मचारी, मजदूर,एवं जरूरतमंदो को वितरित किए जा रहे हैं। जिससे इन सभी लोगो को बड़ी राहत मिली है। पाई टेक परिवार ने इस कार्य को पूरी संवेदनशीलता के साथ किया। जरूरतमंदो को राहत देने की दिशा में यह संस्था सहयोग कर रही है। कोरॉना वायरस से बचाव को लेकर इस संस्था ने लोगों से सोशल डिस्टेनसिंग बनाने एवं कोरोना के चलते बेवजह घर से ना निकलने की अपील की और यह भी बताया कि कोरोना से बचाव के लिए घर से बाहर निकलते समय नाक मुंह पर मास्क का प्रयोग करें तथा हाथों को अच्छे से सैनिटाइज़ करें।

जिले के भीतर व जिले से बाहर आवागमन के लिए आनलाइन ई-पास की सुविधा

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिव अनंत तायल ने आज एक आदेश जारी कर जिले के भीतर व जिले से बाहर आवागमन के लिए आनलाइन ई-पास की सुविधा के संबंध मे दिशा निर्देश जारी किये हैं। कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी नियंत्रण को दृष्टिगत रखते हुए परिवहन मुख्यालय से पूर्व मे जारी दिशा निर्देशों के अंतर्गत सभी सार्वजनिक परिवहन सेवाओं/साधनों के संचालन को स्थगित रखा गया था। जिसे वर्तमान मे परिवहन आयुक्त, छत्तीसगढ़ नवा रायपुर के परिपालन मे आम जनता की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए बेमेतरा जिले के भीतर व अंतर जिला (एक जिले से दूसरा जिले) मे आवागमन के लिए टैक्सी/आटो/ई-रिक्शा का परिचालन जिले के भीतर टैक्सी/आटो/ई-रिक्शा का परिचालन नियमानुसार हो सकेगा, अंतर जिला टैक्सी/आटो/ई-रिक्शा परिचालन एवं आवागमन हेतु आनलाइन ई-पास प्राप्त करना अनिवार्य रहेगा। सीजी कोविड-19 ई-पास एप्लीकेशन के माध्यम से यात्रीगण नियमानुसार ई-पास हेतु आवेदन कर सकते हैं। वेबलिंक http://epass.cgcovid19.in के माध्यम से भी मोबाईल नम्बर से रजिस्टर कर अंतर जिला आवागमन के लिए ई-पास हेतु आवेदन किया जा सकता है। आनलाइन ई-पास के बिना अंतर जिला टैक्सी/आटो/ई-रिक्शा परिचालन की अनुमति नही होगी। बिना अनुमति परिचालन की दशा मे कार्यवाही किया जावेगा। टैक्सी/आटो/ई-रिक्शा में यात्रा के दौरान अनिवार्य रुप से मास्क का उपयोग करना होगा, स्वच्छता एवं सोशल-फिजिकल डिस्टेंसिंग, तथा कोरोना नियंत्रण हेतु जारी अन्य एडवाईजरी का कड़ाई से पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

कलेक्टर ने ली बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन की बैठक

बेमेतरा/साजा। जिले में बाढ़ आपदा प्रबंधन के तहत् आज यहां गुरुवार को कलेक्टोरेट सभा कक्ष में कलेक्टर शिव अनंत तायल की अध्यक्षता में बाढ़ आपदा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बाढ़ आपदा प्रबंधन के सम्बध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कलेक्टर ने बाढ़ के समय बचत एवं राहत कार्यों को करने आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने बाढ आपदा प्रबंधन के सम्बध में अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन अधिकारियों की ड्यूटी जिस काम के लिए लगाई जावेगी वे बाढ प्रबंधन के सम्बध में सभी जरूरी तथ्यों को समझ लें तथा सौपें गये दायित्वों का भली भांति निर्वहन करेंगें।

कलेक्टर श्री तायल ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जिले के शिवनाथ नदी के किनारे अमोरा घाट, नांदघाट, करमसेन, टोहड़ी, सिमगा के निकटवर्ती ग्राम खम्हरिया, चेटुवा, नदी के किनारें वाले गांवों में अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोगों को बाढ़ से बचाव और प्रबंधन के बारे में जानकारी दी जाये। वर्षाऋ्तु के दौरान अत्याधिक वर्षा होने पर सिंचाई विभाग के अधिकारी नियमित रूप से जानकारी से अपडेट होकर जानकारी देते रहेंगें, इसके लिए उन्हें राजनांदगांव एवं दुर्ग जिला प्रशासन से संपर्क में रहना होगा। बाढ आने पर लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने एवं आवश्यक सामग्री की व्यवस्था के सम्बध में गांव वालों से पहले से ही बातचीत कर लें।

पारिश्रमिक | **कार्यस्थल पर बीसी सखी एवं डीजी-पेय के रूप में पहुंचा बैंक**

जिले में मनरेगा मजदूरों को मिली बड़ी राहत

बेमेतरा/साजा । मैदानी जिला बेमेतरा में अब मनरेगा मजदूरों को मजदूरी राशि अपने खाते से निकालने हेतु बैंको में लम्बी लाइन लगाने से मिली बड़ी राहत। जिले में चार विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम रजकुड़ी, भांड, हरदास, गनियारी, सांकरा, महुआभाठा में मनरेगा अंतर्गत कार्य कर रहे मजदूरों को कार्यस्थल पर ही बीसी सखी एवं डीजी-पेय सखी के द्वारा बैंकिंग सुविधा प्रदान करते हुए मजदूरी राशि मजदूरों के खाते से नगद भुगतान की गई। इस पर मनरेगा मजदूरों द्वारा खुशी जाहिर करते हुए कहा गया कि पहले उन्हें अपने ग्राम से दूर बैंक जाना पड़ता था, तथा बैंको से राशि आहरण करने के लिए उन्हें घण्टों लम्बी-लम्बी लाइनों में खड़ा होना पड़ता था। वर्तमान में मनरेगा में सुविधाजनक रूप से कार्यस्थल पर मनरेगा मजदूरी भुगतान से हम सभी अत्यंत खुश है। इससे हमारे समय की बचत, बैंक में अनावश्यक भीड़, एवं बैंक आने जाने में लगने वाली लागत से बचत हो रही है। गौरतलब है कि जिला कलेक्टर शिव अनंत तायल के निर्देशानुसार जिले में लॉकडाउन के दौरान विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को नगद राशि उपलब्ध कराने हेतु बीसी सखी एवं डीजी-पेय सखी को निर्देशित किया गया है।

डीजीपेय सखी को किया गया सम्मानित

जिले में छ.ग.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बीसी सखी एवं डीजी-पेय सखी के रूप में कार्य कर रही श्रीमती मोतिम साहू को लॉकडाउन के दौर में जन-जन तक घर पहुच बैंकिग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिला कलेक्टर श्री शिव अनंत तायल द्वारा टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। लॉकडाउन दौर में श्रीमती मोतिम साहू द्वारा कुल 175000 रू. की राशि ग्रामों में पेंशन, मनरेगा मजदूरी, हितग्राही मूलक योजनाओं की राशि एवं अन्य राशियों का आवश्यकतानुसार नगद भुगतान किया गया है।

जिले में बीसी सखी एवं डीजी-पेय सखी द्वारा 2 माह में किया गया 64 लाख का भुगतान

जिले में घर पहुंच बैंकिंग सुविधा की अवधारणा को चरितार्थ करते हुए 15 बीसी सखी एवं 17 डीजी-पेय महिलाओं नें लॉकडाउन के दौरान बैंकों में अनावश्यक भीड़ को रोकने तथा घर पहुँच बैंकिग सुविधा प्रदान करते हुए जिले में पेंशन भुगतान, मनरेगा मजदूरी भुगतान, राशि निकासी एवं जमा, बैंक खाता खोलने, एवं अन्य योजनाओं के तहत हितग्राहियों के खाते मे सीधे अन्तरित होने वाली राशियों का नगद भुगतान हितग्राहियों को उनके आवश्यकतानुसार किया जा रहा है। जिससे लॉकडाउन के इस दौर में लोगों को गांवो से बैंक पहुँचने मे हो रही दिक्कतों से राहत मिल रही है।

कलेक्टर ने क्वारेंटाइन सेन्टर के संबंध मे बैठक लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

बेमेतरा/साजा। कलेक्टर शिव अनंत तायल ने जिले के सभी विभागों के अधिकारियों से कहा है कि वे अपने विभागीय कार्य जिम्मेदारी एवं संजीदगी से करें। कलेक्टर ने अनुविभागीय दण्डधिकारियों को किसानों की सुविधा के लिए धान-बीज और खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजस्व अधिकारियों को नामांतरण, बंटवारा, डायवर्सन और सीमांकन के प्रकरणों का निपटारा शीघ्र करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधीश ने आज गुरुवार को बैठक लेकर सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुख्य नगरपालिका अधिकारियों, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि क्वारेंटाइन सेन्टरों मे प्रवासी श्रमिको के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधायें मुहैया करायें। श्री तायल ने जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि सभी क्वारेंटाइन सेन्टरों मे पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायको की ड्यूटी लगायें।

आरबीआई ने कई बैंकों पर लगाया करोड़ों का जुर्माना

नई दिल्ली ए.। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने भारत को-ऑपरेटिव बैंक पर 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि भारत को-ऑपरेटिव बैंक ने आय मान्यता, संपत्ति वर्गीकरण और फ्रॉड के मामले को लेकर जो नियम हैं, उसका पालन नहीं किया है। यह जुर्माना इनकम रिकॉग्निशन ऐंड असेट क्लासिफिकेशन नॉर्म्स ऐंड फ्रॉड मामले में दिशा निर्देशों का पालन नहीं करने पर लगाया गया है।

सिटी बैंक पर चार करोड़

इसके अलावा आरबीआई ने सिटी बैंक पर भी चार करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना कर्जधारकों द्वारा क्रेडिट फसिलटी मामले में सर्टिफिकेट पाने से जुड़ा है। आरबीआई ने कहा कि सिटी बैंक ने क्रेडिट सुविधा लेने वाले ग्राहकों से डिक्लेरेशन न प्राप्त करने, नॉन फंड फसिलटी की सुविधा का पालन नहीं करने की वजह से यह जुर्माना लगाया गया है।

कई बैंकों पर लगा जुर्माना

केंद्रीय बैंक ने अलग-अलग मामलों में नियमों की अनदेखी के कारण बैंक ऑफइंडिया पर 5 करोड़, कर्नाटका बैंक पर 1.2 करोड़, सारस्वत को-ऑपरेटिव बैंक पर 30 लाख, TJSB सहकारी बैंक पर 45 लाख और नगर अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर 40 लाख का जुर्माना लगाया है।

एचडीएफसी पर 1 करोड़ का जुर्माना

इससे पहले 29 जनवरी को आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक पर एक करोड़ का जुर्माना KYC नियमों को लेकर लगाया था।

न्यूज गैलरी

अमेज़न ने केडीपी पेन टू पब्लिश 2019 कॉन्टेस्ट के विजेताओं की घोषणा की

नई दिल्ली (वार्ता)। बहुराष्ट्रीय कंपनी अमेज़न ने शुक्रवार को किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग (केडीपी) पेन टू पब्लिश 2019 कॉन्टेस्ट के विजेताओं की घोषणा की। अमेजन ने यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि कंपनी तीन वर्ष से यह प्रतियोगिता का आयोजित कर रही है। लेखकों के असाधारण काम को पहचान देने के लिये इसे शुरू किया गया था। यह कॉन्?टेस?ट हिन्दी, अंग्रेजी और तमिल भाषाओं में लॉन्?ग फॉर्मेट और शॉर्ट-फॉर्मेट कैटेगरीज में विभिन्न विधाओं के लेखकों की साहित्यिक उत्कृष्टता को पहचान देता है। हिन्दी, अंग्रेजी और तमिल भाषाओं में विजेताओं को 10 हजार लेकर पांच लाख रुपये तक का नगद पुरस्कार दिया जाता है। शॉर्ट-फॉर्मेट लेखन में हिन्दी के लिए मानसी दधीच माहुर, अंग्रेजी के लिए विजय ककवानी और तमिल के लिए जी. लेनिन को पुरस्कृत किया गया है।

जेम्स यांग जीडब्ल्यूएम इंडिया के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली (वार्ता)। यात्री वाहन विशेषकर एसयूवी बनाने वाली कंपनी जीडब्ल्यूएम ने अपनी भारतीय इकाई के लिए जेम्स यांग को अध्यक्ष और श्री पारकर शी को प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि दिल्ली ऑटो एक्सपो के माध्यम से भारतीय बाजार में प्रवेश करने की योजनाओं का खुलासा किये जाने के बाद वह इस देश में प्रवेश को लेकर उत्सुक है। इसी को ध्यान में रखते हुये दो वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। श्री यांग को शोध एवं विकास, परियोजना एवं विपणन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम करने अनुभव है और वह भारत में शोध एवं विकास, संयंत्र एवं औद्योगिक परिचालन पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करेंगे और पूरे जीडब्ल्यूएम इंडिया प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेंगे।

इंफीनिक्स का हॉट 9 और हॉट 9 प्रो स्मार्टफोन लांच

नई दिल्ली (वार्ता)। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी इंफीनिक्स ने आज भारतीय बाजार में अपना नया क्वाड कैमरा स्मार्टफोन हॉट 9 और हॉट 9 प्रो लॉंच करने की घोषणा की जिसकी कीमत क्रमशः 8499 रुपये और 9499 रुपये है। इंफीनिक्स इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनीश कपूर ने यहां इस स्मार्टफोन को लॉंच करते हुये कहा कि मीडिया टेक हेलियो पी 22 प्रोसेसर और एंड्रायड 10 ऑरेटिंग सिस्टम आधारित इन दोनों स्मार्टफोन में 5000 एमएएच की बैटरी है। इसका स्क्रीन 6.6 इंच का है और इनमें चार जीबी रॉम और 64 जीबी रैम है जिसे 256 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस स्मार्टफोन में कैमरे पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन दोनो स्मार्टफोन में क्वाड रियर कैमरा है। हॉट 9 में 13 एमपी, दो एमपी , दो एमपी और कम रोशनी में फोटो लेने में मदद करने वाला कैमरा है।

मजदूरों की घर वापसी से आर्थिक गतिविधियों होंगी प्रभावितः सूत्र

■ **मजदूरों के घर लौटने से अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना प्रभावित हो सकता है।**

नई दिल्ली (वार्ता)। सरकार के उच्च पदस्थ सूत्र का मानना है कि कोरोना वायरस के अर्थव्यवस्था पर पड़े विपरीत प्रभावों से उबारने के लिए करीब 21 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज की घोषणा किये जाने के बावजूद लॉकडाउन से उत्पन्न विषम परिस्थितियों के कारण मजदूरों के अपने घर लौटने से आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। इस सूत्र ने शुक्रवार को यहां कहा कि कोरोना वायरस जैसी विषम परिस्थितियों में हर किसी के अपने परिवार के साथ रहना मानव की प्राकृतिक भावना के अनुरूप है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रम मंत्रालय के साथ इस पर चर्चा की जा रही है। श्रम मंत्रालय को लॉकडाउन के नौकरी जाने और वेतन आदि में कटौती किये जाने के आंकड़े जुटाने के लिए कहा गया है। हालांकि उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के बीच कुछ क्षेत्रों में दिये गये राहत और आर्थिक गतिविधियां शुरू होने से अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने की उम्मीद बनी है। उन्होंने कहा कि जहां जहां विनिर्माण आदि गतिविधियां शुरू हुयी हैं वहां संयंत्रों के अपनी क्षमता के 20 से 35 फीसदी तक काम करने की रिपोर्ट मिल रही है।

उन्होंने कहा कि कंपनियों ने अब स्थानीय स्तर पर कामगारों की भर्ती प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इसके लिए कई तरह के प्रोत्साहन भी दिये जा रहे हैं जिसमें तीन समय का भोजन आदि भी शामिल है। सूत्र ने कहा कि आवश्यक या गैर आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी में बढोतरी करना जीएसटी परिषद पर निर्भर करता है लेकिन लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए हर क्षेत्र में मांग बढ़ाने की जरूरत होगी। उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद की अगले महीने बैठक होने वाली है और उम्मीद की जा रही है कि राजस्व में बढोतरी के लिये गैर आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी में बढोतरी की जा सकती है।

गरीब और किसानों को राहत पहुंचाने के विकल्प खुले हैं: सूत्र

कोरोना वायरस संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए शुरू किये गये लॉकडाउन के कारण बुरी तरह प्रभावित गरीब और किसानों को राहत पहुंचाने के लिए सरकार के पास सभी विकल्प खुले हैं।

गरीब और किसानों को तत्काल नकदी सहायता दिये जाने की विपक्षी राजनीतिक दलों की मांग के बीच सरकार के उच्च पदस्थ सूत्र ने शुक्रवार को कहा कि करीब 21 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज दिये जाने के बावजूद सरकार के पास सभी विकल्प खुले हुये हैं।

सूत्र ने कहा कि गरीब , किसान, वृद्ध, दिव्यांग आदि को लॉकडाउन के दौरान मदद के लिए लॉकडाउन शुरू होते ही 1.70 लाख करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना की शुरूआत की गयी थी और इसके तहत महिला जनधन खाताधारकों को तीन महीने तक 500-500 रुपये देने की घोषणा की गयी थी और दो महीने की राशि दी जा चुकी है। इसके साथ ही उज्जवला योजना के तहत रसोई गैस सिलेंडरधारकों को भी तीन महीने तक मुफ्त में सिलेंडर दिये जा रहे हैं। इसके साथ ही किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत दो दो हजार रुपये की किश्त दी जा चुकी है। सूत्र ने कहा कि वित्त मंत्री इस पर स्वयं निगरानी कर रही हैं और सुबह तथा शाम में इस संबंध में जानकारी ले रहीं हैं।

सूत्र ने कहा कि आर्थिक गतिविधियों को पटरी पर लाने के उद्देश्य से करीब 21 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज की घोषणा की गयी है जिसमें हर क्षेत्र को कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है।

शुरूआती गिरावट से उबरे बढ़त में शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)। वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों के बीच घरेलू स्तर तेल एवं गैस, हेल्थकेयर और एफएमसीजी जैसे समूहों में हुयी लिवाली के बल पर शेयर बाजार शुक्रवार को शुरूआती गिरावट से उबरते हुये बढ़त बनाने में सफल रहा। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स 223.51 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 90.20 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 223.51 अंक बढ़कर 32424.10 अंक पर और एनएसई का निफ्टी 90.20 अंक चढ़कर 9580.30 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में अधिक लिवाली हुयी जिससे शेयर बाजार में गिरावट से उबरने में मदद मिली। बीएसई का मिडकैप 1.90 प्रतिशत बढ़कर 11843.2 अंक पर और स्मॉलकैप 1.14 प्रतिशत उठकर 10692.60 अंक पर रहा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग
// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //
(अल्पकालिन निविदा)

ज्ञाप क्रमांक-4330/व.ले.लि./लेखा खण्ड/2020-21 दुर्ग, दिनांक 26/05/2020

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 10/06/2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 12/06/2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 17/06/2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 18/06/2020 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (रु.लाख में)
1	2	3
07 T0034	उपसंभाग क्र. 1 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पोताई का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00
07 T0035	उपसंभाग क्र. 1 दुर्ग के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00
07 T0036	Deatailed estimate for Landscaping & Miscellaneous work at Hon. Camp Oficce, Padum Nagar Bhilai-3 Distt. Durg (प्रथम आमंत्रण)	5.00

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोट :- 1. "It is mandatory for the C & D Class bidders, to submit the list of ongoing work/works in hand in the Annexure-A (enclosed). If the value of ongiong work/works in hand is more than 2.5 times the capacity as specified for C&D class bidders, the bidder will be disqualified."

2. अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविाद संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग

जी-81067/4

महामारी का असर | लॉकडाउन के दौरान उत्पादन शुल्क में हो सकता है इजाफा

पेट्रोल डीजल कर में बढोतरी, ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ नहीं

सरकार के उच्च पदस्थ सूत्र ने शुक्रवार को कहा कि लॉकडाउन के दौरान उत्पाद शुल्क में बढोतरी किये जाने के बावजूद पेट्रोल , डीजल और केरोसिन के उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला गया है और इस दौरान कीमतों में बढोतरी नहीं हुयी है।

नई दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में हुयी गिरावट का लाभ उपभोक्ताओं को दिये जाने के बारे में पूछे जाने पर सूत्र ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान पेट्रोल डीजल की कीमतों में बढोतरी नहीं हुयी है। हालांकि सूत्र ने माना कि कुछ राज्यों ने वैट आदि में बढोतरी की है जिससे संबंधित राज्यों में बढोतरी हुयी होगी लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में बढोतरी किये जाने से इसकी कीमतों में कोई बढोतरी नहीं हुयी है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के वैश्विक स्तर पर विशेषकर विकसित और विकासशील देशों में तेजी से फैलने के कारण किये गये लॉकडाउन से तेल की मांग में भारी कमी आयी जिससे इसकी कीमतों में वैश्विक स्तर पर भारी गिरावट देखी गयी थी। अमेरिका में तेल की कीमतें ऋणात्मक हो गयी थी। इसी दौरान घरेलू स्तर पर भी तेल की कीमतों में भारी कमी किये जाने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन सरकार ने उत्पाद शुल्क में बढोतरी कर कीमतों को यथावत बनाये रखा। कुछ राज्यों ने कोरोना से निपटने के लिए धनराशि जुटाने के उद्देश्य से वैट में बढोतरी की है जिससे वहां इसकी कीमतों में बढोतरी हुयी है। शुक्रवार को वैश्विक स्तर पर भी कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव देखा गया। अमेरिकी क्रुड की कीमत पिछले दिवस की तुलना में 3 फीसदी गिरकर 32.70 डॉलर प्रति बैरल पर और ब्रेंट क्रुड 2.04 प्रतिशत फिसलकर 34.57 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एक ही पंप से सभी ईंधन की बिक्री पर विचार : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। डीजल की होम डिलीवरी के बाद अब सरकार पेट्रोल और सीएनजी की भी होम डिलिवरी पर विचार कर रही है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए के लिए सरकार ऐसा करना चाहती है। शुक्रवार को पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार एक नए रिटेलिंग मॉडल लाने पर भी विचार कर रही है जिससे सभी तरह के ईंधन जैसे पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, एलएनजी और एलपीजी एक ही स्थान पर मिल जाए। देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने 2018 में मोबाइल डिस्पेंसर के जरिए डीजल की होम डिलिवरी शुरू की थी। यह सुविधा अभी कुछ ही शहरों में उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, परियोजना मण्डल क्र.-02 कांकेर, ठा. पुष्कर सिंह मार्ग, संजय नगर, कांकेर जिला- उत्तर बस्तर कांकेर
फोन नं. 07868-223480 ई-मेल sejdp2@gmail.com

क्रमांक/1233/तक1731/मुमंग्रागौपयो/छगग्रासविअ/2020 कांकेर, दिनांक 27/05/2020

संक्षिप्त मैनुअल निविदा सूचना

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत स्वीकृत निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण द्वारा दिनांक 22.02.2018 से लागू दर अनुसूची पर द्वितीय बार मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

(राशि लाख में एवं लंबाई मीटर में)

क्र.	जिला का नाम	जनपद पंचायत नाम का	ग्राम का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	कार्य का नाम	लंबाई (मी.में)	अनुमानित लागत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	नारायणपुर	नारायणपुर	खैराभाठ	खड़कागांव	'' सी.सी. सड़क सह नाली निर्माण आश्रित ग्राम खैराभाट के स्कूलपारा से बंधवापारा तक''	400.00	38.02

उपरोक्त निर्माण कार्यों तक निविदा संबंधी शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में इस कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा हेतु निर्धारित समय- सारणी निम्नानुसार है :-

1. निविदा प्रपत्र विक्रय करने की निर्धारित तिथि : दिनांक 01.06.2020, प्रातः 10.30 बजे से दिनांक 08.06.2020 संध्या 05.30 बजे तक
2. पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट से निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : दिनांक 11.06.2020 संध्या 05.30 बजे तक

(मुकेश संतोषी)
अधीक्षण अभियंता
छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण,
परियोजना मण्डल क्र.-02 कांकेर, जिला- उ.ब. कांकेर

संवाद-25506/1

आज का भविष्यफल

मेषः मेष राशि के जातक कार्यक्षेत्र में बहुत से पुराने रुके हुए काम में जान डालने का प्रयास करेंगे और सफल भी होंगे। धन प्राप्ति में मित्रों और बड़े भाइयों का सहयोग मिलेगा।

वृषभः वृष राशि के जातकों का सारा ध्यान कार्य क्षमता को बढ़ाने की तरफ रहेगा। विदेश से भी कुछ अच्छी सूचना आने के योग हैं। शुरुआती मुश्किलों के बाद धन प्राप्ति की भी संभावनाएं अच्छी हैं।

मिथुनः मिथुन राशि के लोग आज एक अनजाने भय से ग्रसित रहेंगे। आप के उपयोग के लिए पूर्ण मात्रा में धन होने के बावजूद भी धन को लेकर चिंता बनी रहेगी।

कर्कः कर्क राशि के जातकों को कोई भी फैसला करते वक्त आज अपने सबकॉन्शियस माइंड की बात पर जरूर ध्यान देना है। कार्यक्षेत्र में जोखिम लेकर कोई काम ना करें। प्रॉपर्टी से किराए के रूप में या किसी पुराने निवेश से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

सिंहः सिंह राशि के जातकों को आज बड़ी मात्रा में धन प्राप्ति की संभावना है। जो भी काम करेंगे उसमें सफल रहेंगे।

कन्याः कन्या राशि के जातकों के लिए आज बहुत ही उत्तम दिन है। सभी काम आसानी से पूरे होंगे, दुश्मनों का नाश होगा बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होने के योग हैं।

तुलाः तुला राशि के जातकों के सभी काम छोटी-मोटी परेशानियों के बाद आसानी से पूरे होंगे। मित्रों वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। सरकारी मदद मिलने के पूरे चांस हैं। सेहत का ध्यान रखना भी आज जरूरी रहेगा।

वृश्चिकः वृश्चिक राशि के जातकों को स्वार्थी होने से बचना चाहिए। बड़ी सफलता के लिए दूसरों का सहयोग बहुत जरूरी है। आपकी कटु वाणी कार्यक्षेत्र में आपके रिश्ते खराब कर सकती है। आपका जोश और आत्मविश्वास उच्च का रहेगा।

धनुः धनु राशि के जातक के लिए बहुत अच्छा दिन है सही प्लानिंग और मैनेजमेंट का प्रयोग करके प्रॉडक्शन बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। उच्च अधिकारियों की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

मकरः मकर राशि के जातक अपने सहयोगियों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने में कामयाब रहेंगे। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा।

कुंभः इस राशि के जातकों को आज दूसरों को क्रिटिसाइज करने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आप बहुत आक्रमक रूप से काम करेंगे। जिसकी वजह से दूसरे भी अपने काम को जल्दी खत्म करने का प्रयास करेंगे। धन प्राप्ति की संभावनाएं अच्छी बनी हुई है। खर्चे नियंत्रण में रहेंगे।

मीनः मीन राशि के जातकों की अति संवेदनशीलता उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती हैं। आज सोच को सकारात्मक रखेंगे तो अच्छा रहेगा।

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-5, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
email ID: eocghbzone5@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा कालोनी खिलौरा, रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत भवन क्र. एलआईजी-194, श्रीमती जसुमति गोहिल पति श्री डी.के. गोहिल के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दि. 08.11.2011 को लीजडीड पंजीकृत करा लिया गया है। आबंटी श्रीमती जसुमति गोहिल पति श्री डी.के. गोहिल पता- बुढ़ापारा, 9/277, श्री राम संगीत स्कूल के पास, रायपुर (छ.ग.) द्वारा दिनांक 22.03.2018 को हस्तांतरण विलेख (फ्री होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को क्रेता (1) श्रीमती दिलेसरी बाई साहू पति स्व. सोनूराम साहू (2) श्री सुरेश कुमार साहू पिता स्व. श्री सोनूराम साहू पता- बिट्ठल बिला, सुमेरू मठ मंदिर के पास, सेक्टर-03 प्रोफेसर कालोनी रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 16.12.2019 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता (1) श्रीमती दिलेसरीबाई साहू पति स्व. श्री सोनूराम साहू (2) श्री सुरेश कुमार साहू पिता स्व. श्री सोनूराम साहू द्वारा उक्त भवन को फ्री होल्ड पश्चात अपने नाम पर हस्तांतरण किए जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के फ्री होल्ड पश्चात हस्तांतरण किए जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-5, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 16 वर्ष 2019-20

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भूमि / भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित रखने वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.	पं. क्र.	नाम आवेदक एवं पिता का नाम	नाम हस्तांतरित वल्दियत सहित	वार्ड क्रमांक मोहल्ला	आधार
712	709	जयंत श्रीवास्तव/ स्व. जुगल किशोर वर्मा	मेसर्स मिश्रीलाल जैन पार्टनर - सूरजमल जैन/ मिश्रीलाल जैन	बांसपारा वार्ड क्र. 28	पंजीकृत बयनामा खसरा नं. 1088/2 (शामिल खसरा नं. 1088/6) मकान/ दुकान क्र. 301/सी-2 द्वितीय तल क्षे. 288 व. फी. 26.76 व.मी.
713	710	देवेन्द्र ताम्रकार/विजय कुमार ताम्रकार	मेसर्स मिश्रीलाल जैन पार्टनर- सूरजमल जैन/ मिश्रीलाल जैन	बांसपारा वार्ड क्र. 28	पंजीकृत बयनामा खसरा नं. 1088/2 (शामिल खसरा नं. 1088/6) मकान/ दुकान क्र. 301/सी-1 द्वितीय तल, क्षे. 278 व.फी. 25.83 व.मी.
714	711	ठाकुर राम खेलवान्ड्रे/स्व. परगनिया राम खेलवान्ड्रे	ताराचंद कुमावत/रामप्रसाद कुमावत	बोरसी वार्ड क्र. 52	पंजीकृत बयनामा खसरा नं. 251/33 कु. क्षे. 1036 व.फी. 96.28 व.मी. नि. क्षे. भूतल 651 व. फी. प्रथम तल 698.20 व.फी.
715	712	श्रीमती दुर्गावती सिंह/ सूर्यभानू सिंह	सुमित्रा अग्रवाल/लवकुश अग्रवाल	उरला वार्ड क्र. 58	पंजीकृत बयनामा खसरा नं. 837/24 रकबा 880 व.फी. 81.78 व.मी. नि.क्षे. भूतल 60.98 व.मी. पोर्च एवं सीढ़ी 17.51 व.मी.
716	713	1 श्रीपाल गोलछा/ स्व. श्री कंवरलाल गोलछा 2 अतुल जैन/ श्रीपाल गोलछा	मूलचंद जैन/अमरचंद जैन (1 बंशी अग्रवाल/ स्व. लाजपतराय अग्रवाल 2 आशीष कुमार गुप्ता/स्व. रामशरण गुप्ता)	दीपक नगर वार्ड क्र. 23	पंजीकृत बयनामा खसरा नं. 122/141 एवं 122/364 जुमला क्षे. 4700 व.फी. 436.80 व.मी. एवं 660 व.फी. 61.34 व.मी. कुल रकबा 5360 व.फी. 498.14 व.मी. नि.क्षे. भूतल 2200 व.फी. प्रथम तल 2200 व.फी. द्वितीय तल 600 व.फी.
717	714	बिसमत मांजरे/स्व. लखन लाल मांजरे	लखनलाल मांजरे/स्व. बुधराम मांजरे	पदमनाभपुर वार्ड क्र. 46	नामांतरण आदेश, मृत्यु प्रमाण-पत्र, शपथ पत्र भवन क्र. ई. डब्ल्यू.एस.-27 क्षेत्रफल 550 व.फी.
718	715	बिसमत मांजरे/स्व. लखन लाल मांजरे	ताराचंद कुमावत/रामप्रसाद कुमावत	बोरसी वार्ड क्र. 52	पंजीकृत बयनामा खसरा नं. 287/72 रकबा 960 व. फी. 89.21 व.मी. नि.क्षे. भूतल 49.7 व.मी. प्रथम तल 41.59 व.मी.

नामांतरण अधिकारी
नगर पालिक निगम दुर्ग

परधोनी जंगल में मिली झीरम घाटी नक्सली हमले में लूटी गई एके-47

नव प्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। थाना मानपुर के ग्राम परधोनी जंगल में हुई पुलिस नक्सली मुठभेड़ की घटना में 4 नक्सली मारे गये थे तथा मृत नक्सलियों के पास से 1 नग एके 47 रायफल, 1 नग एसएलआर रायफल एवं 2 नग 315 बोर रायफल बरामद किया गया था। उक्त बरामद हथियार के मिलान हेतु पुलिस मुख्यालय नक्सल अभियान रायपुर, 04थीं बटालियन सेंट्रल स्टोर माना रायपुर एवं सीमावर्ती जिला बालाघाट (म.प्र.), गोंदिया, गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) में भेजा गया था।

पुलिस मुख्यालय नक्सल अभियान रायपुर द्वारा बरामद हथियार एके 47 एवं 7.62 एमएम एसएलआर रायफल के बट नंबर एवं बाड़ी नंबर से मिला कर जानकारी प्राप्त हुआ है, जिसमें 25.05.2013 को माओवादियों द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के परिवर्तन यात्रा के दौरान जिला जगदलपुर के दरभा थाना क्षेत्रांतर्गत झीरम घाटी में हमला कर कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं एवं पुलिस कर्मियों की हत्या कर दिये, जिसमें शहीद महेन्द्र कर्मा के सुरक्षा गार्ड में तैनात शहीद एपीसी सियाराम सिंह, 09वीं बटालियन दंतेवाड़ा से लूटे गये हथियार एके 47 रायफल है। दिनांक 10.02.2006 को जिला दंतेवाड़ा क्षेत्र के थाना किरन्दुल अंतर्गत हिरोली एनएमडीसी मैग्जीन में नक्सलियों द्वारा एक राय होकर सीआईएसएफ का बल जो मैग्जीन सुरक्षा डियूटी में लगा जिस पर हमला कर हथियार लूटने की नियत से गोली बारी एवं बम विस्फोट किया गया जिसमें सीआईएसएफके 7 जवान शहीद हुये थे तथा 14 नग एसएलआर रायफल व कारतुस, 1 नग 9 एमएम पिस्टल एवं भारी मात्रा में विस्फोटक सामाग्री लूट कर ले गये थे। इस घटना में लूटे गये एसएलआर हथियार के रूप में पहचान किया गया है। उपरोक्त दोनो लूटे गये हथियार के संबंध में हथियार की वापसी हेतु उचित कार्यवाही करने संबंधित जिले को जानकारी दी गई है।

महासमुंदः प्रवासी श्रमिकों को मुम्बई से प. बंगाल ले जा रही बस पलटी

■ **स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी श्रमिकों को किया गया प्रारम्भिक स्क्रीनिंग टेस्ट**

नव प्रदेश संवाददाता

महासमुंद। केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा अन्य प्रदेशों में कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण लॉकडाउन में फंसे प्रवासी श्रमिकों को लाये जा रहे हैं। महासमुंद अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सुनील कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि महासमुंद जिले के नेशलन हाईवे-53 में छछान पहाड़ी के पास तुमगॉव थाना के अंतर्गत मुम्बई से पश्चिम बंगाल (कलकत्ता) के मिदनापुर जिला जा रहे 30 श्रमिकों से भरी यात्री बस सुबह 06:30 बजे छछान पहाड़ी के मोड़ पर अनियंत्रित होकर बस पलट गई। जिसमें चार, पॉच श्रमिकों को मामूली चोट लगी थी, उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमगॉव लाकर उपचार किया गया। इसके उपरांत उन्हें डिस्चार्ज किया गया। इसी तरह दो श्रमिकों के हाथ, पैर में फ्रेक्चर होने पर उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमगॉव से जिला चिकित्सालय भेजकर उपचार किया जा रहा हैं। सभी श्रमिक रेड जोन से वापस आ रहे थे, इस कारण चिकित्सकों द्वारा सभी लोगों का आर.टी.पी.सी.आर. किया गया। इनमें से किसी भी श्रमिकों में संक्रमण के लक्षण नहीं पाया गया। प्रशासन द्वारा सभी श्रमिकों को स्थल पर ही चाय, नाश्ता कराकर उन्हें अन्य बस के माध्यम से ओड़िशा बॉर्डर तक पहुँचाया गया। इसके उपरांत वहां से अन्य बस के माध्यम से श्रमिकों को उनके गंतव्य स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

89 सैंपल जांच के लिए एम्स रायपुर भेजा गया

महासमुंद। जिले में गुरुवार को कोरोना जांच को लेकर 89 सैंपल (आरटीपीसीआर) जांच के लिए एम्स रायपुर भेजा गया। वहीं 12 लोगों की रैपिड किट से जांच की गई जो निगेटिव थी। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिए जिले में लगातार निगरानी जारी है। जिलेभर से अब तक 968 स्वॉब के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे जा चुके हैं, जिसमें से 922 की रिपोर्ट निगेटिव आई है। वहीं 46 सैंपल के रिपोर्ट का इंतजार है। जिले में अब तक 14440 लोग बाहर से आए हैं, जिसमें से 5037 ने 28 दिन की क्वारेंटाइन अवधि पूरी कर ली है। वहीं 9388 लोग क्वारेंटाइन पर हैं। जिला चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ आरके परदल ने बताया कि जिले में कोविड-19 की रोकथाम के लिए आने वाले दिनों में सैंपल साइज और बढ़ाया जाएगा।

शासकीय अस्पतालों में 361 डाक्टरों की संविदा नियुक्ति

दो साल तक देंगे सेवा

रायपुर (नव प्रदेश)। प्रदेश के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में 361 नए डॉक्टर सेवाएं देंगे। राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने आज नए डॉक्टरों की पदस्थापना सूची जारी की है। ये डॉक्टर

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों, जिला चिकित्सालयों, सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा मातृ एवं शिशु अस्पतालों के साथ ही विशेषीकृत कोविड अस्पतालों में सेवाएं देंगे। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने सरकारी अस्पतालों में सेवा के साथ अपने करियर की शुरूआत करने वाले सभी नए डॉक्टरों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि विभाग के साथ इनके जुड़ने से कोविड-19 के नियंत्रण के लिए एक बड़ी टीम मिलेगी। ये युवा डॉक्टर शहरों के अस्पतालों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों और दूरस्थ अंचलों के सरकारी अस्पतालों में काम कर कोविड-19 के साथ ही नॉन-कोविड चिकित्सा सुविधाओं को लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जल्द ही 200 और डॉक्टरों की पदस्थापना की जाएगी। श्री सिंहदेव ने अपने ट्वीट में कहा है कि 361 डाक्टरों की नियुक्ति संविदा में की गई है जो दो साल तक अपनी सेवाएं देंगे।

लॉकडाउन में मनरेगा बना श्रमिकों का सहारा

गरियाबंद जिले में 1.06 लाख श्रमिकों को मिल रहा रोजगार

नव प्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के गरियाबंद जिले में प्रतिदिन एक लाख 6 श्रमिकों को काम मिल रहा है । मजदूरों को गांव में रोजगार उपलब्ध कराने में सबसे बड़ी भूमिका अदा करने वाली योजना मनरेगा के तहत आज जिला गरियाबंद के 313 ग्राम पंचायतों में चल रहे एक हजार 882 कार्यों में एक लाख 6 हजार 856 श्रमिक कार्यरत है, जिला गठन के बाद पहली बार एक ही दिन में एक लाख से अधिक मजदूर कार्य कर रहे हैं। कार्य स्थल में सोशल डिस्टेंसिंग और एक मीटर की दूरी के नियमों का पालन भी किया जा रहा है।

कोरोना के संकट में शासन द्वारा मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार के प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा दिये गये निर्देश के अनुरूप जिले में रोजगार का सृजन किया जा रहा है। इससे मजदूरों को काम के साथ-साथ आमदनी भी मिल रहा है। संकट के इस दौर में मनरेगा ग्रामीण मजदूरों के लिए सहारा बना है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के अनुसार जिले में मनरेगा का क्रियान्वयन प्राथमिकता से किया जा रहा है। जिला में इस सत्र में 63 लाख 27 हजार 337 मानव दिवस का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें से 14 लाख 53 हजार 504 मानव दिवस अर्जित कर लिया गया है।

नौतपे में झुलस रहा दंतेवाड़ा जिले का मनाली

फ्रिज-कूलर, एसी और पंखों की बिक्री बढ़ी

नव प्रदेश संवाददाता

बचेली। लौहनगरी में गर्मी ने अपना कहर बरसाना शुरू कर दिया है। जिले के मनाली की संज्ञा दिए जाने वाली लौहनगरी का तापमान अधिकतम 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है. नौतपा शुरू हुए केवल 5 दिन हो रहे है। जानकारों ने इस भीषण गर्मी का कारण उत्तर-पश्चिमि गर्म हवाओं को बताया है।

सूर्य जब रोहिणी नक्षत्र में होकर वृष राशि के 10 से 20 अंश तक रहता है तब नौतपा होता है. इन दिनों सूर्य पृथ्वी के सबसे करीब होता है. इस नक्षत्र में सूर्य करीब 15 दिनों तक रहेगा. लेकिन शुरुआती नौ दिनों में गर्मी बहुत बढ़ जाती है. इसलिए इन नौ दिनों के समय को ही नौतपा कहा जाता है. वही कोरोना महामारी और लॉकडाउन के बाद इलेक्ट्रोनिक बाजार में छाई मंदी अब नौतपा की गर्मी में छंटने लगी है। 40 डिग्री तापमान के बीच पड़ रही भीषण गर्मी के कारण इलेक्ट्रोनिक बाजार में अचानक उछाल आया है। एयरकंडीशनर और फ्रिज, कूलर की बिक्री जोर पकडने लगी है।

हालांकि कोरोना महामारी के बाद घोषित हुए लॉकडाउन के बाद व्यापारियों की उम्मीद टूट चुकी थी, लेकिन लॉकडाउन में इलेक्ट्रोनिक्स उत्पादों की बिक्री को मिली छूट और गर्मी को देखते हुए खरीदारों का रुख इलेक्ट्रॉनिक शोरूम की ओर होने लगा है। इलेक्ट्रोनिक्स उत्पादों की बढ़ी बिक्री को देखते हुए अब कम्पनियों ने ग्राहकों को लुभावने ऑफर भी देने शुरू कर दिए हैं। कुल मिलाकर इंद्र देवता लौहनगरी वासियो पर अपनी कृपा कब बरसाते है ,कब ठंडी बारीश की बूंदे लोगो को इस भीषण गर्मी से राहत पहुंचाती है इसका बेसब्री से नगरवासी इंतजार कर रहे है।

अजीत जोगी के निधन पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने गहरा दुख व्यक्त करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित की है। राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में उनकी सेवाओं का स्मरण करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने गहरा दुख व्यक्त किया है। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन पर कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष गिरीश देवांगन, प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री प्रशासन रवि घोष, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला ने शोक व्यक्त किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन पर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, राजेंद्र तिवारी सदस्य, रमेश वर्ल्यानी सदस्य, आर पी सिंह सदस्य, सुरेंद्र शर्मा सदस्य, सुशील आनंद शुक्ला सदस्य, किरणमयी नायक सदस्य, विभोर सिंह सदस्य, रउफ कुरैशी सदस्य, विकास दुबे सदस्य, संदीप साहू सदस्य, नितिन भंसाली सदस्य, अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव सदस्य, इंजीनियर अमित यदु सदस्य, क्रांति बंजारे सदस्य, नीना रावतिया सदस्य, अधिवक्ता मोहन निषाद सदस्य, ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के निधन पर प्रदेश प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी, धनंजय ठाकुर, विकास तिवारी, मोहम्मद असलम, एडवोकेट सुरेंद्र वर्मा, एम ए इकबाल, वंदना राजपूत, आलोक दुबे, अभय नारायण राय, जनार्दन त्रिपाठी, कमलजीत पिंटू, कृष्णकुमार मरकाम, स्वपनिल मिश्रा, प्रकाशमणि वैष्णव, अशुंल मिश्रा ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रवासी श्रमिकों को वापस लाने 59 ट्रेनों की सहमति

■ **39 ट्रेनों के लिए रेल मण्डलों को 3.74 करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान**

रायपुर। नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों तथा अन्य लोगों को मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर वापस लाने का सिलसिला लगातार जारी है। श्री बघेल के निर्देशन पर राज्य के बाहर फंसे श्रमिकों एवं अन्य लोगों को वापस लाने के लिए राज्य सरकारों से समन्वय कर अब तक 59 ट्रेनों के लिए सहमति प्रदान की गई है। श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने बताया कि भवन एवं अन्य सन्ननिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा प्रवासी श्रमिकों को वापस छत्तीसगढ़ लाने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेन के लिए विभिन्न रेल मण्डलों को श्रमिकों के यात्रा व्यय के लिए आवश्यक राशि का भुगतान किया जा रहा है। वर्तमान में 50 हजार 797 यात्रियों को 39 ट्रेनों से वापस लाने के लिए 3 करोड़ 74 लाख 31 हजार 330 रूपए का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा स्पेशल श्रमिक ट्रेन से अन्य प्रदेशों में फंसे श्रमिकों को 53 ट्रेनों के माध्यम से लगभग 71 हजार 712 श्रमिकों को एवं 453 अन्य यात्रियों को वापस लाया जा चुका है। डॉ. डहरिया ने बताया कि लॉकडाउन के कारण श्रमिकों को जो छत्तीसगढ़ राज्य की सीमाओं पर पहुंच रहे है एवं राज्य से होकर गुजरने वाले सभी श्रमिकों के लिए नाश्ता, भोजन, स्वास्थ्य परीक्षण एवं परिवहन की निःशुल्क व्यवस्था से श्रमिकों को काफी राहत मिली है।

मुरुम का अवैध खनन, शासन को लगा रहे लाखों का चूना!

निर्माण में लगे ठेकादार ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध खनन कर मुरुम परिवहन कर रहे हैं। आलम यह है कि तालाबों में 10 से 15 फीट तक गहरे गड्ढे कर दिए गए हैं।

हरि साहू

गंडई पंडरिया। गंडई से महज 6 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत लालपुर अवैध मुरुम खनन धड़ल्ले से हो रहा है। जिसकी जानकारी न तो सरपंच को है और न ही सचिव को। ठेकेदार ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध खनन कर मुरुम परिवहन कर रहे हैं। आलम यह है कि मुरुम वाली जगह मे 10 से 15 फीट तक गहरे गड्ढे कर दिए गए हैं। खनन माफिआओं द्वारा आर्थिक हितों के फेर में ताला बों को बेतरतीब ढंग से खोदकर बर्बाद किया जा रहा है और शासन को लाखो का चुना लगाया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार लिमों से पेंडरवानी जाने वाले मार्ग पर ग्राम पंचायत लालपुर मे गत दिनो से खनिज माफ़ियों द्वारा मुरुम खनन का करी किया जा रहा है। जिसकी जानकारी सरपंच तक को नहीं है। सूत्र बताते है की लगातार यहा एक जेसीबी व 6 हाइवा परिवहन मे लगे हुये है। मुरूम का अवैध उत्खनन और परिवहन हो रहा है। जेसीबी मशीन से मुरुम खोदकर जमीन को खाई में तब्दील किया जा रहा है। खनिज का बेतहाशा दोहन किया जा रहा है। तालाब से कितना मुरूम निकालना है पंचायत प्रतिनिधि भी नहीं बता पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक यहां 10 फीट से ज्यादा गहरा गड्ढा बन चुका है। कई ट्रीप मुरुम का परिवहन किया जा चुका है। ऐसे में जमीन खाई बन गई है। तालाब में कभी भी अनहोनी की घटना घट सकती है। वही इस अनहोनी की आशंका को लेकर ग्रामीण बेहद नाराज है। तालाब में भी मुरूम के अवैध खनन का मामला प्रकाश में आया था। इस पर कोई कार्यवाही नही की गयी।

अधिकारियों की निष्क्रयता

जानकारी के अनुसार, अवैध खनन में शासकीय कर्मचारी, जनप्रतिनिधि व सड़क ठेकेदारों सलिप्तता देखी जा रही है। संबंधित खनिज विभाग के अधिकारियों के निष्क्रियता के परिणाम स्वरूप खनन माफिआओं के हौसले बुलंद है। मामला ग्राम लालपुर सहित कई गांव में तालाब खनन कर सैकड़ों ट्रक मुरुम परिवहन करने का है।

जमीनों को कर रहे बर्बाद

जिले में अवैध खनन का आलम यह है कि खनन माफिआओं द्वारा कहीं पर भी शासकीय भूमि को खोद दिया जा रहा है, वहीं तालाबों को भी नहीं छोड़ा जा रहा है। गौरतलब हो कि अल्प वर्षा व भीषण गर्मी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर तालाब सूख चुके हैं, ऐसी स्थिति में गांव के सूख चुके तालाबों में बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार आने वाले दिनों में तालाब में निस्तारी को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

जनप्रतिनिधि व ठेकेदारों की संलिप्तता

बताना होगा कि अवैध मुरूम खनन में सड़क ठेकेदारों के साथ जनप्रतिनिधियों के नाम सामने आ रहे हैं। जहां संबंधितों द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है। खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई करने की स्थिति में जनप्रतिनिधि व ठेकेदार अपने रसूख का इस्तेमाल कर कार्रवाई नहीं करने का दबाव बनाते हैं।

ग्रामीण व मवेशी हो सकते है चोटिल

ग्राम लालपुर के ग्रामीणो ने बताया कि ग्रामीणों के कई बार मना करने के बावजूद खनन माफिया द्वारा तालाब को बेतरतीन ढंग से खोदकर मुरुम निकाला जा रहा है। गहरे गड्ढे में मवेशी व ग्रामीण गिरकर चोटिल होने की संभावना हैं। जनप्रतिनिधियों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की कार्यप्रणाली से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

> ग्राम पंचायत लालपुर सरपंच रानु पटेल का कहना है की खनिज माफ़ियों द्वारा मुझे न ही लिखित रूप से और न ही मौखिक रूप से मुझे कोई जानकारी नहीं दी गई है।